विषय-वस्तु

	अध्याय	पृष्ठ सं.
	2022 - 23 एक परिदृश्य	1
I	कार्यकारी सारांश	6
II	बोर्ड का गठन एवं कार्य	16
III	प्रशासन एवं स्थापना	20
III (क)	दिव्यांग कर्मियों का विवरण	29
IV	कॉफ़ी अनुसंधान	30
V	विस्तार एवं विकास	40
VI	बाज़ार विकास एवं संसाधन हेतु समर्थन	50
VII	निर्यात प्रोन्नयन	55
VIII	बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना	70
IX	लेखा एवं वित्त	72

2022-23 -एक परिदृश्य

वर्ष 2022-23 के लिए कॉफ़ी बोर्ड की 83वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है।

कॉफ़ी विश्व में 70 से अधिक विकासशील देशों में उगाई जाती है। शीर्ष पांच कॉफ़ी उत्पादक देश ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया और इथियोपिया वैश्विक उत्पादन का लगभग 74% हिस्सा हैं। वैश्विक कॉफ़ी उत्पादन में लगभग 3.50% हिस्सेदारी के साथ भारत दुनिया में कॉफ़ी का 7वां सबसे बड़ा उत्पादक है।

कॉफ़ी उत्पादक देशों के लिए मुख्य रूप से एक निर्यात-उन्मुख वस्तु है। वैश्विक निर्यात में लगभग 5.20% हिस्सेदारी के साथ भारत विश्व में कॉफ़ी का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है, बल्कि विश्व में कुछ बेहतरीन कॉफ़ी का उत्पादन करता है। भारतीय उच्च-गुणवत्ता वाली कॉफ़ी ने अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में उच्च प्रीमियम अर्जित करके अपने लिए एक जगह बनाई है, विशेष रूप से रोबस्टा जो अपनी अच्छी मिश्रण गुणवत्ता के लिए अत्यधिक पसंद किया जाता है।

वैश्विक कॉफ़ी उत्पादन और उपभोग

अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन के अनुसार, कॉफ़ी वर्ष 2022-23 के लिए वैश्विक उत्पादन 171.3 मिलियन बैग्स होने का अनुमान है, जो 2021-22 में 168.5 मिलियन बैग्स पर 1.7% की वृद्धि दर्शाता है। कॉफ़ी वर्ष 2022-23 के लिए विश्व उपभोग 178.5 मिलियन बैग्स होने का अनुमान है, जो कॉफ़ी वर्ष 2021-22 में 175.6 मिलियन बैग्स के स्तर से 1.6% की वृद्धि है। परिणामस्वरूप, विश्व कॉफ़ी बाजार में एक और वर्ष घाटे की आशंका है, अर्थात् 7.2 मिलियन बैग्स की कमी, जिसका मुख्य कारण प्रमुख कॉफ़ी उत्पादक देशों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति है।

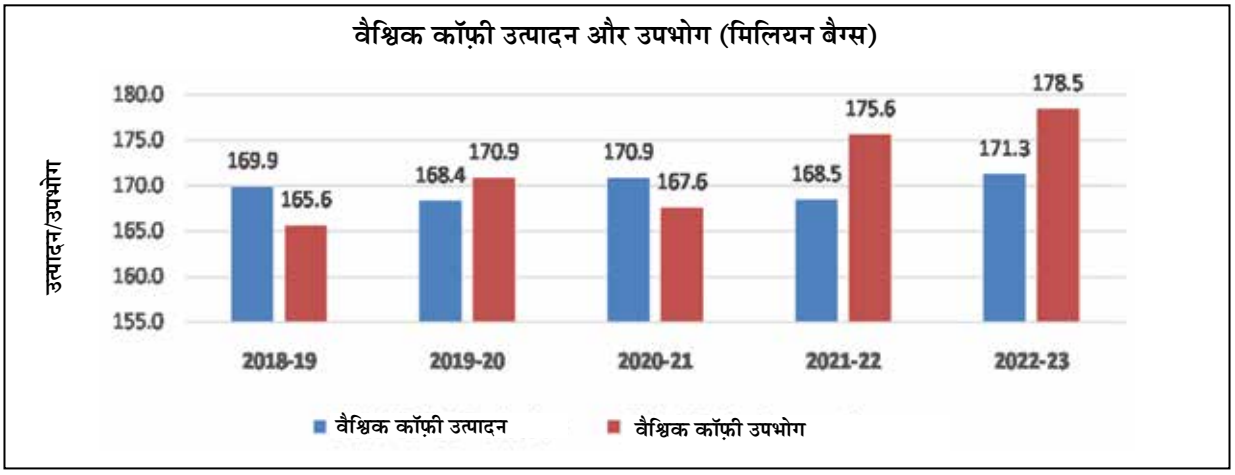

स्रोत : अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य

कॉफ़ी की कीमतें काफी हद तक अरेबिका के लिए इंटर कॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई), न्यूयॉर्क और रोबस्टा के लिए आईसीई, यूरोप जैसे अंतर्राष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंजों की कीमतों से प्रभावित होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ), लंदन ने अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म में भौतिक व्यापार के आधार पर आईसीओ समष्टिक सूचकांक कीमतों की घोषणा की। कॉफ़ी की मूल्य मुख्य रूप से वैश्विक आपूर्ति, मांग और स्टॉक

मूवमेंट जैसे बुनियादी कारकों द्वारा निर्धारित होती है। विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और कॉफ़ी वायदा बाजारों में व्यापारिक गतिविधियों जैसे गैर-मौलिक कारक कीमत में अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं। यह जानकर खुशी हुई कि 2022-23 के दौरान कॉफ़ी की मूल्यों में बढ़ोतरी देखी गई। आईसीओ के अनुसार, 2021-22 के दौरान वार्षिक औसत समग्र सूचकांक मूल्य 172.52 यूएस सेंट्स/पौंड की तुलना में 2022-23 में वार्षिक औसत समग्र सूचकांक मूल्य 5.27% बढ़कर 181.61 यूएस सेंट्स/पौंड हो गया।

अन्य मृदु अरेबिका (अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय अरेबिका को जिस श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है) की मूल्यों में तेजी देखी गई है। वर्ष के दौरान, अन्य मृदुओं की आईसीओ सूचकांक मूल्य 206.76 यूएस सेंट्स/पौंड से 273.69 यूएस सेंट्स/पौंड के बीच रहीं, जिसका औसतन 242.86 यूएस सेंट्स/पौंड है, जो पिछले वर्ष (2021-22) के जिसका औसत मूल्य 230.90 यूएस सेंट्स/पौंड की है और औसत से लगभग 5% अधिक है। जबकि, रोबस्टा की मूल्यों में इसी अवधि के दौरान औसतन मूल्यों 102.35 यूएस सेंट्स/पौंड के साथ 92.59 यूएस सेंट्स/पौंड से लेकर 111.49 यूएस सेंट्स/पौंड तक रही हैं, जो पिछले वर्ष की मूल्य (98.63 यूएस सेंट्स/पौंड) से लगभग 3.78% अधिक है।

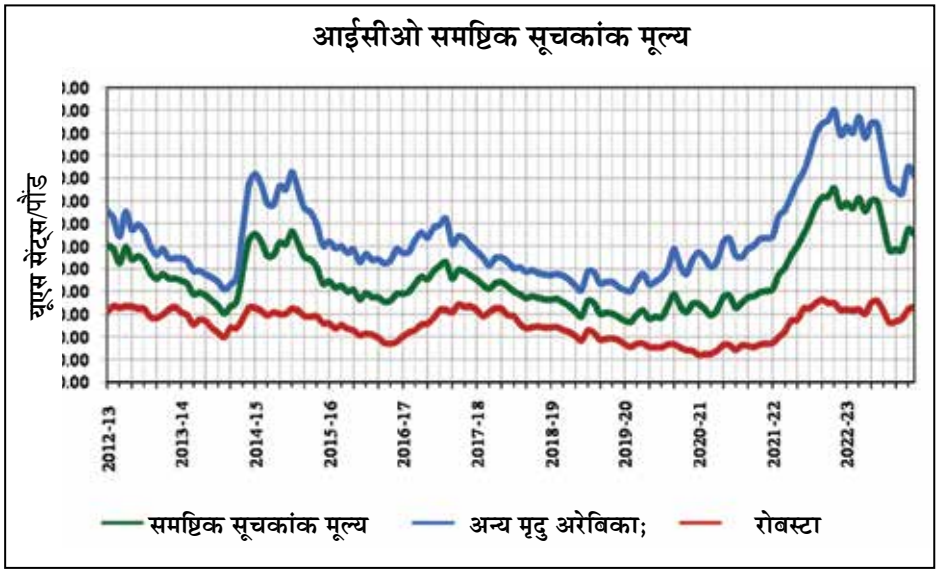

भारतीय परिदृश्य

वर्ष 2022-23 के दौरान, पारंपरिक क्षेत्रों के सभी कॉफ़ी उत्पादक क्षेत्रों में फूल और समर्थन फुहार की प्राप्ति संतोषजनक थी, इसके बाद मौसम की स्थिति सामान्य रही, जिससे कॉफ़ी बागानों में नई निर्वृक्ष क्षेत्र स्थापित करने और सामान्य मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद मिली। जहां भी, जिन उत्पादकों के पास ऊपरी सिंचाई की सुविधा थी, उन्होंने सुनिश्चित फसल सेटिंग के लिए रोबस्टा को फूलों को समर्थन सिंचाई प्रदान की। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून 2022 के पहले सप्ताह में कमजोर गति से आया और जुलाई और सितंबर महीने के दौरान इसकी गति बढ़ी। जुलाई का महीना प्रचुर मात्रा में वर्षा लेकर आया है, जिससे टैंकों और जलधाराओं को पुनर्जीवित करने और नलकूप, कुओं में जल भराव होने में मदद मिली है। कुल मिलाकर, मानसून ने कॉफ़ी क्षेत्रों में मृदा की नमी और वनस्पति विकास को बनाए रखने में मदद की। पारंपरिक कॉफ़ी उत्पादक

क्षेत्रों में 2022-23 मानसून अवधि के दौरान प्राप्त वर्षा 2021-22 की अवधि की तुलना में बहुत अच्छी थी।

उत्तर-पूर्वी मानसून अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े के दौरान शुरू हुआ और पूरे मौसम में मध्यम से उच्च हवा के वेग के साथ सक्रिय रहा। इसके अलावा, दिसंबर महीने के दौरान हुई बारिश के कारण कॉफ़ी की कटाई और प्रसंस्करण में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे कुछ हद तक गुणवत्ता में गिरावट आई है। कुल मिलाकर, 2022-23 के दौरान मौजूद मौसमी परिस्थितियाँ कॉफ़ी के पौधों और फसल के सामान्य स्वास्थ्य और ओज के लिए अनुकूल थीं।

उत्पादन और निर्यात

2022-2023 के लिए कॉफ़ी उत्पादन का अंतिम अनुमान 3,52,000 मेट्रिक टन रखा गया था, जिसमें 1,00,000 मेट्रिक टन अरेबिका और 2,52,000 मेट्रिक टन रोबस्टा शामिल था, जो एक रिकॉर्ड उत्पादन है और पिछले वर्ष (2021-22) की तुलना में 3% की वृद्धि है, जिसमें 3,42,000 मेट्रिक टन का उत्पादन हुआ है, जिसमें 95,000 मेट्रिक टन अरेबिका और 2,47,000 मेट्रिक टन रोबस्टा शामिल है।

2022-23 के दौरान, 3,96,386 मेट्रिक टन कॉफ़ी (98,057 मेट्रिक टन पुन: निर्यात सहित) के निर्यात के लिए 8,985 करोड़ रुपये मूल्य के निर्यात परमिट जारी किए गए, जो 1,120 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है, जिसकी प्रति इकाई के लिए मेट्रिक टन मूल्य प्राप्ति 2,99,428 रुपये है। वर्ष 2021-22 के दौरान, 4,16,247 मेट्रिक टन कॉफ़ी (93,972 मेट्रिक टन पुन: निर्यात सहित) के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिसका मूल्य 7,700 करोड़ रुपये था, जो 1,033 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर था। प्रति मेट्रिक टन के लिए 2,46,464 रुपये की इकाई मूल्य वसूली था, 2022-23 के दौरान, पिछले वर्ष के 123 देशों की तुलना में 118 देशों को कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिनमें से इटली, जर्मनी, रूसी संघ, बेल्जियम और तुर्की शीर्ष पांच आयातक देश थे। 2021-22 के दौरान, पिछले वर्ष के 125 देशों की तुलना में 123 देशों को कॉफी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिनमें से इटली, जर्मनी, बेल्जियम, रूसी संघ और जॉर्डन शीर्ष पांच आयातक देश थे।

घरेलू मूल्य

इंडियन कॉफ़ी ट्रेडर्स एसोसिएशन (आईसीटीए), घरेलू बाज़ार द्वारा आयोजित नीलामी में प्रचलित मूल्यों के अनुसार अरेबिका (प्लांटेशन 'ए') की मूल्य रुपये से लेकर 348/किग्रा से रु. 425/किग्रा, जिसका औसतन मूल्य रु.399/किग्रा है, जो कि पिछले वर्ष के दौरान प्रचलित मूल्यि (रु.352/किग्रा) से लगभग 13.35% अधिक है और रोबस्टा (चेरी 'एबी') की मूल्य रु.173/- से 198/- रुपये बीच में प्रति किलोग्राम था जिसके औसतन 185 रुपये प्रति किलोग्राम के साथ, जो कि पिछले वर्ष के दौरान प्रचलित कीमत (147 रुपये प्रति किलोग्राम) की तुलना में 25.85% की वृद्धि है।

नीलामी मूल्य- आईसीटीए (बेंगलूरु) में प्राप्त औसत मूल्य (₹./कि.ग्रा.)

वित्तीय वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
प्लांटेशन 'ए'	193	236	282	352	399
रोबस्टा चेरी 'ऐबी'	137	139	131	147	185

घरेलू उपभोग

सभीकॉफ़ीनिर्यातकदेशोंकाघरेलूकॉफीउपभोगकीऔसतवृद्धिदर 2.1ज़्हैजबकिभारतमेंउपभोग 3 से 4ज़्बढ़रहाहै।हालाँकि भारत में घरेलू कॉफ़ी उपभोगकीवृद्धिदरनिर्यातक देशों केऔसतसे ऊपर है, लेकिनअधिकांशप्रमुखकॉफ़ीनिर्यातकदेशोंकीतुलनामें कॉफ़ी का संपूर्ण उपभोगभारतमें कमहै।वर्तमानमें,घरेलूउपभोग 1,15,000 मे.ट.अनुमानित किया गया है।घरेलू कॉफ़ी उद्योग ाकीदीर्घकालिकस्थिरताकेलिए, घरेलूकॉफ़ी उपभोगमेंवृद्धिहोना जरुरीहै।एक सदृढ़ घरेलू कॉफ़ी बाजार ने उपजकर्ताओं कॉ. फीकेअस्थिरमूल्यों के प्रतिसुरक्षाप्रदानकरेगा, उत्कृष्टरोजगारव ेअवसरप्रदानकरेगा, उद्यमशीलताकोप्रोत्साहितकरेगाऔरमूल्य श्रृंखलामें समग्रसुधारकरेगा। बढ़तेबाजार कासमर्थनदेनेकेलिए कॉफ़ीबोर्डनेकईकदमउठाएजिनमेंकापीशास्त्र, बरिस्ताकौशल, उद्यमिताविकासजैसे कौशलविकासकार्यक्रम शामिल हैं और 'मूल्यरवर्धित समर्थन' घटक के तहत कॉफ़ी के खुदरे बिक्री के साथ-साथ व्य क्तिगत एकक/स्वक सहायता समूह/उपजकर्ता समूह/को-आपरेटिव को भुनाई, पिसाई और पैकेजिंग एकक के लिए समर्थन बढ़ा दिया है।

घरेलू शुद्ध कॉफ़ी की उपभोग को बढ़ावा देने और भारतीय उच्च गुणवत्ता वाली कॉफ़ी के प्रीमियमीकरण के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने 'इंडिया कॉफी' ब्रांड के तहत दो भौगोलिक संकेत (जीआई) कॉफ़ी (कूर्ग अरेबिका कॉफ़ी और चिकमगलूर अरेबिका कॉफ़ी) सहित 'कॉफ़ीज़ ऑफ़ इंडिया' ब्रांड के रुप में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर छह प्रीमियम कॉफ़ी लॉन्च कीं।

निर्यात प्रोन्नयन

2022-23 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने निर्यात प्रोत्साहन के लिए किसी भी भौतिक कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। हालाँकि, कॉफ़ी बोर्ड ने आयातक देशों में भारतीय कॉफ़ी को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में भारतीय नियोग के साथ सहयोग करने के लिए प्रचार कार्यक्रम आयोजित करके, जैसे भारतीय कॉफ़ी पर कॉफ़ी स्वादन के सत्र, आभासी कॉफ़ी उत्सवों में भागीदारी और आभासी क्रेता-विक्रेता बैठकों का आयोजन करके प्रणालीगत प्रयास किए। कॉफ़ी बोर्ड ने सभी विदेशी आभासी आयोजनों में भारतीय कॉफ़ी निर्यातकों और स्पेशाल्टी कॉफ़ी उत्पादकों की बड़े पैमाने पर भागीदारी के लिए प्रयास किए। इसके अलावा, भारतीय कॉफ़ी के प्रचार को बढ़ावा देने के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने सभी विदेशी कार्यक्रमों में वीआईपी और गणमान्य व्यक्तियों को देने और प्रमुख आयातक देशों में भारतीय नियोग के माध्यम से प्रचार के लिए उच्च गुणवत्ता वाले जीआई और अन्य क्षेत्रीय स्पेशाल्टी कॉफ़ी वाले कॉर्पोरेट उपहार बॉक्स पेश किए।

कॉफ़ी बोर्ड ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित कॉफ़ी निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न हितधारकों के मुद्दों को हल करने के लिए कॉफ़ी निर्यातकों और निर्यातक एसोसिएशन/ स्पेशलिटी कॉफ़ी एसोसिएशन और संबंधित विभागों के साथ बैठकें आयोजित कीं। इसके अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने उचित हस्तक्षेप और समर्थन के लिए मंत्रालय और संबंधित विभागों के साथ बैठकों के दौरान कॉफ़ी निर्यातकों द्वारा उठाए गए सभी प्रासंगिक मुद्दों को उठाया है।

2022-23 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी उत्पादकों और उभरते उद्यमियों के लिए कई मध्यवर्ति संस्थवो के बिना प्रत्यक्ष निर्यात के लिए एक मंच बनाने के लिए एक इन्क्यूबेशन कार्यक्रम 'विक्रयम' का आयोजन किया है। कॉफ़ी बोर्ड ने कर्नाटक के कोडगु और चिक्कमगलुरु जिलों में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला के एक भाग के रूप में कॉफ़ी उत्पादकों और उद्यमियों के लिए कॉफ़ी क्षेत्र में एक दिवसीय विक्रयम प्रशिक्षण कार्यक्रम और नवाचार और उद्यमिता अवसर भी आयोजित किया।

कॉफ़ी बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय भातृत्व को भारतीय कॉफ़ी की विशिष्टता दिखाने के लिए जी-20 कार्यक्रमों में एक कॉफ़ी अनुभव क्षेत्र स्थापित किया है।

कॉफ़ी अनुसंधान

कॉफ़ी बोर्ड अनुसंधान विभाग ने वर्ष 2022-23 के दौरान "सतत कॉफ़ी उत्पादन और प्रौद्योगिकी का अंतरण के लिए अनुसंधान एवं विकास" कार्यक्रम के तहत कई अनुसंधान कार्यक्रम लागू किए हैं। अनुसंधान परियोजनाएं मुख्य रूप से केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई), चिक्कमगलुरु, कर्नाटक और चेट्टल्ली (कोडगु, कर्नाटक), चुंडेल (वायनाड, केरल), तांडीकुडी (पुल्नीज़, तमिलनाडु) में आर. वी. नगर (अल्लूरी सीतारमा राजू जिला, आंध्र प्रदेश) और दीफू (कार्बी आंगलोंग जिला, असम) क्षेत्रीय स्टेशनों के अनुसंधान स्टेशनों और,पादप ऊतक संवर्धन एवं जैव प्रौध्योगीक केंद्र, मैसूर और कॉफी गुणता प्रभाग, बेंगलूरु भी स्थित इसके एक नेटवर्क के माध्यम से कार्यान्वित की जाती हैं।

परियोजनाओं को मेसर्स नेस्ले आर एण्ड डी, फ्रांस तथा वर्ल्ड कॉफ़ी रिसर्च, यूएसए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और कृषि विज्ञान विश्वाविद्यालय, बेंगलूरु; तमिलनाडु कृषि विश्वरविद्यालय, कोयम्बत्तूर; राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली एवं पीपीवी एण्ड एफआरए प्राधिकरण, नई दिल्ली जैसे राष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग से भी कार्यान्वित किए गए हैं। सीसीआरआई ने भी जैन इरिगेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, जलगांव, महाराष्ट्र जैसे निजी उद्यमियों के साथ सहयोगी अनुसंधान कार्य संभाला है।

कॉफ़ी बोर्ड कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने प्रमुख गतिविधियों जैसे अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी का अंतरण, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, हितधारकों को विकास सहायता जैसे मध्यम अवधि के ढांचे के दौरान "एकीकृत कॉफी विकास परियोजना" योजना को लागू करना जारी रखा जैसे, पारंपरिक क्षेत्रों में कॉफ़ी के लिए, गैर-पारंपरिक क्षेत्रों (एनटीए) में कॉफ़ी के लिए विकास सहायता, उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में कॉफी के लिए विकास सहायता, श्रमिकों के बच्चों के लिए कल्याण सहायता, निर्यात प्रोत्साहन और उत्पादन में सुधार के लिए मूल्यवर्धन के लिए सहायता, उत्पादकता, कॉफी की गुणवत्ता और समग्र मूल्य प्राप्ति में वृद्धि आदि।

नवंबर - 2023
बेंगलूरु

डॉ.के.जी.जगदीशा, आईएएस
मु.का.अ. एवं सचिव, कॉफ़ी बोर्ड

*****

अध्याय - I

कार्यकारी सारांश

उत्पादन

- पिछले वर्ष के 3,42,000 टन के उत्पादन की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान 3% की वृद्धि के साथ अंतिम आकलन 3,52,000 टन रखा गया है जिसमें अरेबिका का 1,00,000 मे.ट. (कुल का 28%) और रोबस्टा का 2,52,000 मे.ट. (कुल का 72%) को शामिल किया गया है।
- कुल मिलाकर कॉफ़ी की कृषि उत्पादकता 814 कि. ग्रा./हेक्टेयर थी।
- कॉफ़ी का कुल रोपित क्षेत्र लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से कुल फलन क्षेत्र लगभग 4.33 लाख हेक्टेयर था।
- देश में लगभग 4,22,669 कॉफ़ी जोत हैं जिनमें से लगभग 4,19,772 छोटी जोत हैं, जिनका जोत विस्तार 10 हेक्टेयर से कम हैं, जो कुल जोत का लगभग 99% है।

निर्यात

- वित्ते वर्ष 2022-2023 में कॉफ़ी बोर्ड द्वारा जारी निर्यात परमिट के अनुसार, 44,190 मे.ट. अरेबिका, 2,11,689 मे.ट. रोबस्टा, 1,40,092 मे.ट के इन्स्टैन्ट कॉफ़ी, 415 मे.ट.भुने कॉफ़ी बीन्स और भुने व पिसे कॉफ़ी और 98,057 मे.ट पुनर्निर्यातित कॉफ़ी को शामिल कर कुल 3,96,386 टन कॉफ़ी जिसका मूल्य 8,985 करोड़ रुपये (1,120 मिलियन यूएस $ के समतुल्य) था, को 118 देशों में निर्यात की गई थी।
- इटली, जर्मनी, रूसी संघ, बेल्जियम और टर्की- भारतीय कॉफ़ी के अग्रणी पाँच निर्यात गंतव्य हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यातित सभी प्रकार की कॉफ़ी का समाष्टिक इकाई मूल्य प्रति टन के लिए 2,99,301 रुपए थे।
- वर्ष 2022-2023 में किए गए 193 नए पंजीकरण और 114 पंजीकरण के नवीनीकरण को शामिल कर कॉफ़ी बोर्ड के पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 1,911 हैं जो पिछले वर्ष 1,604 थी।
- पिछले वर्ष के दौरान जारी किए गए 13,258 परमिटों की तुलना में वतर्मान वर्ष में 10,400 भारतीय मूल की कॉफ़ी और 2,070 पुनर्निर्यातित कॉफ़ी को मिलाकर कुल 12,470 निर्यात परमिट और अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) का मूल प्रमाण पत्र कॉफ़ी के 305 पंजीकृत निर्यातकों को जारी किया गया हैं।

अनुसंधान

- प्रारंभिक वर्षों के दौरान सीसीआरआई में पारंपरिक प्रजनन कार्यनीतियों के जरिए चंद्रगिरि (एस.4202) में एस$_{एच}$3 जीन को संयोजित कर स्थिर किट्ट प्रतिरोध देने के लिए एसएलएन.10 (एसएच 3 जीन की दाता) में संकर किया गया था। सीसीआरआई में चंद्रगिरि x एसएलएन.10 के बीच अन्योन्य संकरण से व्युत्पन्न चार एफ$_1$ संततियों (एस.5083 से एस.5086) के निष्पादन की निगरानी की गई थी। इन संततियों में से, एस.5086 ने 1,360 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उच्चतम उपज दर्ज की। इसके बाद का स्थान एस.5085 (1,299 कि.ग्रा./हेक्टेयर) का था। इसके अलावा, एस.5086 को रोग से मुक्त पाया गया और अन्य संततियों में हल्की सुग्राहिता पाई गई।
- एचडीटी कैटुवई और एसएलएन.10, (एस.5052, एस.5053, एस.5057, एस.5058 और एस.5059) से विकसित पांच संकर संततियों के मूल्यांकन से पता

चला कि एस.5059 में उच्च उपज और किट्ट के प्रति अधिकतम क्षेत्र सह्यता पाई गई है।

- सार्वजनिक-निजी सहयोग के तहत, 2022-23 के दौरान अरेबिका के तीन भावी एफ$_1$ संकरों (एस.5059, एस.5085 और एस.5086) को बड़े पैमाने पर गुणन के लिए मैसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल), जलगांव को भेजा गया है।
- आरसीआरएस, तांडीकुडी में, एस.3822 (चंद्रगिरि) और एसएलएन.10 के बीच संकरण से विकसित ग्यारह संकर संततियों (वर्ष 2012 में रोपित) की निगरानी की गई थी। इन संततियों में से, एस.5318 ने अधिकतम औसत उपज (1,620 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दिया, उसके बाद एस.5319 (1,411 कि.ग्रा./हेक्टेयर) का स्थाान रहा। एस.5319 ने किट्ट आपतन के प्रति पूरी सह्यता दर्शाया।
- एस.4595 की एफ$_1$ संतति में कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) की सह्यता मूल्यांकन करने के लिए, वर्ष 2020 में मैसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के सहयोग से कर्नाटक (22) और तमिलनाडु (5) जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में अरेबिका उपजाने वाले 27 एस्टेटों में 30,000 ऊतक संवर्धित एफ$_1$ पौधे उगाए गए। इन प्लॉटों में सीडब्ल्यूएसबी के आपतन और पौधों के कृषीय निष्पादन के लिए नियमित रूप में निगरानी की जा रही है।
- पुष्पण मौसम 2023 के दौरान,चंद्रगिरि में सीडब्ल्यूएसबी सह्य विशेषक को आंतरक्रमण करने के लिए सीसीआरआई में चंद्रगिरि और एस.4595 के बीच संकरण किया गया था।
- वर्ष 2017 के दौरान नर अनुर्वर पौधे (एस.2660 और एस.2678) और सुदूर के परागणकारियों (एस.2577, एस.4595, एस.2593 और एस.5149) को पार कर उत्पन्न संकरों की वर्तमान वर्ष में उपज और क्षेत्र सह्यता के लिए निगरानी की गई है। एस.5357 एफ$_1$ संकर ने 528 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उपज दर्ज की, इसके बाद का स्थान एस.5363 (438 कि.ग्रा./हेक्टेयर) का रहा। एस.5363 ने किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता दिखाया।
- "रोबस्टा की लक्षण-विशिष्ट कृंतक किस्मों का विकास"कार्यक्रम के तहत, रोबस्टा के 15 भावी मातृ पौधों की लघु सूची तैयार की गई। भावी मातृ पौधों को पर्ण नमूने और छोटे कृंतक पौदों के समूह गुणन के लिए ऊतक संवर्धन और जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, मैसूरु को भेज दिए गए थे।
- "कॉफ़ी के लिए डीयूएस दिशा-निर्देशों के विकास" के तहत, कॉफ़ी का डीयूएस केंद्र के रूप में केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) को पहचाना गया है। काफिया अरेबिका और काफिया कैनेफ़ोरा के लिए डीयूएस दिशा-निर्देश, भारत के राजपत्र [एस. ओ.5402(ई)] दिनांकित 18 नवंबर 2022 में प्रकाशित किया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय बहु स्थानीय किस्मों का परीक्षण (आईएमएलवीटी) परियोजना के तहत, सीसीआरआई फार्म में अरेबिका के 28 किस्मों की निगरानी की जा रही है। अर्ध-बौनी किस्मों में, ईसी-16 किस्म ने अधिकतम उपज (941 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की, इसके बाद मार्सेल्लेसा (800 कि.ग्रा./हेक्टेयर) का स्थान रहा। लंबी किस्मों की तुलना में नियंत्रण किस्म चंद्रगिरि ने अत्यधिक उपज (996 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की। लंबी किस्मों में, एसएलएन.6 ने 540 कि.ग्रा./हेक्टेयर की अधिकतम उपज और उसके बाद एसएलएन.5 बी ने 522 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उपज दर्ज की। नियंत्रण किस्म एसएलएन.9 ने 547 कि.ग्रा./हेक्टेयर की अधिकतम उपज दर्ज की। सेम की गुणता प्रकृति के संबंध में, पक्कमरा में अधिकतम 'ए' ग्रेड सेम (81%) दर्ज की गईं। लंबी किस्मों मेंसे, एसएलएन.6 में 44.4%के'ए' ग्रेड सेम, जबकि नियंत्रण किस्म एसएलएन.9 में उच्चतम

'ए' ग्रेड सेम (45.3%) दर्ज किया गया। कॉफ़ी पर्ण किट्ट के आपतन के लिए इन किस्मों की भी निगरानी की गई। ईसी-16 (मुंडो माया एफ$_1$ संकर) किट्ट आपतन से मुक्त था। किट्ट सह्यता के लिए पैरेनेमा और मार्सेल्लेसा को प्रेक्षित किया गया।

- नेस्ले आर एण्ड डी द्वारा समर्थित "रोबस्टा कॉफ़ी की नई किस्मों का परिचय और मूल्यांकन", नामक सहयोगी कार्यक्रम के तहत, एफआरटी-65, एफआरटी-97, एफआरटी-101, एफआरटी-133, एफआरटी-134 और एफआरटी-95 जैसे छ: रोबस्टा किस्मों को तीन स्थानों पर यानी, सीआरएसएस, चेट्टल्ली और आरसीआरएस, चुंडेल में 2019-20 के दौरान और सीसीआरआई में 2020-21 के दौरान रोपित किए गए थे। वर्ष के दौरान,इनकी वानस्पतिक ओज आंका गया है। वानस्पतिक वृद्धि के संबंध में भारतीय रोबस्टा चयनों की तुलना में नेस्ले की श्रेणी बेहतर पाए गए।
- वर्ष 2022-23 के दौरान, कुल 21,737.5 कि.ग्रा. बीज कॉफ़ी (अरेबिका: 19,508 कि.ग्रा; रोबस्टा: 2,229.5 कि.ग्रा.) कॉफ़ी उपजकर्ताओं में वितरित की गई।
- रोबस्टा की सी x आर किस्म के कुल 36,678 जड़ कृंतकों को 210 कॉफ़ी उपजकर्ताओं में वितरित किए गए।
- चयनित अरेबिका और रोबस्टा के जीनप्ररूपों में उच्च आवृत्ति के कायिक भ्रूणोद्भव किया गया है।
- संजीनिकी पहुँच के माध्यम से सीडब्ल्यूएसबी के प्रतिरोध विकसित करने की दिशा में,सीडब्ल्यूएसबी के प्रतिरोध का क्रमिक स्तर प्रकट करने के लिए बारह कॉफ़ी जीनप्ररूपों में आठ रक्षा संबंधी जीनों को अनुक्रमित किया गया था। परिवर्तनीय अनुक्रम क्षेत्रों का मानचित्र बनाया गया और जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण के लिए अभिव्यक्ति प्रारंभकों का मूल्यांकन किया गया।
- पराजीनिकी और कार्यात्मक संजीनिकी अध्ययन के तहत चिटिनेज, ऑस्मोटिन्स और जीएफपी जैसे विभिन्न पारजीन वाहक साठ से अधिक संजीनिकी पौधों को पुनर्जीवित किया गया। इनको जैव आमापन, पारजीन संयोजन और वंशगति विश्लेषण के लिए निगरानी में रखी गईं। जीन विशिष्ट पीसीआर का उपयोग कर अरेबिका और रोबस्टा दोनों के पराजीनिकी वंशक्रम में टी$_0$ और टी$_1$ पीढ़ियों में पारजीन वंशगति पैटर्न को निर्धारित किया गया था।
- "आनुवंशिक और संजीनिकी पहुँच का उपयोग कर रोबस्टा के लक्षणीकरण और उन्तीकरण" परियोजना के तहत, एसआरएपी और एससीओटी चिह्नकों का उपयोग कर जीन बैंक में उपलब्ध 58 रोबस्टा श्रेणियों का संजीन विविधता और संख्या संरचना के लिए विश्लेषण किया गया था। विदेशी संग्रहों की तुलना में भारतीय रोबस्टा श्रेणियों में उच्च आनुवंशिक विविधता प्राप्त की गई। बड़े पैमाने पर भारतीय रोबस्टा का आनुवंशिक विश्लेषण प्रगति पर है।
- सूखे सह्य रोबस्टा किस्म और कॉफ़ी की अलग-अलग पांच जातियों में पूर्ण लंबाई वाले एनएसी जीन की पहचान, कृंतकीकरण और लक्षणीकरण की गई। कॉफ़ी के विभिन्न ऊतकों में एनएसी जीन की अभिव्यक्ति का भी अध्ययन किया गया।
- सूखे सह्य रोबस्टा में कई विभेदी अंशों की विशेषता बताई जा रही है जिसमें अजैविक प्रतिबल प्रतिक्रियाशील जीन 2 (ओजी)-डाइऑक्सीजिनेजस और आरबीएम (आरएनए-बाइंडिंग मोटिफ) जीन शामिल हैं।
- सी x आर रोबस्टा पौधों के क्षेत्र में आंतरिक पोषक तत्व अभिसूत्रण के मूल्यांकन से उपज में 494 कि.ग्रा./हेक्टेयर (2018-19) से 925 कि.ग्रा./हेक्टेयर (2022-23) तक की वृद्धि होने का संकेत मिला है।

- सूखे सह्य रोबस्टा वंशक्रमों को विकसित करने के उद्देश से सी X आर और एस.274 रोबस्टा सांकुरक के लिए मूलवृंत के रूप में एसएलएन.9, एसएलएन.11, सैन रेमन, एस.4595, एसएलएन.6, एसएलएन.5बी, एस.3399, डीआर-5, एस.880 और एस.1932 जैसे दस अरेबिका किस्मों का उपयोग कर कलमबंध संयोजन तैयार किया गया हैं। उच्चतम कलमबंध सफलता का प्रतिशत एसएलएन.9/सी X आर(91.2%), सैन रेमन/सी X आर (90.3%), सैन रेमन/एस.274 (90%) और एस.4595/सी X आर (89.9%) में देखा गया है। अन्य कलमबंध संयोजन की तुलना में एसएलएन.9/सी X आर के कलमबंध में उत्कृष्ट कार्यिकीय मापदंड दर्ज किया गया।
- इसरो, बेंगलूरु द्वारा छाया में उगाए गए कॉफ़ी बागानों में कार्बन संग्रह के आकलन के लिए केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान में पहचाने गए अरेबिका प्लॉट में एक फ्लक्स टॉवर स्थापित किया गया था।
- अरेबिका कॉफ़ी के किस्म चंद्रगिरि में नए रोपण विन्यास और छंटाई विधि पर दीर्घकालिक क्षेत्र परीक्षण के परिणाम ने संकेत दिया कि प्रत्येक कटाई के उपरांत बाड़ पंक्ति पद्धति (6' X 3') + एकाधिक तने + चक्रीय छंटाई पर प्रशिक्षण ने पारंपरिक रोपण विन्यास की तुलना में अधिक श्रम बचत (40%) और उच्च लाभ लागत अनुपात (2:1) के साथ अत्यधिक स्वच्छ कॉफ़ी उपज (1,316 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की।
- स्थापित रोबस्टा कॉफ़ी (एस.274) में जल विलेय उर्वरक के रूप में उर्वरक की 75% अनुशंसित खुराक के साथ ड्रिप-उर्वरीकरण पद्धति को अपनाने से 1,821 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उच्च उपज (पारंपरिक तरीकों की तुलना में) दर्ज की गई।
- सलाहकार सेवा समर्थन के तहत, मृदा, पर्ण और कृषि-रसायन विश्लेषण के माध्यम से, 1,246 उपजकर्ताओं से प्राप्त 5,842 मृदा नमूनों का पीएच और प्रमुख पोषक तत्वों के लिए विश्लेषण किया गया और उपयुक्त सलाह दी गई।
- माध्यमिक और सूक्ष्म पोषकतत्वों के लिए कुल 659 मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया और संबंधित उपजकर्ताओं को रिपोर्ट भेज दी गई। इसके अलावा, 488 उपजकर्ताओं से प्राप्त 786 कृषि-रसायनों की शुद्धता के लिए विश्लेषण किया गया।
- कर्नाटक (कळसा, हानबाल और सकलेशपुरा) में तीन ऑन-स्पॉट मोबाइल मृदा परीक्षण अभियान आयोजित किया गया। इससे 67 रोपक लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के दौरान, पीएच के लिए 185 मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया और संबंधित उपजकर्ताओं को तस्थान सलाह दी गई।
- कॉफ़ी बागान में मृदा नमूने लेने की विधि को पुनर्मूल्यांकन करने के लिए, विभिन्न तरीके का मृदा पोषक तत्व की स्थिति के विश्लेषण के लिए कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, एनटीए और एनईआर से कुल 6,450 (ड्रिप सर्कल और 4 पौधों के मध्य-प्रत्येक से 3225) मृदा नमूनों को संग्रह किया गया था।
- आरसीआरएस, तांडीकुडी में किट्ट प्रजाति परीक्षण अध्ययन के लिए क्षेत्र में और ग्लास हाउस में कुल 45 कॉफ़ी पर्ण किट्ट विभेदी और 'ए' प्रकार के पौधों की निगरानी की गई थी।
- अरेबिका के किट्ट सुग्राही (एसएलएन.3) और सह्य (एसएलएन.13) किस्मों पर परिवर्तनीय जलवायु परिस्थितियों के तहत हेमीलोया वैस्टेट्रिक्स नामक पर्ण किट्ट रोगजनक के व्यवहार पर अध्ययन से संकेत मिलता है किअधिकतम तापमान और लंबी अवधि के धूप, रोग आपतन के लिए सकारात्मक कारक था।
- कॉफ़ी पर्ण किट्ट रोग के प्रति कॉपर सल्फेट 47.15% + मैनकोज़ेब 30% डब्यू डीजी (क्यूप्रोफिक्स) नामक नए

कवकनाशी के क्षेत्र मूल्यांकन से पता चला है कि 6.25 ग्रा./लीटर की दर पर क्यूप्रोफिक्स से अरेबिका पौधों में छिड़काव करने पर रोग आपतन (0.66%) सबसे कम है जबकि अनुपचारित पौधों में किट्ट आपतन 19.76% था।

- अरेबिका कॉफ़ी के किस्म एसएलएन.6 में संक्रमित काले विगलन रोग के प्रति विभिन्न कवकनाशी अणुओं का क्षेत्र मूल्यांकन ने संकेत दिया कि टेबुकोनाज़ोल 38.39% और पायराक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम/लीटर + एपॉक्सीकोना. जोल 50 ग्राम/लीटर का छिडकाव काले विगलन रोग के आपतन को नियंत्रित करने में प्रभावी पाए गए हैं। रोबस्टा की किस्म सी x आर में डंठल विगलन रोग के मामले में, पायराक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम/लीटर + एपॉक्सीकोना. जोल 50 ग्राम/लीटर और टेबुकोनाज़ोल 38.39% रोग नियंत्रण में प्रभावी पाए जाते हैं।
- कॉलर रॉट रोग के प्रबंधन के लिए अलग-अलग सांद्रता में पेनफ्लुफेन 22.43% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस और पेनफ्लुफेन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 13.28% डब्ल्यू /डब्ल्यू एफएस कवकनाशकों के साथ कॉफ़ी बीजों का उपचार करने से पता चला कि पेनफ्लुफेन 22.43% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस, पेनफ्लुफेन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस कॉलर रॉट रोग के आपतन नियंत्रण करने में प्रभावी पाए गए।
- नर्सरी में अरेबिका की एसएलएन.13 किस्म पर पर्ण धब्बा और तना ऊतकक्षय रोग के प्रति विभिन्न कवकनाशकों का मूल्यांकन किया गया। परिणामों ने संकेत दिया कि 0.5 मि.ली./लीटर की दर पर फ़्लूपायरम 17.7% + टेबुकोनज़ोल 17.7 डब्ल्यू/डब्ल्यू एससी, उसके बाद 0.5 मि.ली./लीटर (0.11%) की दर पर पेनफ्लुफेन 13.28 डब्ल्यू / डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 13.28 डब्ल्यू/ डब्ल्यू एफएस के उपचार से रोग की गंभीरता न्यूनतम औसत (0.06%) पाई गई थी, जबकि अनुपचारित नियंत्रण किस्म में 8.37% तक औसत रोग गंभीरता दर्ज की गई।
- कॉफ़ी बागानों में शॉट होल बोरर पीड़क के आपतन के प्रबंधन के लिए अक्टूबर 2022 में ज़ायकॉम ट्रैप- एक नई मास ट्रैपिंग तकनीक प्रारंभ किया गया था।
- सीसीआरआई ने 2022-23 के दौरान 15.2 लाख रुपये के बजट परिव्यय में राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "कॉफ़ी उत्पादन और गुणवत्ता सुधार पर मधुमक्खियों का प्रभाव" नामक नई परियोजना लागू की।
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबत्तूर के सहयोग से प्रयोगशाला और क्षेत्र में कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के अंडे देने से रोकने में नैनो-अभिसूत्रण की दक्षता का मूल्यांकन से किया गया था। छिड़काव के बाद 50 दिनों तक अंडे देने से रोकने में नैनो-अभिसूत्रण प्रभावी पाए गए।
- प्रयोगशाला में सीडब्ल्यूएसबी के प्रति टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एससी (0.5 मि.ली./ली), फ्लुबेंडियामाइड 90 + डेल्टामेथ्रिन 60 एससी (0.5 मि.ली./ली), फ्लुबेंडियामाइड 19.92% + थियाक्लोप्रिड 19.92% डब्ल्यू / डब्ल्यू 8.1 एससी (0.5 मि.ली./ली) और बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 300 ओडी (1 मि.ली./ली) की प्रभाविकता पर प्रयोग फेंथोएट 50 ईसी (2 मि.ली./ली) मानक कीटनाशक की तुलना के साथ किया गया। परिणाम से पता चला कि प्रौढ़ भृंगों को अंडे देने से रोकने में परीक्षण किए गए सभी कीटनाशक प्रभावी पाए गए। टेट्रानिलिप्रोल 18.18एससी को छोड़कर परीक्षण किए गए सभी कीटनाशक अंडनाशी साबित हुए।
- प्रयोगशाला में कीटनाशक शॉट होल बोरर के प्रति टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एससी (0.5 मि.ली./ली), फ्लुबेंडियामाइड 90 + डेल्टामेथ्रिन 60 एससी (0.5 मि.ली./ली), फ्लुबेंडियामाइड 19.92% + थियाक्लोप्रिड 19.92% डब्ल्यू / डब्ल्यू एससी (0.5 मि.ली./ली)

और बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 300 ओडी (1मि.ली./लीटर), इमामेक्टिन बेंजोएट 5एसजी और लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 5ईसी का मूल्यांकन किया गया। परीक्षण किए गए कीटनाशकों में से लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन और बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 300 ओडी का अनुप्रयोग ने प्रवेश द्वार पर मरे हुए प्रौढ़ भृंग को अत्यधिक संख्या में दिखाई।

- प्रयोगशाला में कॉफ़ी मीलीबग के प्रति विभिन्न जैव-पीड़कनाशकों की प्रभाविकता का मूल्यांकन किया गया। अभिसूत्रण में से अर्का मीली मेल्ट (आईआईएचआर, बेंगलूरु का एक उत्पाद) के अनुप्रयोग ने 10 दिनों के अंतराल में 95% की अधिकतम मृत्यु दर दर्शायी।
- उद्योग को समर्थन देने में 2022-23 सीज़न के दौरान सीडब्ल्यूएसबी की निगरानी और प्रबंधन के लिए कर्नाटक में नौ रोपकों को प्रलोभक के साथ कुल 1,085 क्रॉस वेन फेरोमोन जाल की आपूर्ति की गई थी। कॉफ़ी बेरी बोरर के प्रबंधन के लिए प्रलोभक सहित कुल 16,625 ब्रोका ट्रैप्सब और 897 लीटर प्रलोभक मात्र को क्रमश:127 और 111 उपजकर्ताओं को आपूर्ति की गई। शॉट होल बोरर के प्रबंधन के लिए प्रलोभक सहित कुल 8,450 . जायकॉम ट्रैप्स और 103.5 लीटर प्रलोभक मात्र क्रमश: 99 और 38 उपजकर्ताओं को आपूर्ति की गई थी।
- 2022-23 सीज़न के दौरान कॉफ़ी बेरी बोरर के प्रबंधन के लिए कर्नाटक और तमिलनाडु के 12 उपजकर्ताओं को कुल 915 कि.ग्रा.ब्यूवेरिया बासियाना की आपूर्ति की गई थी।
- मीलीबग के ग्रसन के प्रबंधन के लिए पारि-अनुकूल उपाय के रूप में, 2022-23 सीज़न के दौरान केरल और कर्नाटक के 18 उपजकर्ताओं को 42,700 परजीव्यावभों (लेप्टोमैस्टिक्स डेक्टाइलोपी) की आपूर्ति की गई थी।
- कॉफ़ी के नमूनों को सुखाने के लिए हाइब्रिड सोलर टनल ड्रायर के मूल्यांकन से पता चला है कि धूप में पारंपरिक तरीके से सुखाने की तुलना में हाइब्रिड सोलर टनल ड्रायर ने सुखाने की अवधि को 43% तक कम कर देता है।
- एस्टेट स्तर पर कॉफ़ी की गुणवत्ता में सुधार लाने और कॉफ़ी बहि:स्राव के उपचार के लिए सूक्ष्मजीवी समूह की वृद्धि करने के उद्देश्य से पके अरेबिका फलों से 26 यीस्ट और 12 बैक्टीरियल प्रभेदों को अलग किया गया था। चयनित जैव-रासायनिक मापदंडों (सेलूलोज़ और पेक्टिन क्षरण क्रिया) के लिए यीस्ट के प्रभेदों कालक्षण वर्णन किया गया था। कॉफ़ी की गुणवत्ता को उन्नत करने वाले तीन प्रकार के यीस्ट अच्छे पाए गए हैं। कॉफ़ी बहि:स्राव के उपचार के लिए तीन यीस्ट प्रभेदों से युक्त सूक्ष्मजीवी समूह प्रभावी पाए गए।
- विभिन्न प्रकार की गूदा वाली अद्वितीय प्राकृतिक या शहद कॉफ़ी (सफेद, पीली, सुनहरी, लाल और काली) और सुवास वाली कॉफ़ी (विभिन्न मसालों और वनस्पति उत्पादों के साथ कॉफ़ी के नमूने का मिश्रण) के उत्पादन के तरीकों को मानकीकृत किया गया है।
- पार्चमेंट और चेरी की भूसी, उखाड़े गए कॉफ़ी के तने और काली मिर्च के डंठल के अपशिष्ट आदि के प्रसंस्करण से बयोचार (मृदा स्वास्थ्य सुधारने की क्षमता रखने वाला कार्बन से समृद्ध उत्पाद) के उत्पादन की तरीकों का मानकीकृत किया गया है। बयोचार के भौतिक-रासायनिक गुणधर्म (नमी स्तर, कार्बन तत्व, पीएच स्तर और बयोचार उपज) का लक्षणीकरण और प्रलेखन किया गया है। प्रारंभिक प्रायोगिक अध्ययनों के परिणामों से संकेत मिलता है कि कॉफ़ी के पौदों की वृद्धि उन्नत करने में और कॉफ़ी के पौदों पर संक्रमित विभिन्न बीमारियों का भी रोकथाम करने में बयोचार क्षमता रखती है।

- भौतिक और कप गुणवत्ता मापदंडों के लिए कुल 1,525 कॉफ़ी नमूनों का मूल्यांकन किया गया।
- 48 कॉफ़ी क्यूरर्स/व्यापारियों से प्राप्त कुल 147 नमी मीटरों का अंशांकन किया गया और अंशांकन रिपोर्ट जारी की गई।
- 26 हितधारकों से प्राप्त उनहत्तर कॉफ़ी नमूनों का विभिन्न रासायनिक मापदंडों के लिए विश्लेषण किया गया।
- 2022-23 के दौरान, नवंबर 2022 में एक बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आठ प्रतिभागी भाग लिए।
- कॉफ़ी बोर्ड द्वारा संचालित कॉफ़ी गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के तहत, 2021-22 बैच के 13 छात्रों ने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और विभिन्न कॉफ़ी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया और शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए 15 छात्र पाठ्यक्रम में शामिल हुए।
- मूल्य वर्धन और आर एण्ड जी इकाइयों के समर्थन के तहत, 22 भुनाई और पिसाई (आर एण्ड जी इकाइयों) को सहायिकी प्रदान की।
- 2022-23 के दौरान, सात कॉफ़ी के लिए अधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकरण प्राप्त हुआ जिसका भौगोलिक उपदर्शन पंजीकरण प्रक्रियाधीन है। इसके अलावा, शेवरॉयज़ अरेबिका कॉफ़ी के लिए भौगोलिक उपदर्शन के ऐतिहासिक प्रलेखन संग्रह पूरा किया गया है।
- वर्ष 2020 में प्रारंभ किए गए टीआईईएस के लिए एनएबीएल प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। टीआईईएस परियोजना के तहत स्थापित गुणता और विश्लेषिक प्रयोगशालाओं में बैठक आयोजित की गई, प्रयोगशाला मैनुअल तैयार किया गया।
- वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी बोर्ड द्वारा नो युवर कापी (केवाईके)-एक विशेष कप गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कप गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों और उपजकर्ताओं से 664 अरेबिका और 1038 रोबस्टा नमूनों सहित लगभग 1702 कॉफ़ी नमूनों को प्राप्त किए गए थे।
- स्पेशालिटी कॉफ़ी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई) और यूनाइटेड कॉफ़ी एसोसिएशन ऑ फ इंडिया (यूसीएआई) के सहयोग से और कॉफ़ी हितधारकों के अधिकाधिक संख्या में भागीदारी और समर्थन के साथ वर्ष 2022 और 2023 के लिए बेंगलूरु में नेशनल बरिस्ता चैंपियनशिप (एनबीसी) के 20वें और 21वें संस्करण का आयोजन हुआ था।
- वेबिनार और क्षमता निर्माण कार्यक्रम: 2022-23 के दौरान कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने 30 क्षमता निर्माण कार्यक्रम (वेबिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम) आयोजित किए हैं।

विस्तार एवं विकास

क. पारंपरिक क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने 1,167 क्षेत्रीय निदर्शन किए, कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर उपजकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए प्रिंट / इलेक्ट्रॉनिक / सोशल मीडिया के माध्यम से 1,002 सलाह जारी किए, 142 ग्राम स्तरीय बैठकें, कॉफ़ी कृषि पर 57 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 15 एक्सपोजर दौरे, 12 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और 5 संगोष्ठियां आयोजित किए।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विस्तार इकाइयों ने पुनर्रोपण के लिए 1,645 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जिससे 984.00 हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित हुआ, 4,968 जल आवर्धन इकाइयों के 4,519 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जिससे 9,011.40 हेक्टेयर को लाभ पहुँचा और 935 गुणवत्ता उन्नयन इकाइयों के 831 लाभार्थियों सहायता प्रदान की जिससे 644.63 हेक्टेयर को लाभ पहुँचा।

ख. गैर-पारंपरिक क्षेत्र (आंध्र प्रदेश और ओडिशा)

- विस्तार कर्मियों ने जनजातीय कॉफ़ी उपजकर्ताओं को लाभ पहुँचाने हेतु 610 विधि निदर्शन, 27 एक्सपोज़र दौरे, 138 समूह सभाएं और 51 ग्राम स्तरीय बैठकें कीं और 28 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए।
- कॉफ़ी की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कॉफ़ी विस्तार के 2760.0 हेक्टेयर, 2,286 सुखाने वाले सीमेंट यार्ड का निर्माण और 500 बेबी पल्पर इकाइयों की खरीद के लिए समर्थन बढ़ाया गया।

ग. उत्तर पूर्वी क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर कॉफ़ी उपजकर्ताओं को शिक्षित करने हेतु 2,591 क्षेत्र निदर्शन, 220 समूह बैठकें, 68 प्रक्षेत्रगत प्रशिक्षण और 39 गुणवत्ता जागरूकता अभियान चलाए।
- 1,032.6 हेक्टेयर के कॉफ़ी विस्तार/समेकन को, 169 सुखाने वाले यार्डों का निर्माण को, 169 जल आवर्धन इकाइयों को और 32 समूह नर्सरियों को समर्थन बढ़ाया गया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

- कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम एक अनूठा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य, उन लोगों को सीखने का एक बड़ा अवसर प्रदान करना है जो कॉफ़ी के शौकीन हैं और उन व्यक्तियों को जो कॉफ़ी के व्यवसाय में इच्छुक हैं। इस कार्यक्रम को मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु और भारत के विभिन्न शहरों में भी आयोजित किया जाता है। सामान्य तौर पर, पांच दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमें कॉफ़ी का आधारिक परिचय एवं भारत की कॉफिया, भूनने की तकनीक, निसवन एवं निसवन के विभिन्न तरीके, कॉफ़ी की खुदरा बिक्री, कॉफ़ी पैकेजिंग और कॉफ़ी की गुणवत्ता का मूल्यांकन शामिल है। कार्यक्रम में भुनाई इकाइयों के दौरे सहित सिद्धांत और प्रायोगिक दोनों सत्र शामिल हैं।
- 2022-23 के दौरान, मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु में कॉफ़ी भूनने और निसवन तकनीक पर पांच कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे 123 प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना

- डब्ल्यूटीओ के व्यापार नीति और कॉफ़ी से संबंधित मामलों पर आर्थिक और विश्लेषणात्मक समर्थन प्रदान किया गया। वर्ष 2022-23 के दौरान, कुल 233 दैनिक बाजार रिपोर्टों को तैयार कर प्रसार की गईं।
- एकक ने जुलाई 22 और जनवरी 2023 के महीनों के लिए 'कॉफ़ी पर डेटाबेस' के दो विस्तृत अंक प्रकाशित किए हैं। नीति निर्माताओं और हितधारकों के लिए कॉफ़ी पर डेटाबेस बहुत उपयोगी है।
- सीज़न 2022-23 के लिए विभिन्न श्रेणी के जोत और कॉफ़ी ज़ोन/क्षेत्रों में अनियमित प्रतियचन के स्तरीकृत तकनीक का उपयोग करके फसल प्राक्कलन किया गया था।
- एकक ने कई मध्यवर्ती संस्थाओं के बिना सीधे निर्यात के लिए कॉफ़ी उपजकर्ताओं और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने हेतु दो 'विक्रयम' ऊष्मायन कार्यक्रम आयोजित किया।
- एकक ने कॉफ़ी क्षेत्र के सभी हितधारकों को एक ही मंच पर सभी सेवाएं, उत्पाद और जानकारी प्रदान करने के लिए एकीकृत वन स्टॉप मोबाइल एप्लिकेशन "इंडिया कॉफी ऐप" का विकास किया।

प्रचार

- कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय कॉफ़ी निर्यातकों और कुछ भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी के साथ 9

वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक/बिजनेस नेटवर्क बैठक/ इण्डिया कॉफ़ी स्वादन सत्र आयोजित किया है।

- घरेलू कॉफ़ी उपभोग को बढ़ाने के उद्देश्य से कॉफ़ी बोर्ड ने 20 खाद्य और पेय / अग्री एक्सपो में भाग लिया और 06 अन्य कार्यक्रमों में कॉफ़ी परोसी।

प्रशासन

- वर्ष 2022-23 के दौरान, 14 नवंबर 2022 को बोर्ड की बैठक आयोजित की गई।
- वर्ष के दौरान, संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति योजना (एमएसीपीएस) के तहत कुल 123 अधिकारियों/ कर्मचारियों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया और 2 वैज्ञानिकों संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस) के तहत स्वस्थाने पदोन्नति दिया गया है ।
- वर्ष के दौरान, कुल 48 अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न 'वैज्ञानिक' 'तकनीकी' और 'अनुसचिवीय' संवर्ग के पदों पर पदोन्नत किया गया।
- 31.03.2022 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड के कर्मचारियों की संख्या 499 थी जिसमें 63 समूह 'क' अधिकारी, 128 समूह 'ख' अधिकारी और 308 समूह 'ग' अधिकारी शामिल थे।

सतर्कता एवं कानूनी

- सतर्कता प्रभाग ने 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया।
- 70 न्यायालयीन मामलों में से 07 मुकद्दमों का निपटान किया गया तथा 63 न्यायालयीन मुकद्दमे लम्बित हैं।

सूचना का अधिकार

- आरटीआई के तहत, वर्ष के दौरान 42 आवेदनों का निपटारा किया गया और कोई भी आवेदन लंबित नहीं रहा।
- वर्ष के दौरान एक अपील का निपटारा किया गया और कोई भी अपील लंबित नहीं रही।

इंजीनियरिंग एकक

- इंजीनियरिंग एकक ने क्रिएशन ऑफ एसेट एण्ड स्वच्छ भारत के तहत कॉफ़ी बोर्ड के भवनों का अनुरक्षण कार्य करता है और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, 4,93,10,092/- रुपयों की राशि अनुरक्षण कार्य के लिए व्यय किय गया हैं।

राजभाषा स्कन्ध

- कॉफ़ी बोर्ड का राजभाषा स्कंध, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 में 'ग' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) और राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 का अनुपालन किया गया।
- कॉफ़ी बोर्ड की 82वीं वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा व लेखा-परीक्षा रिपोर्ट; 212 वीं बोर्ड की बैठक की कार्यसूची व टिप्प णियां और कार्यवृत्त; पांच विभिन्न संसदीय समितियों के दौरे से संबंधित पृष्ठभूमि टिप्पणियां और प्रश्नावली; सूचना का अधिकार, सतर्कता आदि से संबंधित पत्राचार का अनुवाद किया गया।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकें बुलाई गईं।
- प्रत्येक तिमाही में मुख्य कार्यालय और उप-कार्यालयों में नियमित कार्यशालाएं और निरीक्षण आयोजित किए गए।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान एक विशेष वक्तव्य का आयोजन किया गया।
- "कॉफ़ी गाइड -कॉफ़ी कृषि पुस्तिका" का आठवां संस्करण - हिंदी पाठ, केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूर में आयोजित हिंदी दिवस समारोह के अवसर

पर विमोचित किया गया।

- हिंदी शिक्षण योजना, बेंगलूरू के तहत प्रबोध/प्रवीण पाठ्यक्रमों के लिए नामित तीन अधिकारी/कर्मचारी संबंधित परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए।
- अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में मूल कार्य करने पर क्रियान्वित प्रोत्साहन योजना रिपोर्टाधीन अवधि में प्रचलित रहे। वर्तमान वर्ष 2022-23 के लिए हिंदी में टिप्पणी लिखने के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू की गई।
- सितंबर 2022 महीने में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी प्रतियोगिताओं एवं हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर हिन्दी की वार्षिक पत्रिका "अंकुर" का छठा अंक विमोचित किया गया ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2) के तत्वावधान में कॉफ़ी बोर्ड द्वारा दो हिंदी प्रतियोगिताओं को प्रायोजित और संचालित किया गया। कॉफ़ी बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों ने संयुक्त हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर अंतर-कार्यालयीन हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- 14 और 15 सितंबर 2022 को सूरत, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस-2022 के उद्घाटन सत्र और द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा स्कंध के अधिकारियों ने भाग लिए। साथ ही, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), बेंगलूरु की पहली और दूसरी बैठक और संयुक्त हिंदी दिवस समारोह, अभिविन्यास कार्यक्रम/अन्य संगठनों द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशालाएं और राजभाषा सम्मेलनों में भी भाग लिए।
- राजभाषा स्कंध के अधिकारियों ने "हर घर तिरंगा"-आज़ादी का अमृत महोत्सव, महिला दिवस, कन्नड़ राज्योत्सव जैसे आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेकर हर संभव सहयोग प्रदान किया एवं कार्यक्रम समन्वयक के रूप में अपनी भूमिका सुनिश्चित की।

*****

अध्याय - II

बोर्ड का गठन एवं कार्य

कॉफ़ी बोर्ड, संसद द्वारा अधिनियमित कॉफ़ी अधिनियम 1942 के अधीन गठित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन है।

बोर्ड में, सचिव (जो कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं) को सम्मिलित करते हुए 33 सदस्य हैं तथा दोनों सदनों के सांसदों, कॉफ़ी उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को शामिल कर सदस्य हैं जिनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

31 सदस्यों को शामिल कर 09 सितम्बर 2022 से तीन वर्षों की अवधि के लिए बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के दि. 09.09.2022 के राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, बोर्ड में 31 सदस्यों का नियुक्त किया गया यथा, अध्यक्ष, सचिव (पदेन सदस्य के रूप में); दो सांसद (लोक सभा); एक सांसद (राज्य सभा); कॉ. फी उगानेवाले प्रमुख राज्य (तमिल नाडु, कर्नाटक, केरल और आन्ध्र प्रदेश) के चार प्रतिनिधि; असम व नगालैण्ड जैसे अन्य कॉफ़ी उगानेवाले राज्यों के दो प्रतिनिधि, बड़े कॉफ़ी उपजकर्ताओं के तीन प्रतिनिधि, छोटे कॉफ़ी उपजकर्ताओं के सात प्रतिनिधि, श्रम हित के दो प्रतिनिधि, उपभोक्ताओं के हित के दो प्रतिनिधि और अनुसंधान संस्थान या कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक।

वर्ष 2022-23 के लिए कॉफ़ी बोर्ड के सदस्यों की सूची

(09 सितम्बर 2022 से 08 सितम्बर 2025 तक)

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्त	सदस्यों की सं.	नाम
1	अध्यक्ष	नियम 3 (1)	1	-रिक्त-
2	सांसद (लोक सभा) सांसद (राज्य सभा)	नियम 3 (1) नियम 3 (1)	2 1	(1) श्रीमती गोड्डेती माधवी (2) श्री प्रताप सिम्ह (3) श्री एन.चंद्रशेखरन

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्त	सदस्यों की सं.	नाम
3	प्रमुख कॉफ़ी उगाने वाले राज्य सरकारों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (क)	4	(1) श्री सी.समयमूर्ति, आई.ए.एस., कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सरकार के सचिव, तमिल नाडु सरकार (2) श्री ए.पी.एम. मोहम्मद हनीश, आई.ए.एस., प्रधान सचिव एवं वाणिज्य विभाग, केरल सरकार (3) सरकार के प्रधान सचिव, बागवानी और सेरीकल्चर विभाग, कर्नाटक सरकार (4) श्री कान्तीलाल दाण्डे, आई.ए.एस., सरकार के सचिव, आदिवासि कल्याण विभाग, आन्ध्र प्रदेश
4	बड़े कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	3	(1) श्री शाकेर नागराजन (2) डॉ. एच. एस. कृष्णानन्दा (3) श्री पी.आर.एम रविचन्द्रन
5	छोटे कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	7	(1) श्री टी.ए. किशोर कुमार (2) श्री जी. के. कुमार (3) श्री एन.बी.उदयकुमार (4) श्री एस.मणिगुन्डन (5) श्री ई. उन्नीकृष्णन (6) श्री विश्वानाथम टी. (7) श्री कुरुसा उमा महेश्वर राव
6	कॉफ़ी व्यापार हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	(1) श्री बी.एच.वी. प्रदीप पाइ (2) श्री के.के.मनोज कुमार (3) श्री प्रभाकर राव जयथू
7	कॉफ़ी क्यूरिंग स्थापना के हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) श्री डी.एम.शंकर (2) श्री ए. डिविन राज

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्त	सदस्यों की सं.	नाम
8	श्रम हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	(1) श्री एन.भास्कर (1) श्री सिबी वर्गीस (2) -रिक्त-
9	पदेन सदस्य	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) डॉ. के.जी. जगदीश, आई.ए.एस., सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु
10	प्रमुख कॉफ़ी उगाने वाले राज्यों के अलावा कॉफ़ी उगानेवाले अन्य राज्यों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) डॉ. लक्ष्मणन एस., आई.ए.एस, सरकार के सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग,सार्वजनिक उद्यम, असम सरकार (2) सचिव, भूमि संसाधन विभाग, नगालैण्ड सरकार
11	उपभोक्ताओं के हित के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) श्री मनोज कुमार दुबे (2) श्री शीरीष वासुदेव देशपाण्डे
12	इंस्टेंट कॉफ़ी विनिर्माताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) श्री चेल्ला श्रीशान्त
13	कॉफ़ी के अनुसंधान/ विपणन/ प्रबंधन/प्रोन्नयन के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्ति	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) डॉ. जी. एस. महाबला, कॉफ़ी के प्रोन्नयन में प्रसिद्ध व्यक्ति

बोर्ड के कार्य

बोर्ड को सौपे गए प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं :

1. कॉफ़ी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान का वर्धन।
2. कॉफ़ी एस्टेटों के विकास हेतु सहायता।
3. भारत में तथा विदेश में कॉफ़ी का विक्रय एवं उपभोग का वर्धन।
4. कॉफ़ी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अन्य प्रचालनों का प्रबंधन।

इसके अलावा, कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी उद्योग से संबंधित सांख्यिकीय और अन्य संगत आंकडे संग्रहीत करते हुए उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी प्रसार करता है; बोर्ड, कॉफ़ी उद्योग की ओर से सरकार, माध्यम, व्यापार तथा आम जनता के लिए अधिकृत प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है; कॉफ़ी उद्योग के समग्र वृद्धि तथा विकास के लिए मार्गदर्शन देता है।

कॉफ़ी बोर्ड, अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगठन, स्पेशाल्टी कॉफ़ी संघों जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय कॉफ़ी उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है तथा कॉफ़ी उद्योग के हित में उनके साथ कार्यरत है।

सांविधिक समितियाँ :

बोर्ड द्वारा प्रत्येक वर्ष की अवधि के लिए निम्न स्थाई समितियों को नियुक्त किया जाता है।

क्र.सं.	समिति का नाम	कार्य
1.	कार्यकारी समिति	कॉफ़ी नियमवाली के अधीन विशेषतया सौंपे गए कार्य निपटाती है। इसके अतिरिक्त, प्रचार, विपणन, अनुसंधान या बोर्ड द्वारा गठित किसी अन्य समितियों को विशेष रूप से न सपि गए कार्य निपटाती है।
2.	प्रचार समिति	भारत में तथा अन्यत्र उत्पादित कॉफ़ी के विक्रय का प्रोन्नयन तथा उपभोग के प्रवर्धन से संबंधित मामले निपटाती है।
3.	विपणन समिति	कॉफ़ी अधिनियम तथा नियमावली में निर्धारित कॉफ़ी विपणन स्कीम के अनुसार कार्य करती है।
4.	अनुसंधान समिति	भारत में कॉफ़ी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान के प्रोन्नयन से संबंधित कार्य करती है।
5.	विकास समिति	कॉफ़ी एस्टेटों के विकास हेतु क्रियान्वित उपायों से संबंधित कार्य करती है।
6.	गुणवत्ता समिति	भारत में उत्पादित कॉफ़ी की गुणता में सुधार से संबंधित सभी कार्य निपटाती है।

01.04.2022 से 31.03.2023 तक की अवधि के दौरान हुई बोर्ड तथा स्थाई समितियों की बैठकों का विवरण

बोर्ड की बैठकें	14 नवंबर, 2022 को बोर्ड की 212वीं बैठक
स्थाई समितियाँ	गठित नहीं किया गया है।

****

अध्याय-III

प्रशासन एवं स्थापना

कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी अधिनियम, 1942 (1942 का अधिनियम) के अंतर्गत गठित एक सांविधिक निकाय है जिसका निरंतर उत्तराधिकार तथा सामान्य मोहर है, जिसको अपनी संपत्ति के ग्रहण तथा उसका स्वामित्व, संविदाकरण, मुकद्दमा चलाने एवं चलवाने का अधिकार प्राप्त है।

मु. का. अ. व. सचिव
डॉ. के.जे. जगदीश, आईएएस,

विभागों के प्रधान

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, निम्नलिखित विभागों के प्रधान उनके नामों के सामने दर्शाए गए पदों पर कार्यरत थे।

1. **श्री. एन. एन. नरेंद्रा, आईओएफ़एस, वित्त निदेशक**
2. **डॉ. तस्वीम अहमद शोईब, अनुसंधान निदेशक (दिनांक 18.05.202 तक)**
3. **डॉ. सेंथिलकुमार एम., अनुसंधान निदेशक (19.05.2022 हैं)**

विभिन्न विभागों एवं स्कंधों को सौंपे गए उत्तरदायित्व निम्नानुसार हैं :

सचिवालय विभाग

सचिवालय विभाग सभी प्रशासनिक (स्टाफ तथा कार्यालय स्थापना) तथा सतर्कता मामले, बोर्ड के विभिन्न प्रभागों/एककों में कार्य आबंटन एवं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना प्रस्तुत करने के अनुपालन के अनुवीक्षण के लिए उत्तरदायी है। इस विभाग द्वारा श्रम कल्याण उपाय संबंधी स्कीम के अनुवीक्षण के अलावा, बोर्ड तथा सांविधिक समितियों की बैठकें आयोजित करने का कार्य भी किया जाता है।

सचिवालय विभाग से जुडे हुए छः एकक निम्नानुसार हैं :

i) प्रशासन एकक
ii) राजभाषा एकक
iii) सतर्कता एकक
iv) कानूनी एकक
v) इंजीनियरिंग एकक तथा
vi) सूचना का अधिकार एवं शिकायत एकक

प्रशासन एकक

(क) भर्ती

वर्ष के दौरान, कॉफी बोर्ड (संवर्ग और भर्ती) नियमों के अनुसार पदोन्नति/सीधी भर्ती द्वारा 'वैज्ञानिक', 'तकनीकी' और 'अनुसचिवीय' संवर्ग के पदों में रिक्तियों को भरने के लिए कार्रवाई शुरू की गई है।

(ख) पदोन्नतियाँ

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड की सेवाओं के "वैज्ञानिक" "तकनीकी" और 'अनुसचीवीय' संवर्ग में 48 अधिकारियों / कर्मचारियों की पदोन्नति दी गयी।

(ग) संशोधित आश्वस्त कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस):

वर्ष के दौरान, संशोधित आश्वस्त कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस) के अंतर्गत 123 अधिकारियों/कर्मचारियों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया।

(घ) संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस):

संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस) के अंतर्गत बोर्ड के कुल 2 वैज्ञानिकों को स्वस्थाने पदोन्नति प्रदान की गई।।

(ङ) स्थानांतरण तथा तैनातियाँ :

वर्ष 2022-23 के दौरान, सामान्य स्थानांतरण मार्गदर्शनों के आधार पर कुल 69 अधिकारियों/कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया। इसका विवरण निम्नलिखित है :

क्र.सं.	संवर्ग/श्रेणी	स्थानांतरित अधिकारियों/ कर्मचारियों की सं.
1.	समूह 'क'	12
2.	समूह 'ख'	18
3.	समूह 'ग'	39
कुल		**69**

31.03.2023 तक कॉफ़ी बोर्ड के कर्मचारियों की संख्या

दिनांक 31.03.2023 तक समूहवार कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या और कॉफी बोर्ड की महिला कर्मचारियों की संख्या का विवरण नीचे संक्षेप में दिया गया है:

क्र. सं.	कुल		अ.जा./ अ.ज.जा.				महिला	
	वर्गीकरण	कर्मचारियों की संख्या	अ.जा.	अ.ज. जा.	प्रतिनिधित्व के प्रतिशत		महिला कर्मचारियों की संख्या	महिला प्रतिनिधियों क प्रतिशत
					अ.जा.	अ.ज.ज.		
(1)	समूह 'क'	63	5	4	7.94	6.35	10	15.87
(2)	समूह 'ख'	128	22	8	17.19	6.25	44	34.38
(3)	समूह 'ग'	308	52	16	16.88	5.19	66	21.43
कुल:		**499**	**79**	**28**	**15.83**	**5.61**	**120**	**24.05**

कर्मचारी कल्याण उपाय :

i) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वाहन खरीद अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

ii) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वैयक्तिक कंप्यूटर अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

iii) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी भवन निर्माण अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

iv) बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम के सहयोग से 'सामूहिक बचत सहबद्ध बीमा योजना' संचालित करता है। मार्च 2023 की समाप्ति पर, स्कीम में 405 सदस्य के रूप में नामांकित हैं तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 49 सदस्यों को ₹25,23,248/- की राशि का निपटान किया गया।

श्रम कल्याण उपाय

कार्यक्रम के तहत कॉफी बागानों और क्यूरिंग स्थापनाओ में काम करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मजदूरों के बच्चों को समर्थन दिया गया।

(क) **शैक्षिक छात्रवृत्ति** :- शैक्षिक वर्ष 2022-23 में एसएसएलसी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों तथा एसएसएलसी के पश्चात प्रथम वर्ष पी.यू.सी., पॉलीटेकनीक /व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे उच्च अध्ययन

करने वाले प्रत्येक विद्यार्थियों को 2250/- छात्रवृत्ति दी गई।

(ख) **प्रोत्साहन पुरस्कार**:- शैक्षिक वर्ष 2021-22 में एसएसएलसी परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करते हुए आगे के अध्ययन जारी रखने के लिए एक छात्रा एवं एक छात्र को क्रमश: ₹1500/- तथा ₹1,000/- का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

(ग) **वित्तीय सहायता** :- वर्ष 2021-22 के दौरान XIIवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद स्नातक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है :-

विवरण	प्रति छात्र/छात्रा	
	अ.जा.	अ.ज.जा.
वित्तीय सहायता		
क) स्नातक (कला, विज्ञान व वाणिज्य)	3,750/-	3,750/-
ख) स्नातकोत्तर	7500/-	7,500/-
वित्तीय सहायता व्यावसायिक पाठ्यक्रम		
चिकित्सा विज्ञान, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान /पशुपालन/ इंजिनीयरिंग/ फार्मेसी/ नर्सिंग तथा अन्य समस्तरीय स्नातक	7,500/-	7,500/-

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान निधि की उपयोगिता

विवरण	लाभार्थियों की सं.	रकम (₹ में)
शैक्षिक छात्रवृत्ति	2923	65,76,750
प्रोत्साहन पुरस्कार	16	20,500
वित्तीय सहायता		
(i) स्नातक	3865	1,44,93,750
(ii) स्नातकोत्तर	754	56,55,000
(iii) व्यावसायिक पाठ्यक्रम	590	44,25,000
महायोग	**8148**	**3,11,71,000**
अनुसूचित जाति	3882	1,13,10,000
अनुसूचित जनजाति	4266	1,32,63,750
महायोग	**8148**	**3,11,71,000**

2022-23 के दौरान, श्रम कल्याण उपाय के अंतर्गत 8,148 लाभार्थियों को ₹3,11,71,000/- की राशि प्रदान की।

राजभाषा स्कंध

वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा स्कंध की गतिविधियों के बारे में विस्तृत विवरण :

- राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत 14,640 दस्तावेजों को द्विभाषी (हिंदी और अग्रेजी) में जारी किया गया। राजभाषा नियम,1976 के नियम 5 के अनुपालन में हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया गया। हिंदी में मूल पत्राचार और फाइलों/दस्ता वेजों पर हिंदी में टिप्पणी लिखने के लिए 'ग' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्य (55% और 30%) प्राप्त किया गया।
- अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए कुल 4 हिंदी कार्यशालाओं (16.06.2022; 28.09.2022; 20.12.2022; 08.02.2023) का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों ने राजभाषा नीति, नियम, तिमाही प्रगति रिपोर्ट की तैयारी, टिप्पण व आलेखन, हिंदी टंकण, हिंदी सॉफ्टवेयर टूल्स आदि विषयों पर तथ्यात्मक वक्तव्य एवं अभ्यास सत्र सुनिश्चित किया। इन कार्यशालाओं के जरिए अधिकारियों/ कर्मचारियों को राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन एवं प्रगामी प्रयोग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया।
- कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यालय में 19 अनुभागों/इकाईयों का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया।
- दि.28.06.2022 को उप निदेशक (अनुसंधान), क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान केंद्र, तांडीकुडी, तमिलनाडु और तीन विस्तार निरीक्षक के कार्यालय; दि.29.06.2022 को वरिष्ठ संपर्क अधिकारी, वत्तलगुंडु तथा उप निदेशक (वि), बोडिनायकनूरु, तमिलनाडु के कार्यालय ; दि.28.09.2022 को उप निदेशक (वि), चिक्कामगलूरु; दि.29.09.2022 को केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूरु जैसे कॉफ़ी बोर्ड के उप-कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। साथ ही, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।
- दिनांक 29.09.2022 को केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूरु में मनाए गए हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर अनुसंधान निदेशक एवं संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), सीसीआरआई, चिक्करमगलूरु एवं संयुक्त निदेशक (वि)/प्र.प्रशा.) व प्रभारी राजभाषा अधिकारी, कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु और समारोह के मुख्य अतिथि के द्वारा "कॉफ़ी गाइड – कॉफ़ी कृषि पुस्तिका का आठवाँ संस्करण" का हिंदी पाठ विमोचित किया गया।
- "रूमाटाइड आर्थ्राइटिस और ल्यूपस रोग" के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्ये से मुख्य कार्यालय में दिनांक 08.02.2023 को एक विशेष वक्तव्य का आयोजन किया गया।
- प्रत्येंक तिमाही में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी तिमाही प्रगति रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलूरु को ऑनलाइन के माध्यम से और रिपोर्ट की प्रत्येक प्रति सदस्या सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), बेंगलूरु ; निदेशक (राजभाषा), वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली ; राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रेषित किया गया।
- 30 सितंबर 2022 को समाप्त अवधि की हिंदी प्रशिक्षण संबंधी अर्ध वार्षिक रिपोर्ट सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, हिंदी शिक्षण योजना, केंद्रीय सदन, बेंगलूरु को यथासमय प्रेषित किया गया।
- मुख्य कार्यालय में प्रत्येक तिमाही में अप्रैल - जून (24.06.2022), जुलाई – सितंबर (22.08.2022), अक्तूबर – दिसंबर (21.12.2022), जनवरी – मार्च (29.03.2023). राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।

- हिंदी शिक्षण योजना, केंद्रीय सदन, बेंगलूरु द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षाओं में जुलाई-नवंबर 2022 सत्र में प्रबोध/प्रवीण पाठ्यक्रमों में नामित मुख्य कार्यालय के तीनों अधिकारी/कर्मचारी उत्तीर्ण हुए।
- हिंदी में मूल कार्य करने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए क्रियान्वित प्रोत्साहन योजना को वर्ष 2022-23 के लिए जारी रखा है। इस योजना के शर्तों के अनुसार,. फाइल/रजिस्टर या कंप्यूटर पर हिंदी में मूल कार्य करने पर अधिकारी/कर्मचारी नकद पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। एक वर्ष में 5000 लिखित/टंकित शब्दों के लिए अधिकतम देय राशि 5000/- रुपए होगी।
- टिप्पेणी पत्रक में निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति करने के उद्देश्य से हिंदी में टिप्पण लिखने हेतु प्रोत्साहन योजना वर्ष 2022-23 से प्रारंभ किया गया है। इस योजना के शर्तों के अनुसार, 100 शब्द हिंदी में लिखने/टंकण करने पर 100/- रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा जो प्रति 100 शब्द के साथ 100/- रुपए की दर से राशि बढ़ेगी और एक वर्ष में 1000 शाब्द लिखित/टंकित करने पर अधिकतम देय राशि 1,000/- रुपए होगी।
- हिंदी पखवाड़े के दौरान, दिनांक 19.09.2022 से 21.09.2022 तक टिप्पाण व आलेखन, राजभाषा पर लिखित प्रश्नोत्तरी, वर्ग पहेली, सामान्य ज्ञान पर मौखिक प्रश्नोत्तरी, हिंदी गाने, विविधा, सुलेख, तकनीकी शब्दावली जैसे हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 27.09.2022 को आयोजित हिंदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे श्री असित सिंह, सचिव सदस्य, दक्षिण क्षेत्रीय विद्युत समिति, बेंगलूरु के कर-कमलों से विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।
- दिनांक 27.09.2022 को हिंदी दिवस समारोह में वार्षिक हिंदी गृह-पत्रिका "अंकुर" का छठे अंक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा और ऑनलाइन के माध्यम से एककालिक विमोचित किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2) के तत्वावधान में संयुक्त हिंदी दिवस समारोह के उपलक्ष्य में दिनांक 12.10.2022 को समाचार वाचन और दिनांक 17.10.2022 को तकनीकी शब्दावली प्रतियोगिताओं का प्रायोजित किया गया। दिनांक 06.10.2022 से 31.10.2022 तक आयोजित अंतर कार्यालयीन हिंदी प्रतियोगिताओं में हमारे कार्यालय के चार अधिकारी/कर्मचारी भाग लिए और पुरस्कार जीते।
- बोर्ड की 82वीं वार्षिक और वार्षिक लेखा व लेखा-परीक्षा रिपोर्ट 2021-22, सूचना अधिकार का अधिनियम संबंधी पत्राचार तथा बोर्ड की 212वीं बैठक की कार्यसूची व टिप्पणियां, कार्यवृत्त से संबंधित अनुवाद कार्य यथासमय पूरा कर दिया गया।
- आजादी का अमृत महोत्सव - "हर घर तिरंगा" पहल के कार्यान्वयन के रूप में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों के लिए मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन एवं तिरंगे के इतिहास पर वीडियो स्लाइड प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 14 व 15 सितंबर 2022 को सूरत, गुजरात में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा हिंदी दिवस-2022 का उद्घाटन सत्र में कॉफ़ी बोर्ड के संयुक्त निदेशक (वि./प्र.) व प्रभारी उप निदेशक (रा. भा.) और दो राजभाषा अधिकारियों ने भाग लिए।
- दि. 04.08.2022 को ऑनलाइन के जरिए आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रथम बैठक में संयुक्त निदेशक (वि/प्रशा.)/प्रभारी उप निदेशक (राजभाषा) और तीन राजभाषा अधिकारी भाग लिए। दि.10.03.2023 को आई आई एच आर, हेसरघट्टा, बेंगलूरु में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी बैठक तथा संयुक्त हिंदी दिवस समारोह में

उप निदेशक (राजभाषा) और तीन राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2) के तत्वाावधान में केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु द्वारा दिनांक 15.12.2022 को आयोजित "राजभाषा कार्मिकों के लिए आवश्यक आई टी टूल्स –परिचय" विषय पर अभिमुखीकरण कार्यशाला में राजभाषा स्कंध के दो कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 27.01.2023 को टैगोर थिएटर, वझुत्तजकाडु, तिरुवनंतपुरम, केरल में आयोजित "दक्षिण तथा दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों के एक दिवसीय संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह" में राजभाषा स्कंध के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में कॉफ़ी बोर्ड के महवपूर्ण हिंदी प्रकाशनों की प्रदर्शनी लगाई गई।
- उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ और साहित्य साधक मंच, बेंगलूरु के सहयोग से हिंदी विभाग, बिशप कॉटन विमेन्स क्रिश्चियन कॉलेज, बेंगलूर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन में 21 फरवरी 2023 को राजभाषा स्कंध के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने "हिन्दी के विकास में कर्नाटक का योगदान" विषय पर अतिथि वक्तव्य प्रस्तुति किया।
- दिनांक 08.03.2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 'महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं जागरूकता' विषय पर चर्चा परिचर्चा की गई।
- केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली में दिनांक 20.03.2023 से 24.03.2023 तक 5 पूर्ण कार्य दिवसीय राजभाषा अभिविन्यास कार्यक्रम में राजभाषा स्कंध के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने भाग लिया।

सतर्कता एकक

सतर्कता एकक को निम्नलिखित कार्यों का दायित्व दिया गया है:-

1. शिकायतें स्वीकार कर उन पर कार्रवाई लेना।
2. बोर्ड की सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवारों के चरित्र तथा पूर्ववृत्त का सत्यापन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय सतर्कता आयोग को प्रेषित करने के लिए आवधिक विवरणी तैयार करना।
3. भिन्न उद्देश्य के लिए कॉफ़ी बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्कता निकासी जारी करना।
4. बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा चल एवं अचल तथा संपत्तियो को अर्जित करने के लिए अनुमति प्राप्त करने का आवेदन पर कार्रवाई लेना और समूह "क" एवं समूह "ख" अधिकारियों की अचल संपत्ति विवरणी की संवीक्षा करना।
5. मुख्य कार्यालय के विभिन्न अनुभागों/उप-कार्यालयों की आकस्मिक सतर्कता जाँच करना।
6. अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित फ़ाइलों पर कार्रवाई करना।
7. इनके अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान, 31 अक्तूबर 2022 से 06 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन।

सतर्कता मामलों का विवरण

1) दि.01.04.2022 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले - शून्य

2) दि. 01.04.2022 से दि. 31.03.2022 तक के दौरान जोडे गये अनुशासनिक मामले- 4 मामले

3) दि. 01.04.2022 से दि. 31.03.2023 तक के दौरान निपटाए गए अनुशासनिक मामले -1 मामले

4) दि. 31.03.2023 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले-3 मामले

कानूनी एकक

कानूनी प्रकोष्ठ को निम्नलिखित कार्यों का दायित्व सौंपा गया है:-

- सेवा मामले, विपणन, कराधान तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), बागान श्रम आदि से संबंधित बोर्ड के सभी कानूनी विषयों को देखना।
- उच्चतम न्यायालय, संबंधित राज्यों के उच्च न्यायालय, श्रम न्यायालय, निचला न्यायालय, आईपीआर अधिकरण और विक्रय कर अपीली फोरम जैसे विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लंबित मुकद्दमेंबाजी को देखना।
- वादपत्र/प्रतिवाद तैयार करने और तर्क के लिए बोर्ड के अधिवक्ताओं को संगत रिकार्ड देते हुए समन्वयन एवं सहायता देना।
- कॉफ़ी अधिनियम के संशोधन से संबंधित पत्राचार करना तथा कानूनी मामलों पर वाणिज्य मंत्रालय से पत्राचार करना।
- निर्यात, पेंशन, इंजीनियरिंग, प्रशासन आदि विभिन्न अनुभागों द्वारा संदर्भित फाइलों पर अपना अभिमत प्रदान करना

मुकद्दमों की स्थिति :

वर्षारंभ में 53 मामले लंबित थे। वर्ष के दौरान 17 मामले दर्ज किए गए हैं। 70 मामलों में 07 मामले को निपटाया गया. दिनांक 31.03.2023 को 63 मामले लंबित हैं।

कर विवाद की स्थिति :

क) केरल सरकार:

केरल उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 29.8.2008 के अधीन वर्ष 1984/85 से 1990/91 तथा 1994/95 से 1996/97 तक के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि में एसटीएटी द्वारा जारी किए गए आदेश रद्द कर दिया तथा नियमानुसार मामले की पुन: जाँच करने के लिए कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। इसी तरह, सीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक एवं 2000/01 और केजीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक, 1996/97 एवं 1997/98 से संबंधित अपीलों को एसटीएटी ने अपने दिनांक 26.9.2012 के आदेश के अधीन मामले को कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। बोर्ड ने मांग की छूट के लिए उपलब्ध संगत रिकार्ड प्रस्तुत किया। फिर भी, कर निर्धारण अधिकारी ने वर्ष 1984/85 से 1990/91 तक, 1994/95 एवं 1995/96 के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि करते हुए दिनांक 11.3.2013 को आदेश जारी किया और ₹34.53 करोड की सी.एस.टी. मांग और ₹174.09 करोड़ का ब्याज को शामिल कर कुल ₹208.62 करोड़ की मांग की। बोर्ड ने एसटीएटी, पालक्काड, केरल के समक्ष प्रथम तथा द्वितीय अपीलें प्रस्तुत की। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद एसटीएटी ने 20.05.2016 क़ो एक आदेश पारित करते हुए कर निर्धारण अधिकारी को निदेश दिया है कि रिकार्ड प्रस्तुत करने तथा व्यक्तिगत रुप से सुनवाई के लिए कॉफ़ी बोर्ड को मौका दें। हालाँकि, केरल राज्य ने केरल उच्च न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण अर्जी फाइल की, जो निपटान के लिए लंबित है। हालाँकि, केरल राज्य ने केरल उच्च न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की जिसे 6 महीने की अवधि के भीतर मूल्यांकन पूरा करने के निर्देश के साथ खारिज कर दिया गया है। निर्णय के अनुसार, निर्धारण प्राधिकारी, राज्य कर अधिकारी, केरल जीएसटी विभाग, चावक्काड़ ने रिकार्ड प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है। तदनुसार, कॉफ़ी बोर्ड ने मूल निर्धारण के समय प्रस्तुत किए गए अभिलेखों के अतिरिक्त प्राधिकारी ने उन्हें इस आधार पर स्वीकर करने से इनकार कर दिया कि रसीदों/बिजक/लदान बिलों के बिल आदि के उत्पादन पर केवल ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अनुसार विचार किया गया और 241, 66,24,328.00 रुपये के भुगतान

के आदेश पारित किए गए। कॉफ़ी बोर्ड ने कर विशेषज्ञों और बोर्ड के वकील के साथ परामर्श के बाद, जो उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए थे, उप आयुक्त (अपील), केरल कर विभाग, त्रिशूर के समक्ष अपील तैयार की और दायर की और कॉफी बोर्ड द्वारा दायर स्थगन आदेश भी दायर किए। उप आयुक्त (अपील) ने कॉफ़ी बोर्ड द्वारा दायर अपील और स्थगन आदेशों पर विचार करने के लिए विवादित राशि का 1% (2.41 करोड़) माफ करने का नोटिस जारी किया। बोर्ड ने माननीय केरल उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की और माननीय न्यायालय ने नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी और यह मामला अंतिम आदेश के लिए लंबित है।

इंजीनियरिंग एकक

देश भर में विभिन्न स्थानों पर कॉफ़ी बोर्ड के स्वामित्व का कार्यालय भवन यथा, बेंगलूरु, मैसूरु, चिक्कमगलूरु और हासन (कर्नाटक); चेन्नई एवं बोडिनायक्कनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी व सिलचर (असम); चिंतपल्ली और अरकुवैली (आंध्र प्रदेश) तथा नई दिल्ली, बेंगलूरु, हासन (कर्नाटक); बोडिनायकनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी, सिलचर (असम); चिन्तपल्ली, अरकुवैली (आंध्र प्रदेश) में आवासीय फ्लैट्स हैं।

इसके अलावा, कर्नाटक के चिक्कमगलूरु जिले में केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान चेट्टल्ली में (मडिकेरी के पास) कॉफी अनुसंधान उप-केंद्र, केरल के चुंडेल, तमिल नाडु के थांडीकुडी, आंध्र प्रदेश के आर.वी.नगर तथा असम के दीफू में क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान केंद्रों में आवासीय क्वार्टर्स हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, उडिशा राज्य तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र अर्थात असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा एवं मिज़ोरम, राज्यों में विस्तार विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का अनुरक्षित किया जाता हैं। बेंगलूरु के इंडिया कॉफ़ी हाउस तथा भोपाल के इंडिया कॉफ़ी सेंटर (अब बंद है) का स्वामित्व व अनुरक्षण भी कॉफ़ी बोर्ड द्वारा किया जाता है।

व्यय का विवरण

इंजीनियरिंग एकक, क्रिएशन ऑफ एसेट और स्वच्छ भारत के तहत बोर्ड के भवनों का अनुरक्षण कार्य करता है और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, अनुरक्षण कार्य के लिए ₹4,93,10,092/- की राशि खर्च की गई है।

आर टी आई एवं शिकायत एकक

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अधीन वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत के नागरिकों से सूचना/दस्तावेज की माँग करते हुए 40 आवेदन कॉफ़ी बोर्ड को प्राप्त हुए जिसमें 02 बैकलॉग आवेदन पिछले वर्ष 2021-22 का हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, 42 आवेदनों का निपटान किया गया है तथा कोई भी आवेदन लंबित नहीं हैं। आरटीआई के अधीन प्राप्त 01 अपील का निपटान किया गया। वर्ष 2021-22 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड कोई भी शिकायतें प्राप्त नहीं हैं।

2022-23 के लिए आरटीआई आवेदन संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथ: शेष	02
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	40
3.	कुल	42
4.	वर्ष के दौरान निपटान	42
5.	इतिशेष	00

2022-23 के लिए आरटीआई अपील संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथ शेष	01
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	00
3.	कुल	01
4.	वर्ष के दौरान निपटान	01
5.	इतिशेष	00

2022-23 के लिए आरटीआई शिकायत संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथ शेष	00
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	00
3.	कुल	00
4.	वर्ष के दौरान निपटान	00
5.	इतिशेष	00

*****

अध्याय III (क)

दिव्यांग कर्मियों का विवरण

31.03.2023 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड में कुल 16 दिव्यांग कर्मचारी कार्यरत हैं। उनका संवर्गवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	संवर्ग	समूह	वर्तमान संख्या	दिव्यांग व्यक्तियों की संख्या		श्रेणीवार दिव्यांग कर्मचारी		
				सं.	दिव्यांग का कुल %	अना	अ.जा	अ.ज.जा
1.	उप निदेशक (अनुसंधान)	क	5	1	20.00	1	--	--
2.	कनिष्ठ संपर्क अधिकारी	ख	12	1	8.33	1	--	--
3.	अनुसंधान सहायक श्रे-I	ख	24	3	12.50	3	--	--
4.	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	ख	2	1	50.00	1	--	--
5.	विस्तार निरीक्षक	ग	72	2	2.78	2	--	--
6.	वरिष्ठ सहायक	ग	35	1	2.86	1	--	--
7.	कनिष्ठ सहायक	ग	9	6	66.67	6	--	--
8.	बहु-कार्य कर्मचारी	ग	164	1	0.61	1	--	--
		कुल	**323**	**16**	**4.95**	**16**	--	--

*****

अध्याय - IV

कॉफ़ी अनुसंधान

वर्तमान वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने "संधारणीय कॉफ़ी उत्पादन के लिए अनुसंधान और विकास" योजना स्कीम के तहत कई अनुसंधान कार्यों को क्रियान्वित किया है। अनुसंधान कार्यक्रमों को चेट्टल्ली, कोडगु, कर्नाटक; चुंडेल, वायनाड, केरल; तांडीकुडा, पुलनीज़, तमिलनाडु; आर.वी.नगर, विशाखापट्टनम जिला, आंध्र प्रदेश; दीफू, असम; पादप ऊतक संवर्धन एवं जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, मैसूरु और कॉफ़ी गुणता मूल्यांकन प्रभाग, बेंगलूरु में स्थित कॉफ़ी बोर्ड के उप-केंद्र के नेटवर्क के जरिए अपने मुख्य अनुसंधान संस्थान-केन्द्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, चिक्कमगलूरु जिला, कर्नाटक द्वारा कार्यान्वित किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न प्रभागों द्वारा किए गए विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के तहत प्रमुख अनुसंधान निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

फसल सुधार

पादप प्रजनन और आनुवंशिकी प्रभाग :

उच्च उपज देने वाले संकरों को विकसित करने के लिए दो तरीके को अपनाया गया है यानी, आनुवंशिक रूप से पृथक जीनप्ररूपों को पार करना और नर अनुर्वर (एमएस) पौधों तथा चुनिंदा परागणकारियों को शामिल कर पार करना। वर्ष 2021-22 के दौरान एफ$_1$ संकरों के किशोर शक्ति ने संकेत दिया कि एस.5632 (एसएलएन.10 x चंद्रगिरि) में उच्चतम किशोर शक्ति दिखाई। अन्य संकरों में अर्थात् एस.5440 और एस.5117 के संयोजन से उत्पन्न संकरों में उच्चतम किशोर शक्ति दिखाई दी। नर अनुर्वर वंशक्रमों को पार कर विकसित किए गए संकर एस.5357 (एस.2678 x कैविमोर) ने 528 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उपज दर्ज की। चंद्रगिरि x रुम सूडान (2018 में उत्पन्न) के एफ$_1$ संकर ने वानस्पतिक मापदंडों के संबंध में चंद्रगिरि की तुलना में उच्चतम शक्ति के साथ एकसमान अर्ध बौने समलक्षणी दर्शाया। आशाजनक जीनप्ररूप की निगरानी के तहत, एस.4817 की संतति कॉफ़ी पर्ण किट्ट के आपतन से मुक्त रहे और 72% 'ए' ग्रेड बीन्स के साथ 1410 कि.ग्रा./हेक्टेयर की अधिकतम अनुमानित उपज दर्ज की। इसके बाद, एस.4817 (71.12%) का स्थान रहा।

वर्ष 2023 के पुष्पण मौसम के दौरान, पेड़ कॉफ़ी संकर (टीसीएच) और *सी x आर* रोबस्टा किस्म, *सी. स्टेनोफिला*, रोबस्टा असीमाक्षी संकर और एस.5082 (चंद्रगिरि x टीसीएच) जैसे विभिन्न पराग दाताओं के बीच संकरण कार्य किया गया है। एस.4595 और चंद्रगिरि के बीच भी संकरण किया गया है।

चंद्रगिरि (एस.4202), एचडीटी कैटुवई और कैविमोर में एस$_{एच}$3 जीन को एकीकृत करके स्थिर प्रतिरोध देने के उद्देश्य से, एसएलएन.10 (एस$_{एच}$3 जीन के लिए परागणकारी और दाता के रूप में) के साथ संकरण किया गया है। एसएलएन.10 x एस.4202 से उत्पन्न चार एफ$_1$ संततियों (एस.5083 से एस.5086) में से, एस.5086 में 1,360 कि.ग्रा./हेक्टेयर की उच्च उपज दर्ज की गई। इसके बाद एस.5085 (1299 कि.ग्रा./हेक्टेयर) का स्थान रहा। इन आशाजनक एफ$_1$ संकरों (एस.5085 और एस.5086) के क्लोनों को एफ$_1$ ब्लॉक में पौद कलम के साथ 2022-23 के दौरान रोपित किया गया है। एस.5083 से एस.5086 तक के स्व-परागण पृथक पौधों से स्थापित बीस एफ$_2$ संततियों को कॉफ़ी पर्ण किट्ट रोग के लिए निगरानी में रखी गईं। इनमें से एस.5086 की संततियां रोगमुक्त पाई गईं। आरसीआरएस, तांडीकुडी में, इसी उद्देश्य के साथ, चंद्रगिरि (एस.3822) और एसएलएन.10 के बीच संकरण किया गया था और वर्ष 2012 में क्षेत्र में उगाई गई 11 संकर संततियों को निष्पादन के लिए निगरानी में रखी गई। ग्यारह संततियों में से, एस.5318 ने अत्यधिक उपज (1,620

कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की। उसके बाद एस.5319 (1,411 कि. ग्रा./हेक्टेयर) का स्थान रहा।

अर्ध-बौने, एचडीटी कैटुवई और एसएलएन.10, (एस.5052, एस.5053, एस.5057, एस.5058 और एस.5059) को पार करके उत्पन्न पांच संकर संततियों की निगरानी से पता चला कि उन संकरों में से, एस.5059 (एचडीटी कैटुवई x एसएलएन.10) ने अधिकतम किट्ट सह्यता के साथ अधिकतम अनुमानित उपज (1,377 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की। कैविमोर संकरों में से एस.5168 और एस.5171 में क्रमशः 828 और 699 कि.ग्रा./हेक्टेयर की पांच वर्षों की औसत उपज के साथ बहुत अच्छे तरीके से वृद्धि हुई।

एस.4595 में कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) की सह्यता पुष्टि करने के लिए, मेसर्स जैन इरीगेशन द्वारा उगाए गए एस.4595 के 30,000 ऊतक संवर्धित एफ$_1$ पौधों को कर्नाटक (22) और तमिलनाडु (5) जैसे पारंपरिक अरेबिका रोपित क्षेत्रों के आर-पार 27 एस्टेटों में उगाया गया था। चिक्ककमगलूरु, हासन और कूर्ग जिलों के 16 एस्टेटों में परीक्षण क्षेत्रों को वानस्पतिक ओज और सीडब्ल्यूएसबी के आपतनों के लिए निगरानी में रखा गया था। प्रारंभिक परिणामों से पता चला कि एस.4595 को उगाए गए क्षेत्र में सीडब्ल्यूएसबी का कोई आपतन नहीं था। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र, चिक्कमगलूरु और कुछ निजी एस्टेटों में उगाई गई एस.4595 (एस.5355) की उन्नत पीढ़ी की भी निगरानी की जा रही है।

रोबस्टा की लक्षण विशिष्ट क्लोनल किस्मों को विकसित करने के उद्देश्य से एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया था। इस संबंध में कोडगु, चिक्कमगलूरु और वायनाड क्षेत्र में 2019-20 से 2021-22 तक सर्वोत्कृष्ट मातृ पौधों की पहचान की गई थी। 66 एस्टेटों में से कुल 354 रोबस्टा मातृ पौधों की पहचान की गईं। उपज और गुणवत्ता मापदण्डों में स्थिर निष्पादन के आधार पर 162 पौधों को चुन लिया गया, जिसमें पुराने रोबस्टा के 67 पौधे, एस.274 के 61 पौधे और *सी x आर* के 34 पौधे शामिल थे। इसके अलावा, चिक्कमगलूरु के कोप्पा और कोडगु के कुट्टा क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया था और सात सर्वोत्कृष्ट मातृ पौधों को पहचाना गया।

डब्ल्यूसीआर-आईएमएलवीटी के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के तहत, उपज, गुणवत्ता और कॉफ़ी पर्ण किट्ट के प्रति क्षेत्र सह्यता के लिए अरेबिका किस्मों का मूल्यांकन किया गया था। बौनी किस्मों में से, एफ$_1$ संकर ईसी-16 ने अधिकतम उपज (941 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की। हालाँकि, नियंत्रण किस्म चंद्रगिरि ने परीक्षण किस्मों की तुलना में अधिक उपज (996 कि.ग्रा./ हेक्टेयर) दर्ज की। बौनी किस्मों की तुलना में सभी लम्बी किस्में औसत उपज देने वाली हैं। अधिकतम उपज एसएलएन.6 (540 कि.ग्रा./हेक्टेयर) और उसके बाद एसएलएन.5बी (522 कि. ग्रा./हेक्टेयर) में दर्ज की गई। नियंत्रण किस्म, एसएलएन.9 में अधिकतम उपज 547 कि.ग्रा./हेक्टेयर दर्ज की गई। सेम की प्राकृतिक गुणवत्ता के संबंध में, बौनी किस्मों में 17-81% 'ए' ग्रेड सेम पाया गया, जबकि पकामारा में अधिकतम 'ए' ग्रेड सेम (81%) पाया गया है। लंबी किस्मों में से एसएलएन.9 में अधिकतम 'ए' ग्रेड सेम (45.3%) और उसके बाद एसएलएन.6 (44.4%) में था। अधिकतम 100 बीन वजन, एस.4808 (18.72 ग्राम) में दर्ज किया गया था, उसके बाद रुइरू-11 (18.46 ग्राम) में दर्ज किया गया था, जबकि लंबी किस्मों में, अधिकतम 100 बीन वजन एसएलएन.5बी (17.6 ग्राम) में दर्ज किया गया था। कॉफ़ी पर्ण किट्ट के आपतन हेतु सभी किस्मों की निगरानी की गईं। ईसी-16 (मुंडो माया एफ$_1$ संकर) को किट्ट रोग से मुक्त पाया गया। पारैनेमा, मार्सेल्लोसा जैसी सार्चिमोर किस्मों को किट्ट के प्रति सह्य पाई गईं। नियंत्रण किस्म चंद्रगिरि में अधिकतम सह्यता पाई गई। लम्बी किस्मों में से, एसएलएन.6, कॉफ़ी पर्ण किट्ट के आपतन के प्रति सह्य पाया गया।

"नई रोबस्टा कॉफ़ी किस्मों का परिचय और मूल्यांकन" पर नेस्ले आर एण्ड डी, फ्रांस के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम के तहत, छः रोबस्टा किस्में नामतः, एफआरटी - 65,

एफआरटी - 97, एफआरटी - 101, एफआरटी - 133, एफआरटी-134 एवं एफआरटी-95 को तीन स्थानों यानी सीआरएसएस, चेट्टल्ली; सीसीआरआई तथा आरसीआरएस, चुंडेल में उगाया गया था। वर्ष के दौरान, सीसीआरआई में इनका वानस्पतिक ओज का मूल्यांकन किया गया था। प्राइमरी की लंबाई, प्रत्येक प्राइमरी में पर्णसंधि की संख्या, झाड़ी के फैलाव की दृष्टि से एफआरटी-97 को अत्युन्नत पाया गया, जबकि एफआरटी-134 में प्राइमरी के संख्या को लेकर बेहतर पाया गया। सामान्यतया, भारतीय रोबस्टा चयन की तुलना में नेस्ले श्रेणी को वानस्पतिक विकास मापदंडों में बेहतर पाए गए। प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जैसा कि दूसरे वर्ष के आंकड़ों से पता चलता है कि सीसीआरआई में लगाए गए क्लोनल किस्मों में से, एफआरटी-97, एफआरटी-134 और एफआरटी-65 ने आशाजनक निष्पादन दर्ज किया है। 2022-2023 सीज़न के दौरान, सीसीआरआई में तैयार किए गए नेस्ले श्रेणियों के क्लोनल पौधों को बहु-स्थानीय परीक्षण के उद्देश्य से टीईसी, कलपेट्टा को आपूर्ति किया गया था।

2022-23 के दौरान, 19,508 कि.ग्रा. अरेबिका एवं 2,229.5 कि.ग्रा. रोबस्टा बीजों को शामिल कर कुल 21,737.5 कि.ग्रा. बीज कॉफ़ी तैयार की गई और अनुसंधान फार्मों और टीईसी से देश-भर के कॉफ़ी उपजकर्ताओं में वितरित की गई। इसके अलावा, पहचाने गए अनुसंधान स्टेशनों और टीईसी से 210 कॉफ़ी उपजकर्ताओं को रोबस्टा किस्म *सी x आर* के कुल 36,678 जडित कृंतक वितरित किया गया। 2022-23 के दौरान, टीईसी, गोणिकोप्पल में कृंतक प्रवर्धन करने की दिशा में कदम उठाया गया। वर्ष के दौरान, *सी x आर* कृंतक के उत्पादन के लिए टीईसी, गोणिकोप्पल में कुल 20,000 एकल पर्णसंधि कर्तन रोपित किया गया।

ऊतक वर्धन एवं जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग, मैसूरु

2022-23 के दौरान, सर्वोत्कृष्ट अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफ़ी के लिए *कृत्रिम परिवेशीय* गुणन पद्धति के विकास की दिशा में, विभिन्न कॉफ़ी एस्टेटों में पहचाने गए 15 लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा मूल पौधों में उच्च आवृत्ति कायिक भ्रूणोद्भव प्रेरित करने के लिए पादप प्रजनन व आनुवंशिकी प्रभाग में प्रयोग शुरू किया गया था। नौ लक्षण विशिष्ट रोबस्टा पौधों की पर्ण कर्तोतकी से उत्पन्न किण को सफलतापूर्वक लगाया गया था। इसके अलावा, अरेबिका के विभिन्न कृष्य किस्म जैसे एस.4814, एस.4932, एस.4817 और सार्चिमोर के कुल 338 *कृत्रिम परिवेशीय* पुनरुत्पादित पौधों को क्षेत्र मूल्यांकन के लिए सीआरएसएस, चेट्टल्ली में भेजा गया था।

कायिक भ्रूणोद्भव के माध्यम से उत्पन्न कृत्रिम *परिवेशीय* पौधे, मीडिया संरचना, लंबे समय तक किण वर्धन और अजैविक प्रतिबल जैसे कई कारकों के कारण सोमाक्लोनल भिन्नता प्रदर्शित कर सकते हैं। इसलिए, कायिक भ्रूण-जनित पौधों की आनुवंशिक समांगता का आकलन करने के लिए, आण्विक चिह्नक (एसआरएपी और एससीओटी) आमापन का उपयोग कर कायिक भ्रूण-जनित पौधों और स्व-परागणित अरेबिका कॉफ़ी के मूल पौधों के कृष्य किस्मों (एस.2794 और एस.2800 पौधे) के बीज-व्युत्पन्न पौधों में आनुवंशिक समांगता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। मार्कर विश्लेषण से 93-98% आनुवंशिक समांगता का पता चला। प्रकाश-उत्प्रेरण प्रोटीन, जिंक फिंगर प्रोटीन, यूडीपी-ग्लाइकोसिल ट्रांसफेरेज़, आंशिक एनएसी 25 जीन और परमाणु संजीन से प्राप्त रोगजनक-संबंधी प्रोटीन जैसे पांच कार्यात्मक जीनों के तुलनात्मक अनुक्रम विश्लेषण द्वारा आनुवंशिक समांगता का मूल्यांकन किया गया था। क्लोरोप्लास्ट संजीन से राइबुलोज-1, 5-बिस्फोस्फेट कार्बोक्सिलेज बड़े सबयूनिट जीन और बीज एवं कायिक भ्रूण में माइटोकॉन्ड्रियल संजीन के माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोमल प्रोटीन जीन से पौधे और मूल पौधे व्युत्पन्न हुए। अनुक्रम विश्लेषण से पता चला कि परमाणु संजीन के जीन की तुलना में क्लोरोप्लास्ट और माइटोकॉन्ड्रियल संजीन के जीन ने सबसे कम अनुक्रम परिवर्तनशीलता दिखाई। पहले जिंक फिंगर प्रोटीन में, उसके बाद यूडीपी-ग्लाइकोसिल

ट्रांसफेरेज में एसएनपी और इनडेल्स के रूप में अधिकतम अनुक्रम परिवर्तनशीलता देखी गई, जबकि राइबुलोज-1,5-बिस्फोस्फेट कार्बोक्सिलेज बड़े सबयूनिट जीन में और उसके बाद माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोमल प्रोटीन में न्यूनतम अनुक्रम परिवर्तनशीलता देखी गई।

पराजीनिकी और कार्यात्मक संजीनिकी अध्ययनों के तहत, चावल चिटिनेज जीन वाहक *कॉफिया अरेबिका* के पराजीनिकी वंशक्रम, कॉफ़ी किट्ट के प्रति सह्यता प्रदर्शित करते हैं। तंबाकू ऑस्मोटिन, एसजीएफपी और जीयूएसए जीन वाहक *कॉफिया कैनेफोरा* जिन्हें जैव-आमापन, पराजीन संयोजन और वंशगति विश्लेषण के लिए पुनरुत्पत्ति और अनुरक्षण किया गया है। जीन विशिष्ट पीसीआर का उपयोग कर T_0 और T_1 पीढ़ियों में पराजीन वंशगति पैटर्न को अरेबिका और रोबस्टा दोनों पराजीनिकी वंशक्रम में निर्धारित किया गया है।

संजीनिकी पहुँच के जरिए कॉफ़ी तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) को प्रतिरोध देने के उद्देश्य से 12 कॉफ़ी जीनप्ररूपों में आठ रक्षा संबंधी जीनों को विशेष रूप से अनुक्रमित किया गया है, जो डब्ल्यूएसबी के प्रतिरोध के क्रमिक स्तर को व्यक्त करते हैं। पादप रक्षा तंत्र में शामिल मन्नन सिंथेज़, जिंक फिंगर प्रोटीन, आइसोल्यूसीन मोनो-ऑक्सीजिनेज, पॉलीगैलेक्टुरोनेज़, एक्वापोरिन, रोगजन्य संबंधित प्रोटीन, यूडीपी-ग्लाइकोसिल ट्रांसफेरेज़, प्लास्टिड लिपिड संबंधित प्रोटीन, साइटोक्रोम पी450 और आइसोप्रीन सिंथेज़ जैसे 11 जीन अनुक्रमों का *इन-सिलिको* विश्लेषण किया गया है। पीड़क और रोगों के प्रतिरोध के विभिन्न स्तरों सहित 12 कॉफ़ी जीनप्ररूपों में सभी 11 जीनों की अनुक्रम तुलना के आधार पर, जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण के लिए प्रारंभकों का अभिविन्यास और मानकीकृत किया गया है। कॉफ़ी की 12 जातियों के संजीनिकी डीएनए नमूनों में छः प्राइमरों के प्रवर्धन पैटर्न का विश्लेषण और जीन अभिव्यक्ति अध्ययन जारी है।

रोबस्टा कॉफ़ी में सूखा सहनशीलता जैसे महत्वपूर्ण कृष्य लक्षणों के जीन विनियमन को नियंत्रित करने वाले अनुलेखन कारकों का संजीन-व्यापी विश्लेषण का अध्ययन किया जा रहा है। रोबस्टा पौधों से सूखा सहिष्णुता से जुड़े जीन / अनुलेखन कारकों को अलग करने के लिए अध्ययन किया गया है। एसआरएपी और एससीओटी चिह्नक विश्लेषण का उपयोग करके कुल बारह डीआर-रोबस्टा पौधों का चयन किया गया और रोबस्टा जर्मप्लाज्म पूल के साथ तुलना की गई। सूखा सहनशीलता रोबस्टा वंशक्रमों में प्रवर्धित विभेदक अंशों की पहचान की गई। अध्ययन में सात एससीओटी चिह्नकों का उपयोग करके 12 डीआर-रोबस्टा पौधों के संजीनिकी डीएनए नमूनों से कुल 25 अद्वितीय अंशों को प्रवर्धित किया गया है। अनुक्रमित 25 अनुक्रमों में से, प्रतिबल सह्यता में शामिल 2-ऑक्सोग्लुटारेट-निर्भर डाइऑक्सीजिनेज, आरआरएम डोमेन प्रोटीन और माइटोकॉन्ड्रियल जैसे और टीजीए 9 जैसे महत्वपूर्ण जीन की पहचान की गई और उनकी विशेषता बताई जा रही है।

पादप रोगविज्ञान प्रभाग के सहयोग से इस प्रभाग ने 30 आईटीएस अनुक्रमों का उपयोग करके पैरामाइरोथेसियम के रोगजनक कवक प्रतिबल का विशेषीकरण किया है। कॉफ़ी कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में उगाए गए विभिन्न खरपतवार पोषियों से ग्यारह *पैरामिरोथेसियम* प्रभेदों को शामिल कर आईटीएस अनुक्रमों को अलग किया गया है और सार्वजनिक डेटा बेस से 10 आईटीएस अनुक्रमों को प्राप्त किया गया है। माइकोबैंक डेटा बेस से *पैरामाइरोथेसियम रोरिडम* का संदर्भ आईटीएस अनुक्रम डाउनलोड किया गया था। बहुविध अनुक्रम संरेखण द्वारा अनुक्रम समानता का मूल्यांकन किया गया है और अधिकतम संभावना विधि का उपयोग करके डेंड्रोग्राम बनाया गया है।

फसल प्रबंधन

सस्यविज्ञान प्रभाग :

सीसीआरआई में अरेबिका कॉफ़ी की किस्म चंद्रगिरि में नए रोपण विन्यास और छंटाई तंत्र का मूल्यांकन के तहत, दो छंटाई विधियों के साथ तीन रोपण विन्यासों का मूल्यांकन करने के लिए वर्ष 2006-07 के दौरान सीसीआरआई में एक बहु-स्थानीय क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया था। चक्रीय छंटाई के साथ बाड़ पंक्ति तंत्र में रोपित (6' x 3') पौधे में, अन्य तंत्र के रोपण की तुलना में अत्यधिक स्वच्छ कॉफ़ी उपज (1,316 कि.ग्रा./हेक्टेयर) दर्ज की। पारंपरिक हल्की छंटाई पद्धति (58-मानव दिन/हेक्टेयर) की तुलना में चक्रीय और रॉक-एन-रोल छंटाई तंत्र जैसे परिवर्तित छंटाई तंत्रों में न्यूनतम श्रम आवश्यकता (25 से 41 मानव दिवस/हेक्टेयर) पाई गई। पारंपरिक छंटाई पद्धति की तुलना में परिवर्तित छंटाई पद्धतियों (चक्रीय और रॉक-एन-रोल) में श्रम बचत का उच्च प्रतिशत (29-56% प्रति हेक्टेयर) देखा गया। बाड़ पंक्ति रोपण (6' x 3') में विभिन्न रोपण विन्यास और छंटाई पद्धतियों को लागू करने से और चक्रीय छंटाई के परिवर्तित छंटाई पद्धति अपनाने से बी:सी अनुपात (2:1) सहित अत्यधिक निवल लाभ (रुपए 1,41,685/हेक्टेयर) प्राप्त हुआ।

कृषि रसायन विज्ञान प्रभाग :

मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में सुधार लाने के उद्देश्य से, वर्ष 2022-23 के दौरान कृषि रसायन विज्ञान प्रभाग ने नैनो उर्वरकों (यूरिया और डीएपी) के मानकीकरण और कॉफ़ी की पैदावार में इसका प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम आयोजित किया। बहु-स्थानीय क्षेत्र परीक्षणों के प्रारंभिक परिणामों से संकेत मिलता है कि उपज के संबंध में पर्णीय अनुप्रयोग (नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी) और मृदा अनुप्रयोग (यूरिया एवं डीएपी) के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

2022-23 के दौरान, उपजकर्ताओं को सलाहकार सेवा समर्थन के तहत, पीएच, जैव कार्बन, उपलब्ध फास्फोरस और पोटैशियम तत्व के लिए कुल 5,842 मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया है और 1,246 उपजकर्ताओं को उर्वरक सिफारिशें प्रदान की गईं। माध्यमिक और सूक्ष्म पोषक तत्वों (कैल्शियम, मेग्नीशियम, ताम्र, जस्ता, लोहा और मेंगनीज) के लिए छ: सौ उनतालीस (659) मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया है। 488 उपजकर्ताओं से प्राप्त चूना सामग्री, स्प्रे चूना, उर्वरक, जैविक खाद और कॉपर सल्फेट सहित कुल 786 कृषि रसायनों की शुद्धता के लिए विश्लेषण किया गया और संबंधितों को रिपोर्ट संप्रेषित की गई।

कर्नाटक के कलसा, हानबाल और सकलेशपुरा क्षेत्र में तीन तत्स्थान मोबाइल मृदा परीक्षण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान, 185 मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया और 67 उपजकर्ताओं को तत्स्थान चूने की सिफारिश की गई।

पादप कायिकी प्रभाग :

2020-21 सीज़न के दौरान सीसीआरआई में रोबस्टा (*सी x आर* क्लोन किस्म) में फूल कली को उत्प्रेरित करने के लिए इन-हाउस पोषक तत्व अभिसूत्रण का परीक्षण किया गया था। जैसा कि परिणाम उत्साहजनक थे, अध्ययन को 2022-23 सीज़न के दौरान अरेबिका और रोबस्टा दोनों कॉफ़ी में चिक्कमगलूरु के दो निजी एस्टेट तक विस्तारित किया गया था। परिणामों से संकेत मिला कि जिन पौधों पर पोषक तत्वों का छिड़काव किया गया, उनमें नियंत्रण उपचार की तुलना में क्लोरोफिल और प्रोटीन के संपूर्ण तत्व के बेहतर भौतिक निष्पादन प्रदर्शित हुए।

सूखा सहिष्णु रोबस्टा के विकास की दिशा में इस प्रभाग द्वारा कलमबंध का अध्ययन किया गया है। क्षेत्र में उगाए गए कलमबंध पौधों में दर्ज किए गए जैव रासायनिक मापदंडों में, अन्य कलमबंध संयोजन और मूल वंशक्रमों की तुलना में एसएलएन.9/ *सी x आर* कलमबंध संयोजन में उच्च

जैव रासायनिक निष्पादन (सापेक्ष जल तत्व, संपूर्ण क्लोरोफिल तत्व, एपिक्यूटिकुलर मोम तत्व, सुपर ऑक्साइड रेडिकल, अपेक्षाकृत उच्च कैटालेज गतिविधि, गुआयाकोल पेरोक्सीडेज गतिविधि और सुपर ऑक्साइड डिसम्यूटेज गतिविधि) को देखा गया। चालू वर्ष के दौरान, अरेबिका किस्मों (एसएलएन.9, एसएलएन.11, सॉन रेमन, एस.4595, एसएलएन.6, एसएलएन.5बी, एस.3399, डीआर-5, एस.880 और एस.1932) के दस अलग-अलग मूलवृंत पर *सी x आर* और एस.274 के सांकुरकों के साथ कलमबंध संयोजन किया गया जिससे 87% सफलता पाई गई। अन्य कलमबंध की तुलना में एसएलएन.9/ *सी x आर* के कलमबंध पौद में पर्ण विस्तार, तने की लंबाई और एसपीएडी रीडिंग बहुत अधिक दर्ज की गई।

छायादार कॉफ़ी बागानों में कार्बन पदचिह्न के आकलन के प्रति, इसरो, हैदराबाद के सहयोग से अध्ययन शुरू किया गया था। वर्ष के दौरान, अरेबिका बागान में कार्बन उत्सर्जन का अध्ययन करने के लिए सीसीआरआई में एक फ्लक्स टॉवर स्थापित किया गया था। सीसीआरआई में अरेबिका प्लॉट में जमीन के ऊपर और नीचे के जैवभार को रिकॉर्ड कर कार्बन उत्सर्जन का आकलन करने का भी अध्ययन शुरू किया गया था।

फसल संरक्षण

पादप रोग प्रभाग:

आरसीआरएस, तांडीकुडी (तमिलनाडु) में किट्ट प्रजाति परीक्षण अध्ययन के लिए क्षेत्र में और ग्लास हाउस में भी कुल 45 कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) विभेदी और 'ए' प्रकार के पौधों का अनुरक्षण किया जाता है। इसके अलावा, अरेबिका कृष्य किस्मों (बोर्बोन और मटारी) पर उनतीस नामित किट्ट प्रजातियों का गुणन किया गया और आगे के अध्ययन के लिए परिरक्षित किया गया।

सीसीआरआई में परिवर्तित जलवायु परिस्थिति में *हेमीलोया वैस्टेट्रिक्स* के व्यवहार का अध्ययन अरेबिका के संवेदी और सह्य किस्में क्रमश: एसएलएन.3 और एसएलएन.13 पर किया गया था। पखवाड़े के अंतराल पर रोग के आपतनों का नियमित रूप से दर्ज किया गया और रोग आपतन का पूर्वानुमान लगाने के लिए मौसम के मापदंडों के साथ सहसंबद्ध किया गया। परिणामों ने संकेत दिया कि अधिकतम तापमान और लंबे समय तक का धूप रोग आपतन को बढ़ाता है।

सीसीआरआई में सीएलआर, काला विगलन और वृंत विगलन रोगों का प्रबंधन के लिए इसकी प्रभाविकता के लिए सात अलग-अलग सर्वांगी कवकनाशी का मूल्यांकन किया गया है।

वर्ष के दौरान, कॉलर रॉट रोग पर बयोचार के प्रभाव पर किए गए अध्ययनों से पता चला कि 5% बयोचार से उपचारित पौधों में अनुपचारित पौधों (41.4%) की तुलना में रोग का आपतन न्यूनतम (3.88%) दर्ज की गई।

कीट विज्ञान प्रभाग:

विभिन्न उन्नतांश और छाया पैटर्न के छोटी, मध्यम और बड़ी जोतों पर कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के आपतन स्तरों का समय-समय पर सर्वेक्षण किया गया था। आंकड़ों से पता चला कि ऊंचाई जितनी अधिक होगी, पीड़क आपतन उतनी ही कम होगी। इसके अलावा, आपतन का स्तर मुख्य रूप से अनुशंसित प्रबंधन उपायों के समय पर कार्यान्वयन पर निर्भर करता है।

वर्ष के दौरान, बदलती जलवायु के तहत कॉफ़ी सफेद तना छेदक की व्यावहारिकी पर अध्ययन किया गया। सीसीआरआई में विकासात्मक अवस्था और उद्भव पैटर्न पर दर्ज किए गए आंकड़ों से पता चला कि उड़ान अवधि में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। सीडब्ल्यूएसबी पर कीटनाशकों और जैव

पीड़कनाशकों के नए अणुओं की प्रभाविकता की भी जांच की गई।

2019-2020 के दौरान सीआरएसएस, चेट्टल्ली में सीडब्ल्यूएसबी संक्रमित पौधों को अवयनित वस्त्र से लपेटने पर प्रयोग शुरू किया गया था। वर्ष 2022-23 में एकत्र किए गए आंकड़ों से पता चला कि 76% लपेटे हुए पौधे ग्रसन से उबर गए थे।

प्रयोगशाला और क्षेत्र की स्थितियों के तहत सीडब्ल्यूएसबी के अंडे देने को रोकने में नैनो-आधारित अभिसूत्रण की प्रभाविकता का मूल्यांकन तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबत्तूर के सहयोग से किया गया था। प्रारंभिक परिणामों से संकेत मिला कि नैनो अभिसूत्रण के छिड़काव ने 50 दिनों तक अंडे देने से रोकने में प्रभावी पाए गए।

अरेबिका और रोबस्टा किस्मों का अनियमित चयन द्वारा कॉफ़ी बेरी बोरर (सीबीबी) का आपतन की निगरानी की गई थी। वर्ष 2022-23 में अच्छे फैलाव से बरसने के कारण सीबीबी का समग्र आपतन स्तर कम देखा गया।

2022-23 के दौरान दो रोबस्टा किस्मों (*सी x आर* और एस.274) में शॉट होल बोरर (एसएचबी) का आपतन की निगरानी की गई। एसएचबी का व्यस्ततम समय अक्टूबर के महीने में शुरू हुआ और फरवरी तक बढ़ा। एसएचबी के प्रबंधन के लिए सीसीआरआई द्वारा 2022 में एक नई मास ट्रैपिंग तकनीक अर्थात, ज़ायकॉम ट्रैप का उपयोग किया गया था।

कॉफ़ी पर रूट ग्रब और कॉफ़ी मीली बग जैसे गौण पीड़कों पर अध्ययन किया गया था। रूट ग्रब लाव x में *हेटेरोहेब्डाइटिस इंडिका* और *स्टीनरनेमा कार्पोकैप्से* जैसे एंटोमोपैथोजेनिक सूत्रकृमि का परीक्षण किया गया था।

कॉफ़ी मीली बग में विभिन्न जैव पीड़कनाशकों की प्रभाविकता का परीक्षण करने के लिए प्रयोगशाला में अध्ययन किया गया था। परिणामों से पता चला कि अर्का मीलीमेल्ट (आई.आई.एच.आर, बेंगलूरु से) के अनुप्रयोग से 10 दिनों के बाद 95% की अधिकतम मृत्यु देखी गई। फ़ेंथोएट 50 ईसी, फ़िप्रोनिल 5एससी और इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल जैसे अनुशंसित कीटनाशकों के अवशिष्टों का विश्लेषण भी किया गया और स्प्रे के 30 दिनों के बाद अवशिष्टों का प्रमाण, संसूचन स्तर से नीचे पाया गया।

वर्ष 2022-23 के दौरान, सीसीआरआई ने राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा 15.2 लाख रुपये का बजट परिव्यय से स्वीकृत एक नई परियोजना "कॉफ़ी उत्पादन और गुणवत्ता सुधार पर मधुमक्खियों का प्रभाव" कार्यान्वित की। इस परियोजना के तहत कॉफ़ी के उत्पादन और गुणवत्ता पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सीसीआरआई में अरेबिका और रोबस्टा ब्लॉकों में मधुमक्खी पालन गृह की स्थापना की गई है। इस परियोजना में कॉफ़ी उपजकर्ताओं को मधुवाटिका की वैज्ञानिक स्थापना पर प्रशिक्षण दिया जाना भी शामिल है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, कॉफ़ी हितधारकों को सेवा सहायता के तहत, सीडब्ल्यूएसबी के प्रबंधन के लिए कर्नाटक में नौ रोपकों को प्रलोभक सहित कुल 1,085 क्रॉस वेन फेरोमोन जाल की आपूर्ति की गई थी। सीबीबी के प्रबंधन के लिए प्रलोभक सहित कुल 16,625 ब्रोका ट्रैप्स और 897 लीटर ब्रोका प्रलोभक को क्रमश: 127 और 111 उपजकर्ताओं में आपूर्ति की गई। एसएचबी के प्रबंधन के लिए ज़ायकॉम प्रलोभक सहित कुल 8,450 ब्रोका ट्रैप्स और 103.5 लीटर ज़ायकॉम प्रलोभक मात्र क्रमश: 99 और 38 उपजकर्ताओं में आपूर्ति की गई थी। इसके अलावा, सीबीबी के प्रबंधन के लिए कर्नाटक और तमिलनाडु के 12 उपजकर्ताओं को कुल 915 कि.ग्रा. *ब्यूवेरिया बासियाना* की आपूर्ति की गई थी। पारि-अनुकूल उपाय के रूप में, मीलीबग ग्रसन के प्रबंधन के लिए, केरल और कर्नाटक के 18 उपजकर्ताओं को

लेप्टोमैस्टिक्स डेक्टाइलोपी के 42,700 परजीव्याभों की आपूर्ति की गई थी।

कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी और गुणता सुधार

कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी प्रभाग :

कॉफ़ी के नमूनों को सुखाने के लिए हाइब्रिड सोलर टनल ड्रायर (एसटीडी) की उपयुक्तता का अध्ययन करने के लिए सीसीआरआई में 2022-23 कटाई सीजन के दौरान एसटीडी का मूल्यांकन शुरू किया गया था। परिणामों ने संकेत दिया है कि इलेक्ट्रिकल हीटर के साथ हाइब्रिड एसटीडी और इलेक्टोरल हीटर एवं डीह्यूमिडिफायर के साथ हाइब्रिड एसटीडी के तहत सूखने वाले कॉफ़ी के नमूनों को वांछित नमी स्तर तक पहुंचने के लिए 96 घंटे लगे। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि धूप में सुखाने की तुलना में विद्युत हीटर और डीह्यूमिडिफायर के साथ एसटीडी ने सुखाने के घंटों को 36% से 43% तक कम कर सकता है।

सभी अनुसंधान स्टेशनों और प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों (टीईसी) से 2021-22 की कटाई सीजन के कॉफ़ी नमूनों का आउटपुट डेटा एकत्र किया गया था। अरेबिका पार्चमेंट, रोबस्टा पार्चमेंट, अरेबिका चेरी और रोबस्टा चेरी का औसत उत्पादन प्रतिशत क्रमशः 80%, 85%, 53.5% और 52.7% था। ये आउटपुट मूल्य कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग द्वारा कच्ची कॉफ़ी के विभिन्न रूपों के लिए निर्धारित उत्पादन प्रतिशत के भीतर थे।

कॉफ़ी गुणता में सुधार और कॉफी बहिःस्राव उपचार के लिए सूक्ष्मजीवी समूहों को विकसित करने के उद्देश्य में, कॉफ़ी के फलों से विभिन्न सूक्ष्मजीवों (यीस्ट और बैक्टीरिया) को अलग करने का कार्य शुरू किया गया था। वर्ष 2021-22 के दौरान, छब्बीस यीस्ट प्रभेदों को अलग किया गया और छः उत्कृष्ट यीस्ट वियोजक को आगे के अध्ययन के लिए चुना गया। इन वियोजकों से स्वच्छ कॉफ़ी के नमूनों को उपचारित किया गया और कप की गुणवत्ता के लिए परीक्षण किया गया। नियंत्रण नमूने की तुलना में कप गुणवत्ता का स्कोर बेहतर पाया गया। 2022-23 की कटाई सीजन के दौरान इन यीस्ट प्रभेदों का फिर से परीक्षण किया गया। अरेबिका नमूनों में गुणता कप स्कोर 69 से 80 और रोबस्टा नमूनों में 63 से 75 तक था।

विभिन्न सुवास के कॉफ़ी विकसित करने के उद्देश्य से, कॉफ़ी के नमूनों को पपीता, अदरक, नींबू, तुलसी, दालचीनी, इलायची और पटसन के बीज का अर्क जैसे विभिन्न वनस्पति पदार्थों से उपचारित किया गया था। कप गुणवत्ता स्कोर से संकेत मिला है कि 100 मि.ली. अदरक अर्क युक्त कॉफ़ी के नमूनों ने उच्चतम कप स्कोर (71) प्राप्त किया है, इसके बाद 50 मि.ली. अदरक अर्क युक्त नमूना (68.25), नियंत्रण नमूना (66) और 50 मि.ली. पपीता अर्क युक्त नमूना (65.85) स्कोर किया है।

मानसून कॉफ़ी के नमूने में सूक्ष्मजीवी की गणना से संकेत मिलता है कि मानसून कॉफ़ी के नमूने में बैक्टीरिया की संख्या (71 सीएफयू x 10^6 प्रति ग्राम नमूना) अधिक है, इसके बाद का स्थान कवक (15.3 सीएफयू x 10^4 प्रति ग्राम नमूना) और एक्टिनोमाइसेटेस (15 सीएफयू x 10^3 प्रति ग्राम नमूना) को प्राप्त हैं।

शहद कॉफ़ी की गुणता विशेषताओं पर आधारभूत डेटा तैयार करने के लिए वर्ष के दौरान अध्ययन किया गया। अरेबिका (एसएलएन.9) और रोबस्टा (*सी x आर*) का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के शहद कॉफ़ी जैसे, सफेद शहद (अरेबिका को 20 घंटे तक और रोबस्टा को 48 घंटे तक किण्वित), पीला शहद (अरेबिका को 10 घंटे तक और रोबस्टा को 24 घंटे तक किण्वित), सुनहरे शहद (धूप में सुखाया हुआ), लाल शहद (अर्ध-छाया में सुखाया हुआ) और काला शहद (पूर्ण छाया में सुखाया हुआ) उत्पादित किया गया था। इनका तुष किया गया और कटाई पश्चात मापदंडों जैसे सुखाने के दिन,

उपज प्रतिशत, नमी की मात्रा और बीन ग्रेड प्रतिशत का डेटा दर्ज किया गया।

कॉफ़ी बागान से कॉफ़ी प्रसंस्करण अपशिष्ट (पार्चमेंट भूसा, चेरी भूसा) और फसल अवशिष्ट (उखड़े कॉफ़ी तना) के मूल्य वर्धन पर भी अध्ययन किया गया। नर्सरी में कॉफ़ी पौद के विकास पर बयोचार (चेरी की भूसी से विकसित) का प्रभाव के लिए परीक्षण किया गया था। अध्ययन का परिणाम ने बताया कि बेहतर पौद वृद्धि के लिए 3% की दर से बयोचार का अनुप्रयोग सर्वोत्तम है। इसके अलावा, कॉफ़ी नर्सरी रोगों जैसे कॉलर रॉट, कॉफ़ी लीफ स्पॉट और ब्राउन आई स्पॉट रोग पर बयोचार का प्रभाव से संकेत मिला कि 5% की दर से बयोचार का अनुप्रयोग रोग के आपतनों को कम किया है। इन प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिला कि बयोचार के अनुप्रयोग से कॉफ़ी पौदों की वृद्धि में सुधार हुआ और कॉफ़ी नर्सरी में विभिन्न रोगों को भी रोकथाम लगाया।

कॉफ़ी गुणता प्रभाग :

वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी के चाँदी छिलके के भौतिक-रासायनिक गुणों को जानने के लिए अध्ययन किया गया। अरेबिका की तुलना में रोबस्टा के चाँदी छिलके में कुल राख, पीएच, पानी में घुलनशील पदार्थ, पानी में घुलनशील राख, पानी में घुलनशील राख की क्षारीयता, प्रोटीन, कैफीन, मेलानोडोइन तत्व, अधिक पाए गए। अरेबिका (1.24%) और रोबस्टा (1.05%) के चाँदी छिलके में वसा की मात्रा अधिक थी। अरेबिका की तुलना में रोबस्टा के चाँदी छिलके में अधिक पॉलीफेनोल तत्व है। अध्ययन में यह भी पता चला कि अरेबिका के चाँदी छिलके में कुल 64% खाद्य फाइबर है, जिसमें से 9.58% घुलनशील खाद्य फाइबर है।

2022-23 के दौरान, भौतिक और कप गुणवत्ता मापदंडों के लिए कुल 1,525 कॉफ़ी नमूनों (846 लाभार्थियों से 1,175 वाणिज्यिक नमूने और 350 अनुसंधान नमूने) का मूल्यांकन किया गया है। विश्लेषिक प्रयोगशाला, बेंगलूरु में 48 कॉफ़ी क्यूरर्स/व्यापारियों से प्राप्त कुल 147 नमी मीटरों का अंशांकन किया गया और अंशांकन रिपोर्ट जारी की गई। इसके अलावा, 26 विभिन्न हितधारकों से प्राप्त 79 कॉफ़ी नमूनों का नमी तत्व, रासायनिक विश्लेषण और क्लोरोजेनिक अम्ल के लिए विश्लेषण किया गया। विश्लेषण रिपोर्ट जारी की गई।

पांच कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे 123 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। एक बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम नवंबर 2022 में आयोजित किया गया था और आठ हितधारकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिए।

कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 2021-22 के बैच में तेरह छात्रों ने पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जबकि 2022-23 के दौरान पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले 15 छात्रों ने पहली तिमाही पूरी कर ली है।

कॉफ़ी कार्यक्रम में मूल्य वर्धन के लिए 'आर एण्ड जी' इकाइयों को समर्थन प्रदान किए गए जिसके तहत, बाईस 'आर एण्ड जी' इकाइयों को सब्सिडी और समर्थन बढ़ाया गया था।

2022-23 के दौरान, भौगोलिक उपदर्शन प्राप्त सात कॉफ़ी के लिए अधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है।

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा 2022-23 के दौरान एक विशेष कप गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम, नो युवर कापी (केवाईके) का आयोजन किया गया था। कप गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों और उपजकर्ताओं से लगभग 1,702 कॉफ़ी के नमूने प्राप्त हुए, जिनमें अरेबिका का 664 और रोबस्टा का 1,038 नमूने शामिल थे।

(नेशनल बरिस्ता चैंपियनशिप (एनबीसी) का 20वां और 21वां संस्करण का आयोजन) स्पेशालिटी कॉफ़ी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई) और यूनाइटेड कॉफ़ी एसोसिएशन

ऑफ इंडिया (यूसीएआई) के सहयोग से और कॉफ़ी हितधारकों की संपूर्ण भागीदारी एवं समर्थन मे वर्ष 2022 और 2023 में बेंगलूरु में हुआ था।

2022-23 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने "डेमो प्लॉट की स्थापना और उपज में सुधार लाने के लिए सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों के प्रदर्शन" और "कॉफ़ी ग्रीन बीन की गुणवत्ता में सुधार और मूल्य वर्धन पर भारत में कॉफ़ी उपजकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण" नामक दो परियोजनाएं लागू की। इनका प्रायोजक फेयर ट्रेड एनएपीपी (एशिया और पैसिफिक प्रोड्यूसर्स नेटवर्क) थे। एक वर्ष के लिए परियोजना की कुल लागत 8.35 लाख रुपए थी। इसके तहत, फेयरट्रेड पार्टनर्स को समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

2022-23 के दौरान, सीसीआरआई और इसके क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान स्टेशनों पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2022-23 के दौरान सीसीआरआई में कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 2022-23 बैच की पहली तिमाही 21 नवंबर 2022 से 1 मार्च 2023 तक आयोजित की गई थी और 15 छात्रों ने पहली तिमाही सफलतापूर्वक पूरी की। कॉफ़ी की कृषि और फार्म प्रसंस्करण के विभिन्न पहलुओं पर सीसीआरआई में तीन वेबिनार और चार एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कुल 294 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान स्टेशन (आरसीआरएस), तांडीकुडी ने पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे 166 कॉफ़ी उपजकर्ता लाभान्वित हुए।

आरसीआरएस, दिफू, असम में कॉफ़ी की कृषि के विभिन्न पहलुओं पर आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे 97 कॉफ़ी रोपक लाभान्वित हुए।

आरसीआरएस, आर.वी.नगर, आंध्र प्रदेश में, कॉफ़ी रोपक और हितधारकों को लाभ पहुँचाने के लिए नौ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे 137 कॉफ़ी हितधारक लाभान्वित हुए।

*****

अध्याय V

विस्तार एवं विकास

1. परंपरागत क्षेत्र

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में तीन दक्षिणी राज्य यथा, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु शामिल हैं। परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी के कुल रोपित क्षेत्र 3,68,192 हेक्टेयर हैं, जो देश के कुल कॉफ़ी क्षेत्र 4,79,669.09 हेक्टेयर का 77% है। परंपरागत क्षेत्रों में जोतों की कुल संख्या 1,76,138 है, जो देश के कुल 4,22,669 जोतों का लगभग 41.67% है।

1.1. परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र

वर्ष 2022-23 के दौरान, तीन परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले राज्यों में कॉफ़ी के रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार हैं :

सारणी : परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10 हे.	>10 हे.	कुल
कर्नाटक	1,07,463	1,39,087	2,46,550	98,513	1,29,244	2,27,757	78,010	2,247	80,257
केरल	4,238	81,719	85,957	3,957	81,087	85,044	77,584	277	77,861
तमिलनाडु	29,413	6,272	35,685	27,830	5,962	33,792	17,675	345	18,020
परंपरागत क्षेत्र का कुल	1,41,114	2,27,078	**3,68,192**	**1,30,300**	**2,16,293**	**3,46,593**	**1,73,269**	**2,869**	**1,76,138**

1.2. वर्ष 2022-23 में मौसम परिस्थिति तथा फसल उत्पादन

वर्ष 2022 के दौरान, परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजाने वाले सभी क्षेत्रों में पुष्पण एवं समर्थन बौछार संतोषजनक थी। मौसम स्थिति सामान्य थी जिससे कॉफ़ी बागानों में नए निर्वृक्ष क्षेत्र स्थापित करने और मृदा की सामान्य नमी बचाने के लिए सहायता मिली। जहां भी उपजकर्ताओं के पास ऊपरी (ओवरहेड) सिंचाई की सुविधा थी, उन्होंने सुनिश्चित फसल लगने के लिए रोबस्टा को पुष्पण एवं समर्थन बौछार जैसी सिंचाई उपलब्ध कराया। जून 2022 के प्रथम सप्ताह के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून मंद रूप से प्रारंभ होकर जुलाई-सितंबर के महीनों में अपनी गति तेज किया। परिणामस्वरूप, अत्यधिक वर्षा से जल टंकियाँ एवं झरनें बह निकलें, बोरवेलों में अंतर्जल वृद्धि हुई। कुल मिलाकर इस मानसून में मृदा की नमीयता बनी रही और वानस्पतिक वृद्धि भी हुई। परंपरागत क्षेत्रों में वर्ष 2021-22 की संगत अवधि की तुलना में प्रस्तुत मानसून अवधि के दौरान सभी क्षेत्रों में सिवाय बोदिनायकनूरु (14% कम) बारिश लगभग 10% ज्यादा प्राप्त हुई थी। हालाँकि, जैसा कि पिछले वर्षों (यानी, 2018-19 एवं 2019-20) में बताया गया था, रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उतना अधिक फसल हानि, बाढ़ या भूस्खलन नहीं हुआ था।

उत्तर-पूर्वी मानसून अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े के दौरान शुरू हुआ तथा पूरे सीज़न में मध्यम से उच्च तेज़ हवा के साथ सक्रिय

रहा। इसके अलावा, दिसंबर महीने के दौरान हुई वर्षा के कारण कॉफ़ी की कटाई एवं प्रसंस्करण में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे कुछ हद तक गुणवत्ता में गिरावट आई। कुल मिलाकर, स्वस्थ पौधों व फसलों के लिए प्रचलित वर्ष 2022-23 की मौसमी परिस्थितियाँ अनुकूलतम रही।

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में 2022-23 सीज़न के लिए अंतिम फसल प्राक्कलन 3,39,145 मे.ट. रखा गया था जिसमें अरेबिका का 87,245 मे.ट. एवं रोबस्टा का 2,51,900 मे.ट. शामिल है। राज्यवार विवरण निम्नानुसार हैं:

सारणी : परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी उत्पादन का अंतिम प्राक्कलन (2022-23)

राज्य	उत्पादन प्राक्कलन (मे.ट.)		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल
कर्नाटक	72,020	1,76,000	2,48,020
केरल	1,975	70,450	72,425
तमिलनाडु	13,250	5,450	18,700
परंपरागत क्षेत्र का कुल	**87,245**	**2,51,900**	**3,39,145**

1.3 पीड़क एवं रोग

स्थानिक क्षेत्रों में अरेबिका का प्रमुख पीड़क सफेद तना छेदक का आपतन सामान्यतया कम से मध्यम स्तर तक था। कॉफ़ी उपजाने वाले अधिकांश क्षेत्रों में जहाँ उचित फाइटो सैनिटरी उपाय नहीं अपनाए गए, कटाई में देरी हुई, असामयिक वर्षा के कारण फल गिर गए, वहाँ भी कॉफ़ी बेरी बोरर का आपतन कम से मध्यम स्तर तक पाया गया।

रोबस्टा को ग्रसित करने वाले शॉट होल बोरर तथा चूषक पीड़क जैसे अन्य पीड़कों का आपतन सामान्यत: कम पाया गया। इसके अलावा, कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में, भीमकाय अफ्रिकन घोंघा (जीएएस) की संख्या कम पाई गई। पीड़क एवं रोग प्रबंधन के लिए आवश्यक उपायों को अपनाई गई।

रोगों में से अरेबिका का प्रमुख रोग, कॉफ़ी पर्ण किट्ट का आपतन निम्न से मध्यम स्तर तक था। ब्लैक रॉट, स्टॉक रॉट, पश्चमारी एवं जड़ रोगों का आपतन भी कम से मध्यम स्तर पर था।

1.4 विस्तार गतिविधियाँ

अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन विस्तार कार्यालय कार्य करते हैं। अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड ने विकास समर्थन स्कीमों के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करते है। संयुक्त निदेशक (विस्तार), हासन ने कर्नाटक के चार उप निदेशक (विस्तार), सात वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तार/ विकास गतिविधियों का पर्यवेक्षण करते है। संयुक्त निदेशक (विस्तार), कल्पेट्टा ने केरल एवं तमिलनाडु के दो उप निदेशक (विस्तार),आठ वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तार गतिविधियों का पर्यवेक्षण करते हैं।

कॉफ़ी कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों पर ज्ञान एवं कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से तथा प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए कॉफ़ी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने कॉफ़ी उपजकर्ताओं के साथ निकट संपर्क स्थापित करना जारी रखें। सामान्यत: उपजकर्ताओं को एवं विशेषत: छोटे उपजकर्ताओं को कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता तथा गुणता सुधारने के लिए विकास समर्थन प्रदान करने के अलावा, प्रौद्योगिकी के अंतरण करने हेतु व्यक्ति एवं सामूहिक विभिन्न विस्तार पहुंच तथा साधनों को कार्य में लाया गया।

अवधि के दौरान, केंद्रित नियोजित दृष्टिकोण तथा कार्यान्वित गतिविधियों से संबंधी विधि निदर्शन का आयोजन के लिए मॉडेल एस्टेटों का चयन / कृषि प्रचालनों को प्रभावी ढ़ंग से निष्पादित करने के लिए कौशल सुधारने हेतु प्रक्षेत्रगत निदर्शन; मुद्रण/

इलेक्ट्रानिक/ सोशियल मीडिया के जरिए सलाह प्रदान करना; कॉफ़ी उपजकर्ताओं तथा कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल स्तरों को सुधारने के उद्देश्य से ग्राम स्तरीय समूह बैठकें, संगोष्ठियाँ एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सम्मिलित है।

विस्तार कार्मिकों ने फसलों का आवधिक मूल्यांकन, पीड़क एवं रोगों के आपतन का अनुवीक्षण एवं प्रबंधन, कॉफ़ी बीज का प्रापण एवं वितरण और प्राकृतिक विपदा के दौरान फसल हानि पर सर्वेक्षण जैसे गतिविधियों पर भी कार्य किए हैं।

वर्ष 2022-23 के दौरान क्रियान्वित विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (सं.)
1.	एस्टेट दौरा / कॉफ़ी कनेक्ट ऐप में प्रोफ़ाइलिंग के लिए एस्टेट का दौरा	27264
2.	मॉडल एस्टेटों का चयन	151
3.	क्षेत्र निदर्शन	1167
4.	ग्राम स्तरीय बैठकें	142
5.	संगोष्ठियाँ	5
6.	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों में कॉफ़ी की कृषि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	57
7.	सलाहकारी सेवा	
	क) मुद्रण मीडिया	63
	क) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (रेडियो परिचर्चा/ टी वी कार्यक्रम)	10
	ख) सोशियल मीडिया	929
8.	एक्सपोजर दौरा	15
9.	महिला मजदूर/उपजकर्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	12

1.5 . प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी)

उत्पादन तथा उत्पादकता को सुधारने के उद्देश्य से प्रत्येक टीईसी के लिए बनाई गई वार्षिक कार्य-योजना के अनुसार परंपरागत क्षेत्रों के विभिन्न कृषि जलवायवीय आँचलों में स्थित कॉफ़ी बोर्ड के दस प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों (टी.ई.सी.) ने कृषि प्रचालनों को यथासमय चालू रखा है। इन प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों ने क्षेत्र/स्थान विशिष्ट सस्यशास्त्रीय पैकेज पद्धतियों को अपनाने द्वारा विभिन्न पौधा सामग्रियों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र तथा बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में कार्यरत हैं।

सारणी : प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का विवरण (2022-23)

प्रौ.मू.कें. का नाम		कार्यारंभ वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
			अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
कर्नाटक												
1	अरसिनगुप्पे चिक्कमगलूरु	1980	6.50	0.00	6.50	6.00	0.00	6.00	3,752	0	625	0
2	हेस्गल, मूडिगेरे	1977	8.83	0.98	9.81	8.83	0.42	9.25	2,246	278	254	662
3	मठसागर सकलेशपुर	1959	5.23	1.25	6.48	4.53	1.25	5.78	2,819	1,455	622	1164
4	गोणिकोप्पल	1958	0.00	10.56	10.56	0.00	10.56	10.56	19	5,346	0	506
केरल												
1	कल्पेट्टा	1958	0.27	6.93	7.20	0.27	6.63	6.90	52	3,695	193	557
2	मानंतवाडी	1979	0.50	8.30	8.80	0.50	8.18	8.68	85	5,208	170	637
3	वाषावरा	1998	0.60	1.94	2.54	0.60	1.84	2.44	611	2,854	1018	1551
तमिलनाडु												
1	गुडलूरु	1985	2.13	3.44	5.57	1.36	2.40	3.76	873	1,948	642	812
2	बोडिनायकनूर	1983	5.65	0.00	5.65	3.18	0.00	3.18	1,400	0	440	0
3	येरकाड	1986	10.00	0.00	10.00	10.0	0.00	10.00	3,493	0	349	0

1.6 . परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी का विकास समर्थन

विकास समर्थन स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कॉफ़ी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने पंजीकरण, जाँच-पड़ताल, सब्सिडी आवेदन/दावों की प्रक्रिया और सब्सिडी वितरण का कार्य संभाले हैं। उत्पादन, उत्पादकता तथा कॉफ़ी गुणता को सुधारने हेतु पुनर्रोपण और जल आवर्धन एवं गुणता उन्नयन गतिविधियों के लिए परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजकर्ताओं को सब्सिडी बढ़ा दी गई थी।

सारणी : 2022-23 (एमटीएफ अवधि) के दौरान विकास समर्थन उपलब्धियाँ

क्र. सं.	घटक/कार्य	लाभार्थियों की सं./ एककों की सं.	लाभान्वित क्षेत्र (हे.में)
1.	पुनर्रोपण	1645	984.0
2.	जल आवर्धन	4519/4968	9011.4
3.	गुणता उन्नयन*	831/935	644.63

(*अ.जा./ अ.ज.जा. के उपजकर्ताओं के लिए)

2. गैर-परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) - (आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा)

आंध्र प्रदेश (एपी) एवं ओडिशा राज्यों में कॉफ़ी की कृषि के लिए उपयुक्त क्षेत्रों को पहचानते हुए कॉफ़ी बोर्ड ने वर्ष 1950 के शुरुआत में तकनीकी-व्यवहार्यता का सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट की सिफारिशों पर, आंध्र प्रदेश के वन विभाग ने 1961 में विशाखपट्टनम के एजेंसी क्षेत्रों में पहली बार वाणिज्यिक कॉफ़ी की खेती करने का प्रारंभ किया। बाद में, आंध्र प्रदेश वन विकास निगम लिमिटेड (ए.पी.एफ.डी.सी.) को इन बागानों का अनुरक्षण के लिए सपि दिया गया था। वर्ष 1976 में, एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आई.टी.डी.ए.) ने जनजातीय समूह में प्रचलित 'पोडू' या झूम खेती पद्धति को समाप्त करने हेतु विकास पहल के रूप में कॉफ़ी को वहाँ परिचित किया। गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी की खेतीबारी की संभाव्यता को समझकर कॉफ़ी बोर्ड ने IX वीं पंचवर्षीय योजना से आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा में कॉफ़ी विकास के लिए समर्थन प्रदान किया।

2.1. गैर-परंपरागत क्षेत्र में क्षेत्रों का वितरण:

आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र एवं जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार हैं:-

सारणी : गैर-परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

संपर्क क्षेत्र	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
आंध्र प्रदेश	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10हे	>10हे	कुल
मिनुमुलूरू	43488.41	1.02	**43489.43**	34387.41	1.02	**34388.43**	113132	2	**113134**
चिंतापल्ली (पूर्व व पश्चिम)	39270.23	234.17	**39504.40**	31887.60	234.17	**32121.77**	74024	3	**74027**
अरकूवैली	17969.06	0.00	**17969.06**	13649.06	0.00	**13649.06**	44114	1	**44115**
आंध्र प्रदेश का कुल	**100727.70**	**235.19**	**100962.89**	**79924.07**	**235.19**	**80159.26**	**231270**	**6**	**231276**
ओडिशा	4858.98	0.55	**4859.53**	4225.18	0.55	**4225.73**	5336	18	**5354**
छत्तीसगढ़ *	8.00	0	**8.00**	0	0	**0.00**	1	0	**1**
महा योग	**105594.68**	**235.74**	**105830.42**	**84149.25**	**235.74**	**84384.99**	**236607**	**24**	**236631**

* सीएचआरएस, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ (आईजीएयू, रायपुर) के अधीन दरभा ब्लॉक, बस्तर जिला, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2018-19 के दौरान कॉफ़ी की खेती शुरु की गई थी।

2.2. मौसम परिस्थिति और फसल उत्पादन

वर्ष 2022-23 के दौरान, आंध्र प्रदेश का मौसम कॉफ़ी के उत्पादन के लिए संतोषजनक व अनुकूलतम था। अप्रैल-मई 2022 के दौरान प्राप्त पुष्पण बौछार तथा उसके बाद हुई समर्थन बौछार से बेहतर पुष्पण एवं फल लगने लगे। जून 2022 में दक्षिण पश्चिम मानसून प्रारंभ हुआ और वह अक्टूबर 2022 तक सक्रिय था।

ओडिशा में, अप्रैल के दौरान हल्का सा बौछार से कलियों की आवाजाही शुरू हुई तथा बाद में मई 2022 के दौरान हुई वर्षा ने अधिकांश कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में पुष्पण तथा समर्थन

बौछार के रूप में काम किया। दक्षिण-पश्चिमी मानसून, जून 2022 के प्रथम पखवाड़े के दौरान शुरू हुआ तथा अक्टूबर 2021 के दूसरे पखवाड़े तक जारी रहा।

इन बौछारों से वानस्पतिक वृद्धि होने के साथ साथ मृदा की नमी स्थिति बनाए रखने में सहायता होती है जिससे अगले वर्ष के लिए कॉफ़ी बेरी के विकास, वानस्पतिक वृद्धि तथा फसलन काष्ठ में सुधार होता है। पूरे सीज़न में वर्षा का फैलाव संतोषजनक था।

संपूर्ण परिस्थिति को देखते हुए, 2022-23 सीजन का अंतिम फसल प्राक्कलन 12,730.33 मे.ट. है, जिसमें अरेबिका का 12,690.46 मे.ट. तथा रोबस्टा का 40 मे.ट. सम्मिलित है।

2.3. पीड़क एवं रोग

वर्ष 2022-23 के दौरान, आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा में पीड़कों व रोगों के अधिक पैमाने में फैलने का रिपोर्ट नहीं मिली। पीड़क एवं रोगों के प्रभावात्मक नियंत्रण के लिए कॉफ़ी उपजकर्ताओं को प्रबंधन पद्धतियों से अवगत कराने हेतु सभी संभाव्य माध्यमों द्वारा नियमित सलाहकारी सेवाएँ प्रदान की गई थी।

2.4. विस्तार गतिविधियाँ

आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा के विस्तार कर्मियों द्वारा कार्यान्वित विस्तार गतिविधियाँ, जनजाति प्रदेश की कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणता में सुधार लाने के लिए संपर्क स्थापना एवं कॉफ़ी जोतों में अनुवर्ती दौरे के जरिए प्रौद्योगिकी का अंतरण; क्षेत्र निदर्शन, समूह विचार-विमर्श का आयोजन, सलाहकारी पत्र जारी करना आदि पर केंद्रित थे।

वर्ष **2022-23** के दौरान गैर-परंपरागत क्षेत्रों में कार्यान्वित विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र. सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (सं.)
1	एस्टेट दौरा (सं.)	1827
2	विधि निदर्शन (सं.)	610
3	समूह बैठकें (सं.)	138
4	ग्राम स्तरीय कार्यशालाएँ	51
5	टीईसी में क्षमता निर्माण कार्यक्रम	28
6	एक्सपोजर विजिट	27
7	गुणता जागरूकता कार्यक्रम	53

2.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

गैर-परंपरागत क्षेत्र में दो प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं, एक मिनिमूलूरु (आंध्र प्रदेश) और दूसरा कोरापुट (ओडिशा) में है। ये दोनों निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में तथा गुणता बीज कॉफ़ी के लिए बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

प्रौ.मू.कें. का नाम		कार्यारंभ के वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
			अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
आंध्र प्रदेश												
1	प्रौ मू कें, मिनुमूलूर	1971	8.15	0.52	8.67	7.15	0.52	7.67	1328	458	186	881
2	प्रौ मू कें, कोरापुट	1978	9.992	0.55	10.54	9.992	0.55	10.54	6131	0	614	0

2.6. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

वर्ष 2004-05 के दौरान आंध्र प्रदेश के चिंतापल्ली में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स ने आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा के **जनजातीय उपजकर्ताओं** की कच्ची कॉफ़ी के प्रसंस्करण कार्य को जारी रखा। वर्ष 2022-23 में, 13,223 कि.ग्रा. कॉ. फी को प्रसंस्करित की गई।

2.7. गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम

वर्ष **2022-23** के दौरान, गैर परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) में कार्यान्वित विभिन्न सब्सिडी स्कीमों के अधीन प्रत्यक्ष उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं :-

सारणी : 2022-23 के दौरान, कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन उपलब्धियाँ

गतिविधियाँ	क्षेत्र/एकक
कॉफ़ी विस्तार क्षेत्र/समेकन (क्षेत्रफल हे. में)	2760 हे. / 6564
गुणता उन्नयन	
क) ड्राइंग यार्ड (इकाईयों की संख्या)	2286 / 2286
ख) बेबी पल्पर्स (घटकों की संख्या)	**500 / 500**
ईको प्रमाणन/ईको पल्पर्स/रोटरी ड्राइयर के समर्थन (घटकों की संख्या)	**3/ 4**
बाज़ार समर्थन (मात्रा-कि.लो. में)	**1,08,200**

3. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एन ई आर)

वर्ष 1953 में असम के कछार जिले में कॉफ़ी की खेती शुरु की गई थी। प्रारंभ में, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के निगमों/ विभागों द्वारा कॉफ़ी विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कॉफ़ी की कृषि को बढ़ावा मिलने पर कॉफ़ी बोर्ड ने, वर्ष 1982-1990 के दौरान व्यापक सर्वेक्षण किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में कॉफ़ी की कृषि हेतु उपयुक्त क्षेत्रों को पहचान लिया। तदनंतर, बोर्ड, IX वीं योजना अवधि (1997-2002) से कॉफ़ी का विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में प्रत्यक्ष रूप में जुड़ गया।

3.1. वितरण क्षेत्र

पूर्वोत्तर राज्यों में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या से संबंधित विवरण निम्नानुसार हैं :

सारणी : पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

क्र. सं.	संपर्क क्षेत्र/ राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
		अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10 हे.	>10 हे.	कुल
1	अरुणाचल प्रदेश	2.50	524.85	527.35	0.00	161.90	161.90	591	2	593
2	असम	307.38	206.17	513.55	137.38	88.10	225.48	1222	1	1223
3	मणिपुर	183.45	38.60	222.05	14.05	0.00	14.05	322	0	322
4	मेघालय	266.70	1008.02	1274.72	164.59	223.37	387.96	2588	0	2588
5	मिज़ोरम	1359.05	75.85	1434.90	374.22	13.90	388.12	2332	1	2333
6	नागालैंड	1157.65	181.90	1339.55	217.80	16.00	233.80	2188	0	2188
7	त्रिपुरा	140.35	194.20	334.55	119.20	20.00	139.20	653	0	653
	एन.ई.आर. का महा योग	3417.08	2229.59	**5646.67**	**1027.24**	**523.27**	**1550.51**	**9896**	**4**	**9900**

3.2. मौसम परिस्थिति एवं फसल उत्पादन

पूर्वोत्तर राज्यों में सामान्य जलवायु - लंबे दिन, अधिक वर्षा, दैनिक तापमान में परिवर्तन आदि विशिष्ट विशेषताओं के साथ अधिकांश उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्णकटिबंधीय है।

अप्रैल-जून के दौरान हुई बारिश से नए पौधों की लगना और मृदा में नमी का स्तर बनाए रखने के अलावा पुष्पण एवं समर्थन बौछार में सहायता मिली। जुलाई-सितंबर के दौरान प्रचलित मौसम बेरियों की वृद्धि तथा विकास के साथ-साथ नए अंकुरों निकलने के लिए अनुकूल था। अक्टूबर-दिसंबर के दौरान मौसम की स्थिति बेरीयों को परिपक्व बनाने फल बनने में सहायक होती है। हालाँकि, असम के हाफलोंग के पूरे दिमा हसाओ जिले में अप्रैल-जून में हुई अप्रत्याशित वर्षा के कारण गंभीर भूस्खलन हुआ और कॉफ़ी बागान भी नष्ट हो गए।

सीज़न 2022-23 के लिए अंतिम फसल प्राक्कलन 125 मे.ट. रखा गया था जिसमें अरेबिका का 65 मे.ट. तथा रोबस्टा का 60 मे.ट. सम्मिलित है।

3.3. पीड़क एवं रोग

कुछ स्थानों में सफेद तना छेदक एवं कॉफ़ी पर्ण किट्ट के हल्के आपतन के अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र के कॉफ़ी एस्टेटों में सामान्यत:, पीड़क एवं रोग का अधिक आपतन नहीं पाया गया।

3.4. विस्तार गतिविधियाँ :

विस्तार कर्मियों द्वारा कार्यान्वित विस्तार गतिविधियाँ, जनजाति प्रदेश की कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणता में सुधार लाने के लिए संपर्क स्थापना और कॉफ़ी जोतों में अनुवर्ती दौरे के जरिए प्रौद्योगिकी का अंतरण; क्षेत्र निदर्शन, समूह परिचर्चा, गुणता जागरूकता अभियान का आयोजन आदि पर केंद्रित थे।

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियां (सं.)
1	एस्टेट दौरा	3267
2	क्षेत्र प्रदर्शन	2591
3	समूह बैठकें/संगोष्ठियाँ	220
4	प्रौ.मू.कें. में क्षमता निर्माण कार्यक्रम	1
5	गुणता जागरुकता अभियान	39
6	प्रक्षेत्रगत प्रशिक्षण	68
7	अध्ययन दौरा - आंतरिक	15
8	पत्रकों के आपूर्ति	1691
9	सलाह पत्र	1661

3.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

पूर्वोत्तर क्षेत्र में चार प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं यथा, देवमाली (अरूणाचल प्रदेश), हाफलांग (एन.सी.हिल्स, असम), बुआलपुई (मिज़ोरम), तुलाकोणा (अगरतला, त्रिपुरा)। मिज़ोरम के बुआलपुई में स्थित प्रौ.मू.कें, कॉफ़ी बीज के उत्पादन केंद्र के साथ-साथ निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्र के रूप में सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

प्रौ.मू.कें. का नाम	कार्यारंभ के वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.) पुष्पणोत्तर		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
		अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
पूर्वोत्तर क्षेत्र											
देवमाली	1983	0	13.0	13.0	0	13.0	13.00	0	6000	0	462
हाफलांग	1980	2.98	6.62	9.60	2.08	4.40	6.48	500	2000	240	455
बुआलपुई	1988	10.5	0	10.5	8.40	0.00	8.40	2000	0	238	0
तुलाकोण	1986	0	8.40	8.40	0	8.00	8.00	0	1000	0	125

3.6. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन समर्थन

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी के उत्पादन एवं गुणता सुधारने के समग्र उद्देश्य से कॉफ़ी बोर्ड ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन कॉफ़ी का विस्तार, समेकन एवं गुणता प्रोन्नयन जैसे विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। वर्ष के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के लिए बढ़ाए गए समर्थन संबंधी प्रत्यक्ष उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया हैं :-

गतिविधियाँ	क्षेत्र / एकक
कॉफ़ी का विस्तार लाभार्थियों की संख्या/हेक्टेयर में	1845 / 952
कॉफ़ी का समेकन लाभार्थियों की संख्या/हेक्टेयर में	102 / 80.3
समूह नर्सरी सं./पौद	32 / 21,17,800
ड्राइंग यार्ड (इकाई)	169 / 169
जल आवर्धन	169 / 169

उपरोक्त गतिविधियों के लिए बढ़ाए गए वित्तीय समर्थन के अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी का विस्तार एवं समेकन कार्यों को सुविधा प्रदान करने के लिए समूह नर्सरियों के द्वारा कॉफ़ी पौदों तथा छाया वृक्ष के पौदों को उगाने के लिए और उनकी आपूर्ति के लिए भी समर्थन दिया है।

कॉफ़ी बोर्ड ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्पादित कॉफ़ी के संबंध में, जनजातीय उपजकर्ताओं से कच्ची कॉफ़ी के संग्रहण, प्रसंस्करण, परिवहन एवं उसके निपटान की लागत को पूरा करने हेतु आवश्यक वित्तीय समर्थन देना जारी रखा।

3.7. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा बुआलपुई में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स में मिज़ोरम और त्रिपुरा राज्यों के उपजकर्ताओं द्वारा पूलित कच्ची कॉफ़ी का प्रसंस्करण कार्य जारी रखा।

4. हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, कॉफ़ी उद्योग के हितधारकों के क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किए गए जिनका विवरण निम्नानुसार हैं :-

- कॉफ़ी बोर्ड के प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों में कॉफ़ी उपजकर्ताओं, एस्टेट कामगारों और पर्यवेक्षी स्टाफ को लाभ पहुँचाने हेतु कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर लगभग 1829 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।
- कृषि विश्वविद्यालय/ आई.सी.ए.आर. के कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से 256 महिला उपजकर्ताओं/कामगारों को लाभ पहुँचाने हेतु बाईस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आयोजन किया गया है।

*****

अध्याय-VI

बाज़ार विकास एवं संसाधन हेतु समर्थन

एक मज़बूत घरेलू कॉफ़ी बाज़ार में घरेलू कॉफ़ी उपभोग बढ़ाने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय मूल्य में घटाव के दौरान उपजकर्ताओं को, विशेषतया छोटे उपजकर्ताओं को बेहतर प्रतिलाभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से और मूल्य संवर्धन का अवसर प्रदान करने हेतु निम्नलिखित तीन घटक भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किए गए थे :

क) बाज़ार विकास
ख) मूल्य संवर्धन हेतु समर्थन

क) बाज़ार विकास

इस घटक के तीन उप-घटक हैं - यथा, (i) बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना; (ii) घरेलू कॉफ़ी प्रोन्नयन और (iii) छोटे उपजकर्ता समूह/स्वायं सहायता समूह/कॉफ़ी विपणन हेतु सहकारी समितियों को समर्थन।

(i) बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना

यह घटक, उपजकर्ताओं को वेब के माध्यम से बाज़ार प्रवृत्ति का विश्लेषण प्रदान करने और बाज़ार में उपजकर्ताओं को बेहतर मूल्य प्राप्त कराने हेतु बोर्ड के विस्तार नेटवर्क के जरिए उसका प्रचार-प्रसार कार्य पर केंद्रित है। बाज़ार आसूचना एकक द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों में से वार्षिक फसल प्राक्क्लन के द्वारा आपूर्ति प्राक्कलन, बाज़ार विश्लेषण, कॉफ़ी पर डेटाबेस का अनुरक्षण, घरेलू सूचकांक मूल्य रिपोर्ट, घरेलू उपभोग और मनोवृत्ति सर्वेक्षण के साथ-साथ आवधिक अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत करना भी सम्मिलित हैं।

घरेलू प्रोन्नयन

एक नियमित प्रोन्नयन गतिविधि के रूप में, कॉफ़ी बोर्ड पेय एवं खाद्य केंद्रित प्रदर्शनियों में भाग लेता है जो देश के विभिन्न भागों में आयोजित की जाती है। प्रदर्शनियों के दौरान, बोर्ड कॉफ़ी बनाने के तरीकों का प्रदर्शन करता है/निदर्शन देता है, कॉफ़ी के प्रकार, क्षेत्रों, विभिन्न कॉफ़ी उत्पादक क्षेत्रों की विशेषताओं और भारतीय कॉफ़ी को प्रदर्शित करता है, कॉफ़ी पीने के फायदों पर साहित्य वितरित करता है। प्रदर्शनियों के दौरान आगंतुकों को शुद्ध कॉफ़ी परोसी जाती है तथा प्रतिभागियों को शुद्ध कॉफ़ी पाउडर खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

उदारीकरण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में कैफे स्थापित करना शुरू कर दिया। व्यवसाय में वृद्धि को देखने के बाद, घरेलू कंपनियों ने भी बाज़ार में कैफे स्थापित किए। इसने अंतरराष्ट्रीय कॉफ़ी श्रृंखलाओं के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को कॉफ़ी के स्वाद और अनुभवों की एक पूरी नई दुनिया से परिचित कराया गया। इसके अतिरिक्त, मीडिया विकास यात्रा ने कैफे संस्कृति में भी मूल्य जोड़ा। कॉफ़ी हाउस, युवाओं तथा शहरी पेशेवरों के लिए आधुनिक हैंगआउट स्थल बन गए हैं, जो एक समकालीन और महानगरीय वातावरण का सृजन करता है। सोशल मीडिया के विकास ने भारतीय युवाओं को वैश्विक प्रवृत्तियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। भारत में कैफे संस्कृति के विकास को देखते हुए, घरेलू उपभोग को बढ़ावा देने तथा घरेलू बाजार के लाभ उठाने के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने मार्च 2023 के दौरान विशेष रूप से **आहार**, **नई दिल्ली** में इंडिया कॉफ़ी पवेलियन में अन्य हितधारकों के साथ सामूहिक रूप से भाग ली है। वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी बोर्ड ने पूरी तरह से 26 कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनमें से 20 कार्यक्रमों में सामग्री का प्रदर्शन किया गया जबकि अन्य 6 कार्यक्रमों में तरल कॉफ़ी परोसी गई।

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्न घरेलू कार्यक्रमों में सहभागिता

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम तथा विवरण	अवधि	अभ्युक्तियाँ
01	8वां औद्योगिक मेला (उद्यम 2022), गुवाहाटी, असम	22 से 25, अप्रैल 2022	आभासी प्लेटफार्म
02	छठी सरकारी एवं विकास प्रदर्शनी, भोपाल, मध्य प्रदेश	06 से 08, मई 2022	भौतिक कार्यक्रम
03	होटल टेक, कोषिकोड, केरल	20 से 22 मई 2022	भौतिक कार्यक्रम
04	13वां कृषि मेला 2022, ओडिशा	20 से 24 जून 2022	भौतिक कार्यक्रम
05	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राजभवन, मुंबई	21 जून 2022	भौतिक कार्यक्रम
06	द्वितीय उत्तर-पूर्व भारत क्रेता-विक्रेता बैठक, गुवाहाटी	28 जुलाई 2022	भौतिक कार्यक्रम
07	जीवन जूस महोत्सव, गुवाहाटी	27 से 31 अगस्त 2022	भौतिक कार्यक्रम
08	भारत जी.आई. मेला, नई दिल्ली	26 से 28, अगस्त 2022	भौतिक कार्यक्रम
09	25वां संस्करण सी.आई.आई., चंडीगढ़	14 से 17, अक्टूबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
10	विज़न राजस्थान 2022, सिरोही	01 से 03, नवंबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
11	कॉफ़ी संथे, बैंगलूरु	27 से 29, अक्टूबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
12	इन्वेस्ट कर्नाटक 2022, बैंगलूरु	02 से 04, नवंबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
13	कूर्ग कॉफ़ी फेस्टिवल, मडिकेरी	11 से 12, दिसंबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
14	टी एण्ड कॉफ़ी वर्ल्ड एक्सपो, मुंबई	07 से 09, दिसंबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
15	ओनाटुकारा एग्री फेस्ट, अलापुषा, केरल	27 से 31, दिसंबर 2022	भौतिक कार्यक्रम
16	उत्तर-पूर्व कृषि कुंभ 2023, शिलांग, मेघालय	5 से 6, जनवरी 2023	भौतिक कार्यक्रम
17	इंटरनैशनल डेयरी एण्ड बिवरेजस एक्सपो, हैदराबाद	03 से 05, फरवरी 2023	भौतिक कार्यक्रम
18	एनबीसी 2023, बेंगलूरु	18 से 19, फरवरी 2023	भौतिक कार्यक्रम
19	अल्लुरिंग राजस्थान, उदयपुर	22 से 25, फरवरी 2023	भौतिक कार्यक्रम
20	आहार, नई दिल्ली	14 से 18, मार्च 2023	भौतिक कार्यक्रम

कॉफ़ी सेवा

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम तथा विवरण	अवधि
01	पुष्प प्रदर्शनी, कोडाइकनाल	24-29 मई 2022
02	कॉफ़ी विज़न 2030, सकलेशपुर	30 जून 2022
03	कॉफ़ी विज़न 2030, बेलूर	1 अक्टूबर 2022
04	के.पी.ए, मडिकेरी	12 नवंबर 2022
05	उपासी (यूपीएएसआई), कून्नूर	19-20 नवंबर 2022
06	राष्ट्रीय बागवानी मेला 2023, आई.आई.एच.आर, बेंगलूरु	22-24 फरवरी 2023

कॉफ़ी बोर्ड ने इंडिया कॉफ़ी हाउसस तथा इंडिया कॉफ़ी डिपोस के माध्यम से देश के अनेक स्थानों में शुद्ध एवं उच्च गुणता की भारतीय कॉफ़ी की बिक्री के द्वारा कॉफ़ी का उपभोग बढ़ाने की दिशा में प्रयास जारी रखा। वर्तमान में, देशभर ऐसा 09 एकक कार्य कर रहे हैं।

काफ़ी गुणता प्रभाग के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अच्छी गुणवत्ता वाली कॉफ़ी बनाने हेतु कॉफ़ी के रोस्टिंग, ग्राइंडिंग, ब्रूइंग व पैकेजिंग में नवीनतम प्रौद्योगिकियों तथा प्रवृत्तियों बारे में जागरूकता पैदा करना है। वर्ष 2022-23 के दौरान, मुख्य कार्यालय में कुल 05 कार्यक्रमों को आयोजित किए गए जिनमें 123 प्रतिभागियों ने भाग लिए। विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	स्थान	विवरण	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु	23 से 27 मई 2022	26
2.	मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु	11 से 15 जुलाई 2022	20
3.	मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु	19 से 23 सितंबर 2022	27
4.	मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु	14 से 18 नवंबर 2022	23
5.	मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु	16 से 20 जनवरी 2023	27
		कुल	**123**

2. बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा शुरू किया गया बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम - कॉफ़ी बनाने एवं कैफे प्रबंधन में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अपने बरिस्ता कौशल में सुधार करने हेतु एक बेहतर प्रशिक्षण मंच बन रहा है। वर्ष 2022-23 के दौरान, 21 से 25 नवंबर 2022 तक मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 08 प्रतिभागियों ने भाग लिए थे।

3. कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.क्यू.एम.)

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा प्रस्तावित एक वर्षीय कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.क्यू.एम.) पाठ्यक्रम में पंद्रह छात्र प्रवेश पाए गए हैं। वर्ष 2022-23 बैच में प्रवेश पाए प्रशिक्षार्थियों ने केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूरु, में अपनी प्रथम त्रैमासिक ट्रैमिस्टर का अध्ययन पूरी कर ली है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, कॉफ़ी गुणता प्रभाग, बेंगलूरु में अपनी दूसरी त्रैमासिक ट्रैमिस्टर की पढ़ाई कर रहे हैं।

4. नो युवर कापी (के.वाई.के.) - एक विशेष कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम

भारतीय कॉफ़ी बोर्ड ने "नो युवर कापी (के.वाई.के.)" नामक एक विशेष कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उपजकर्ताओं को उनकी कॉफ़ी गुणता की जटिलताओं को समझने तथा गहराई से जानने में सहायता करना है। नो यवुर कापी कप गुणता मूल्यांकन अभियान के तहत मूल्यांकन के लिए देश भर के उपजकर्ताओं से कुल 1702 नमूने प्राप्त हुए, जिनमें 664 अरेबिका एवं 1038 रोबस्टा कॉफ़ी के नमूने शामिल थे। संवेदी विशेषज्ञों के एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा के.वाई.के. नमूनों का मूल्यांकन जारी है।

मूल्य वर्धन हेतु समर्थन

मूल्य वर्धन की दिशा में एक कदम

विश्वा कॉफ़ी की श्रृंखला में, कॉफ़ी के अर्थव्यवस्था का 40% मात्र उत्पादक देशों का है जबकि शेष 60% उपभोक्ता देशों का हैं। पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता देशों ने कॉफ़ी का प्रसंस्करण, विनिर्माण और अंतिम उत्पाद के रूप में विपणन की क्षमता को सुधारे हैं। कॉफ़ी की मूल्य श्रृंखला और बाज़ार के निरंतर विकास के लिए रोस्टिंग, ग्राइंडिंग तथा पैकेजिंग क्षेत्रों में नवीनतम प्रौद्योगिकियों को स्वीकार करना अत्यावश्यक है। घरेलू बाज़ार में काफ़ी का प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन क्षेत्र में भी विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के माध्यम से रोजगार सृजन के पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा। कॉफ़ी रोस्टिंग, ग्राइंडिंग तथा पैकेजिंग के क्षेत्रों में नवीतनम प्रौद्योगिकियों के लिए घनिष्ठ पूँजी अपेक्षित होने के कारण छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमईएस) में कॉफ़ी के मूल्य वर्धन गतिविधियों पर अवरोध डालता है। अत:, उत्तम गुणता के कॉफ़ी पाउडर की तैयारी एवं पैकेजिंग के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी प्राप्त करने हेतु उद्यमियों को समुचित समर्थन देना आवश्यक पाया जाता है।

XIIवीं योजना एमटीएफ स्कीम के घटक 10 - मूल्य वर्धन हेतु समर्थन के अधीन कॉफ़ी बोर्ड ने सब्सिडी देते हुए 'आर एण्ड जी' एककों को समर्थन प्रदान किया है। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य है कि कॉफ़ी के रोस्टिंग, ग्राइंडिंग व पैकेजिंग के क्षेत्र में उन्नात प्रौद्योगिकियों को परिचित कराने द्वारा कॉफ़ी उत्पाद की गुणता का वर्धन तथा मूल्य वर्धन प्राप्त करना है जिससे कॉफ़ी क्षेत्र में घरेलू कॉफ़ी के उपभोग एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा। कॉफ़ी रोस्टिंग एककों को स्थापित करने में इच्छुक प्रत्येक एकक, साझेदारी फर्म, स्वयं सहायता समूह (एस एच जी)/उपजकर्ता समूहों के लिए समर्थन बढ़ाया जा रहा है।

सब्सिडी के लिए पात्र घटक

i) रोस्टिंग एकक, 1 कि.ग्रा. से <10 कि.ग्रा./बैच के उच्च गुणता वाले रोस्टिंग एकक तथा 25 कि.ग्रा. से कम क्षमता रखने वाले छोटे रोस्टिंग एकक, 10 लाख रुपयों की अधिकतम सीमा के साथ मशीनरी लागत के 40% की सब्सिडी सहायता के लिए पात्र हैं।

ii) स्व.स.स., महिला उद्यमी, अ.जा./अ.ज.जा, अल्प संख्यक एवं दिव्यांगि लाभार्थी, 10 लाख रुपयों की अधिकतम सीमा के साथ मशीनरी लागत के 50% की सब्सिडी सहायता के लिए पात्र हैं।

उच्च गुणवत्ता रोस्टर एककों को समर्थन प्रदान करने से कम मात्रा में विशेष ब्लेंडों के रोस्टिंग करने के लिए मददगार होगा। कॉफ़ी पीनेवाले गैर-परंपरागत क्षेत्रों में इस उद्यम को अपनाने से

अत्यधिक संख्या के छोटे उद्यमी/नए उद्यमियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

नए एकक

सब्सिडी के लिए निम्नलिखित किसी भी संयोजन में रोस्टिंग, ग्रांइंडिंग तथा पैकेजिंग मशीनरी पात्र हैं।

क) रोस्टिंग मशीन, ग्राइंडिंग मशीन एवं पैकेजिंग मशीन

ख) रोस्टिंग मशीन एवं पैकेजिंग मशीन

ग) ग्राइंडिंग मशीन एवं पैकेजिंग मशीन

वर्ष के दौरान, इस घटक के अधीन 22 एककों को सब्सिडी प्रदान किया गया था।

*****

अध्याय VII

निर्यात प्रोन्नयन

कॉफ़ी का निर्यात

निर्यातक पंजीकरण एवं नवीनीकरण

31 मार्च 2023 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड में पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 1,911 थी, जबकि 31 मार्च 2022 को यथास्थिति यह 1,604 थी। इसमें, वर्ष 2022-23 के दौरान बने 193 नए पंजीकरण तथा 114 पंजीकरणों के नवीनीकरण सम्मिलित हैं।

निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र

कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी अधिनियम की धारा 20 के अधीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी करता है। लंदन के अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन समझौता 2007, के अनुच्छेद 33 के अनुसार, कॉफ़ी बोर्ड भी कॉफ़ी के पंजीकृत निर्यातकों को कॉफ़ी के निर्यात के लिए अंतराष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन मूल प्रमाणपत्र जारी करता है।

निर्यात: ई-परमिट सिस्टम

www.coffeeboard.gov.in/permit पर ऑनलाइन आवेदन-पत्र फाइल करने पर निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं। सभी पंजीकृत निर्यातकों को प्रयोगकर्ता आई डी एवं पासवर्ड देते हुए भारतीय एवं पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों के लिए निर्यात परमिट का ऑनलाइन फाइल करने एवं निर्यात की पुष्टि की विवरणी प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की गई है। वर्ष 2022-23 में कुल 12,470 निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र कॉफ़ी के 305 पंजीकृत निर्यातकों को जारी किए गए हैं, जबकि वर्ष 2021-22 के दौरान 13,258 निर्यात परमिट जारी किए गए थे। कुल 12,470 परमिट में से, 10,400 परमिट भारतीय मूल के कॉफ़ी के निर्यात के लिए जारी किए गए थे और 2,070 परमिट मूल्य वर्धन के बाद आयातित कॉफ़ी के पुनर्निर्यात के लिए जारी किए गए थे।

निर्यातकों के साथ संवाद

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी निर्यातक तथा निर्यातक संघ/स्पेशाल्टी कॉफ़ी संघ तथा लाइन विभागों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में निर्यात प्रोन्नयन योजनाएँ, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों, व्यापार मेलों में सहभागिता, गुणता संबंधी मामले, वित्तीय सहायता आदि से संबंधित कई हितधारकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किए गए। सभी संगत मुद्दों को समुचित मध्यस्थता एवं समर्थन हेतु मंत्रालय तथा लाइन विभागों में प्रस्तुत किया गया।

रिपोर्ट एवं विवरणियाँ

निर्यातक समुदाय को, उनकी गतिविधियों में सहायता कर उन्हें जानकारी देने के अलावा, कॉफ़ी निर्यात पर आवधिक रिपार्ट एवं विवरणी तैयार कर मंत्रालय तथा अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को भेजी गई हैं। अवधि के दौरान, भेजी गई प्रमुख रिपोर्ट एवं विवरणियां निम्नानुसार हैं :-

क) निर्यात निष्पादन पर दैनिक रिपोर्ट

ख) मंत्रालय को मासिक रिपोर्ट

ग) कॉफ़ी के प्राथमिक निर्यात पर गंतव्य-स्थान के अनुसार मूल्य एवं अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) को पुस्तक रुप में मासिक रिपोर्ट

घ) भारत से निर्यातित कॉफ़ी के लिए आईसीओ मूल प्रमाणपत्र के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को मासिक आधार पर सांख्यिकीय आँकड़ों का प्रेषण

उपरोक्त रिपोर्टों के अलावा, निर्यातक-वार, देश-वार, प्रकार एवं श्रेणिवार रिपोर्ट निर्यात पर तैयार की गई है।

कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) के कॉफ़ी गुणता सुधार कार्यक्रम के अनुसार बोर्ड द्वारा पहचाने गए निर्यात योग्य कॉफ़ी के प्रकार तथा श्रेणियों (संकल्प संख्या 420 तथा मॉनसूनीकृत कॉफ़ी के वर्तमान मानकों में संशोधन के बाद परिचालित पत्र सं. मार्च/निर्यात/33.बी/2010-11/790 दिनांक 18/08/2010 देखें।) का विवरण निम्नानुसार हैं :-

कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

प्रकार	प्रीमियम श्रेणी	वाणिज्यिक श्रेणी	स्पेशाल्टी कॉफ़ी
हरी कॉफ़ी अरेबिका पार्चमेंट (प्लांटेशन) (धुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड ए ए	पीबी, ए,बी,सीड बल्क	मैसूर नग्गेट्स ई.बी
अरेबिका चेरी (अनधुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड एए, ए.	पीबी, एबी., सी** बल्क***	मानसून्ड मलबार-एएए मानसून्ड मलबार-एए मानसूसून्ड मलबार-ए मानसून्ड मलबार अरेबिका ट्रियेज#
रोबस्टा पार्चमेंट (धुली रोबस्टा)	पीबी बोल्ड, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क	रोबस्टा कापी रोयाल
रोबस्टा चेरी (अनधुली रोबस्टा)	पी बी बोल्ड एएए, एए, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क, क्लीन बल्क	मानसूसून्ड मलबार रोबस्टा- एए मानसून्ड मलबार रोबस्टा ट्रियेज#
विविध श्रेणी लाइबेरिया एक्सेलशिया		बल्क ## बल्क ##	
इंस्टेंट कॉफ़ी			
रोस्टेड कॉफ़ी बीज			
रोस्टेड एवं ग्राउंड कॉफ़ी			

* आईसीओ संकल्प 407/420 के पाद टिप्पणी में दिए गए समतुल्य का विवरण में सूचित किए अनुसार, प्लांटेशन-सी इसके लिए अपवाद है

** अरेबिका चेरी 'सी' - ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो

*** अरेबिका चेरी बल्क में 10% से कम ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स हो

मानसून्ड अरेबिका ट्रिएज व मानसून्ड रोबस्टा ट्रिएज ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो

रोबस्टा के समान दोष माना जाना

टिप्पणी: मानसून्ड कॉफ़ी के लिए नमी स्तर 13.0-14.5% है

कॉफ़ी के निर्यात

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा जारी की गई निर्यात परमिट के आधार पर वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत के कॉफ़ी निर्यात 1120 मिलियन अमरीकी डालर का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया जबकि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 1088 मिलियन अमरीकी डालर था। वर्ष 2022-23 के दौरान, 3,96,386 मे.ट. की कॉफ़ी (98,057 मे.ट. के पुनर्निर्यात को शामिल कर) के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए हैं जिसका मूल्य प्रति मे.ट. ₹2,99,301 रुपयों की इकाई मूल्य के हिसाब ₹8,985 करोड़ हैं जो 1,120 मिलियन अमेरिकन डॉलर के समतुल्य है। वर्ष 2021-22 के दौरान, 4,16,247 मे.ट. की कॉफ़ी (93,972 मे.ट. के पुनर्निर्यात को शामिल कर) के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए है जिसका मूल्य प्रति मे.ट.**₹2,46,464** रुपयों की इकाई मूल्य के हिसाब ₹7,700 करोड़ थे जो 1,033 मिलियन अमेरिकन डॉलर के समतुल्य था। वर्ष 2022-23 के दौरान, निर्यात के लिए 118 देशों को निर्यात परमिट जारी किए गए हैं जबकि पिछले वर्ष 123 देशों को निर्यात परमिट जारी किए गए थे, जिनमें से इटली, जर्मनी, रुस संघ, बेल्जियम एवं तुर्की 5 अग्रणी आयातक देश थे।

वर्ष 2022-23* में निर्यातित कॉफ़ी के प्रकार (अनंतिम)

कॉफ़ी के प्रकार	मात्रा टन में* (जीबीई)	कुल निर्यात का प्रतिशत
अरेबिका पार्चमेंट	36391	9.18%
अरेबिका चेरी	7799	1.97%
रोबस्टा पार्चमेंट	29434	7.43%
रोबस्टा चेरी	182255	45.97%
रोस्टेड कॉफ़ी बीन्स	102	0.03%
रोस्टेड व ग्राउंड कॉफ़ी	313	0.08%
इंस्टंट/घुलनशील कॉफ़ी	140092	35.34%
कुल	**396386**	**100.00**

टिप्पणी - जीबीई - ग्रीन बीन के समतुल्य में मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी के प्रकार के अनुसार निर्यात का % शेयर

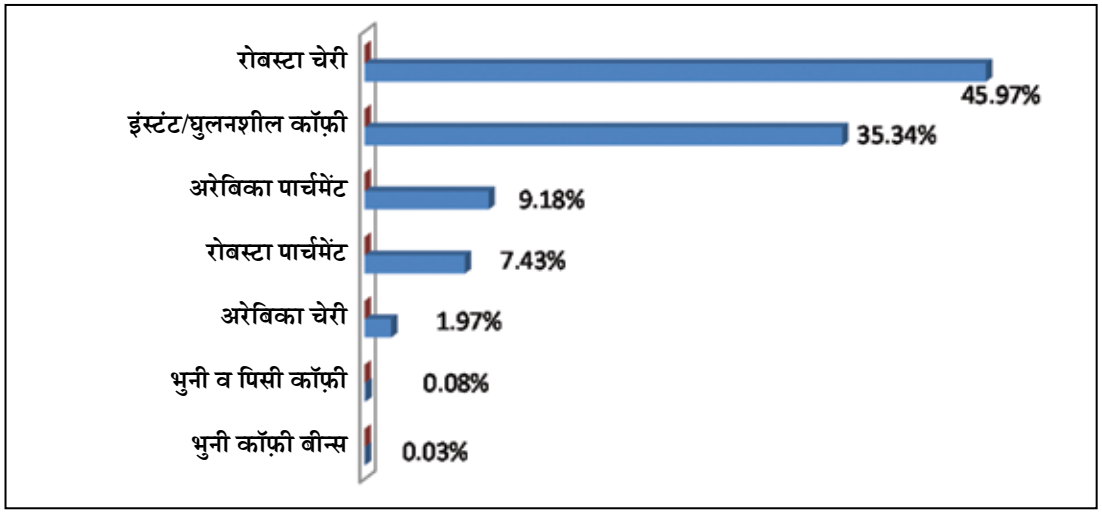

टिप्पणी - जीबीई - ग्रीन बीन के समतुल्य में मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

2022-23 में सर्वकालिक उच्च निर्यात रिकार्ड

2022-23 के दौरान, कॉफ़ी निर्यात लगातार दूसरे वित्तीय वर्ष में 1146 मिलियन अमेरिकी डॉलर (निर्यात /NIRYAT के अनुसार) के साथ एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है, जबकि सरकार ने 1088 मिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया था, जो मूल्य प्राप्ति के मामले में अब तक का उच्चतम स्तर है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कॉफ़ी निर्यात में वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 13% की वृद्धि हुई है (NIRYAT के अनुसार 1016 मिलियन अमेरिकी डॉलर)।

वर्ष 2022-23* के दौरान कॉफ़ी के निर्यातों का श्रेणिवार विवरण
(भारतीय व पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों)

क्र. सं.	श्रेणी	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)	इकाई मूल्य (₹/टन)	इकाई मूल्य $/टन
1	अरेबिका चेरी - ए	60	185.92	2.27	310441	3790
2	अरेबिका चेरी - एए	257	892.06	10.93	346470	4245
3	अरेबिका चेरी - एबी	1654	4936.32	61.25	298497	3704
4	अरेबिका चेरी - बल्क	73	357.3	4.48	488702	6128
5	अरेबिका चेरी - सी	368	1013.98	12.59	275421	3420
6	अरेबिका चेरी - पीबी	173	505.83	6.47	292827	3746
7	इंस्टंट कॉफ़ी	140092	303505.24	3771.88	216647	2692
8	लिबेरिया बल्क	226	548.72	6.87	243259	3046
9	मानसून्ड मलबार अरेबिका - एएए	54	261.66	3.21	484556	5944
10	मानसून्ड मलबार अरेबिका ट्रिएज	13	26.32	0.34	210560	2720
11	मानसून्ड मलबार अरेबिका- ए	284	1220.43	15.18	430259	5352
12	मानसून्ड मलबार अरेबिका- एए	4864	21503.1	266.93	442122	5488
13	मानसून्ड मलबार रोबस्टा- एए	1787	4478.51	56.19	250588	3144
14	मैसूर नग्गेट्स - ईबी	3664	15859.46	197.86	432880	5401
15	प्लांटेशन - ए	12263	51478.62	642.46	419785	5239
16	प्लांटेशन - एए	8490	35990.4	448.89	423894	5287
17	प्लांटेशन - बी	6826	26997.13	338.05	395515	4953
18	प्लांटेशन - बल्क	2197	10682.12	133.26	486235	6066
19	प्लांटेशन - सी	2489	9655.11	122.36	387882	4916
20	प्लांटेशन - पीबी	461	1731.56	21.86	375211	4737
21	रोस्टेड व ग्राउंड कॉफ़ी	313	1308.53	16.21	418403	5183
22	रोस्टेड कॉफ़ी बीज	102	540.69	6.75	528090	6593
23	रोबस्टा चेरी एएए	10899	21874.18	271.8	200705	2494
24	रोबस्टा चेरी -ए	38747	71434.34	897.06	184361	2315
25	रोबस्टा चेरी -एए	33252	64942.2	807	195301	2427
26	रोबस्टा चेरी -एबी	69303	128540.38	1601.07	185475	2310

क्र. सं.	श्रेणी	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)	इकाई मूल्य (₹/टन)	इकाई मूल्य $/टन
27	रोबस्टा चेरी-बल्क	3076	5245.76	66.58	170523	2164
28	रोबस्टा चेरी - सी	787	1288.06	16.44	163750	2090
29	रोबस्टा चेरी - पीबी	7056	14176.25	176.42	200923	2500
30	रोबस्टा चेरी क्लीन बल्क	17103	29011.59	363.19	169627	2124
31	रोबस्टा चेरी -पीबी बोल्ड	19	33.56	0.44	174792	2292
32	रोबस्टा कापी रोयाल	8121	19301.73	241.44	237675	2973
33	रोबस्टा पार्चमेंट - ए	833	1940.49	24.78	232875	2974
34	रोबस्टा पार्चमेंट - एबी	11858	28446.36	356.6	239898	3007
35	रोबस्टा पार्चमेंट - सी	1097	2496.92	30.88	227645	2815
36	रोबस्टा पार्चमेंट - पीबी	1621	3461.73	43.21	213570	2666
37	रोबस्टा पार्चमेंट बल्क	5868	12535.09	157.9	213608	2691
38	रोबस्टा पार्चमेंट पीबी -बोल्ड	36	75.34	0.98	209278	2722
	कुल	**396386**	**898483**	**11202**	**299301**	**2826**

टिप्पणी - ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23* के दौरान कॉफ़ी निर्यात का देशवार विवरण
(भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों)

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
1	इटली	58276	115766.68	1448.99
2	जर्मनी	42792	97823.1	1227
3	रुस संघ	38664	90032.42	1118.11
4	बेल्जियम	27096	66332.83	833.93
5	तुर्की	19431	37270.08	462.37
6	संयुक्त अरब अमीरात	17833	39644.4	493.95
7	पोलैंड	16126	33476.47	413.83
8	जोर्डन	14087	40976.16	510.04
9	लिबिया	11840	24566.89	303.94
10	मलेशिया	10983	19129.05	237.41
11	यू.एस.ए	10081	27020.98	337.18
12	ग्रीक	6527	13806.14	172.8

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
13	इस्राएल	6438	13876.07	172.46
14	कुवैत	6364	22478.58	281.1
15	सउदी अरेबिया	6341	19590.22	242.08
16	यूनाईटेड किंगडम	5945	16292.07	202.05
17	आस्ट्रेलिया	5869	15545.14	193.76
18	दक्षिण कोरिया गणराज्य	5563	13190.49	165.14
19	इंडोनेशिया	5515	10431.21	130.72
20	स्लोवेनिया	5295	9741.44	120.37
21	स्पेन	5072	10297.42	129.05
22	मिस्र	4345	9622.36	119.5
23	वियतनाम	3896	6100.2	77.47
24	सिरिया	3735	7180.4	89.81
25	क्रोएशिया	3355	6078.4	75.29
26	स्विट्जरलैंड	2969	10559.95	131.73
27	बंगलादेश	2957	6419.61	80.25
28	ताइवान	2800	5041.39	62.76
29	लेबनन	2710	7006.9	87.74
30	ईरान इस्लामी गणराज्य	2532	4849.13	60.76
31	फ्रांस	2452	6261.66	77.75
32	नेदरलैंड्स	2418	6494.71	80.62
33	ईराख	1963	4309.79	53.31
34	यूक्रेन	1926	3785.57	46.74
35	पुर्तगल	1541	2854.99	35.71
36	मोंटेनेग्रो	1517	2685.58	33.12
37	म्यांमार	1429	2508.13	31.16
38	अलबेनिया	1410	2671.58	33.42
39	रोमानिया	1279	2500.23	31.19
40	जार्जिया	1279	2695.55	33.43
41	नेपाल	1178	4409.79	54.62
42	सेनेगल	1156	3295.84	40.8
43	कनाडा	1125	3287.22	40.99
44	मोरोक्को	1078	2159.88	26.47
45	टोगो	1032	3088.21	38.35
46	फ़िनलैंड	981	2265.8	27.65
47	घाना	968	2896.69	35.56

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
48	नाइगर	952	2234.96	27.28
49	बेनिन	923	2215.81	28.09
50	जापान	907	3170.17	39.41
51	नाइजीरिया	898	1737	21.67
52	बल्गेरिया	859	1525.5	19.09
53	लात्विया	806	1780.38	22.15
54	एस्टोनिया	750	1645.82	20.97
55	अरमेनिया	716	1740.98	21.45
56	कांगो	659	1794.22	22.27
57	सिंगपुर	573	1385.06	17.36
58	ओमन	543	1514.67	18.89
59	अलजीरिया	512	1164.14	14.26
60	कैमरुन	484	1078.7	13.3
61	गुयाना	481	1428.58	17.8
62	न्यूज़ीलैंड	458	1250.51	15.56
63	चीन जन गणराज्य	430	887.7	10.98
64	टुनीशिया	398	716.45	8.82
65	माली	389	745.05	9.28
66	उज्बेकिस्तान	321	661.42	8.22
67	तुर्कमेनिस्तान	296	717.4	8.9
68	कोसोवो	251	508.46	6.2
69	गैबॉन	244	698.45	8.61
70	मौरिटानिया	237	696.55	8.54
71	दक्षिण आफ्रिका	234	611.59	7.6
72	केन्या	228	374.7	4.66
73	कज़खस्तान	221	497.24	6.21
74	स्वीडन	211	1117.79	13.95
75	नोर्वे	187	807.76	10.24
76	चाड	174	404.95	5
77	श्रीलंका	170	421.76	5.25
78	सुडान	156	329.4	4
79	बुरकिना फासो	152	389.48	4.81
80	कतर	144	517.48	6.35
81	साइप्रस	132	251.15	3.18

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
82	आइवरी कोस्ट	101	249.4	3.19
83	बेलारूस	88	223.8	2.77
84	आयरलैंड	80	239.62	2.97
85	लिथुआनिया	77	186.45	2.31
86	आस्ट्रिया	67	221.14	2.74
87	बहरीन	66	202.01	2.49
88	पेरू	59	250.2	3.17
89	गांबिया	50	135.28	1.75
90	तजाकिस्तान	49	113.8	1.43
91	ओमान सल्तनत	44	156.01	1.9
92	अज़रबाइजान	40	76.98	0.96
93	भूतान	39	153.63	1.93
94	मेक्सिको	38	69.13	0.84
95	बोत्सवाना	30	55.81	0.7
96	अंगोला	28	58.31	0.73
97	मॉल्डोवा	26	87.09	1.09
98	सिएरा लियोने	26	63.31	0.77
99	चेक गणराज्य	24	59.91	0.72
100	स्वज़िलैंड	23	37.32	0.48
101	इक्वटोरियल गिनि	21	64.26	0.77
102	स्लोवाकिया	20	38.12	0.48
103	लुक्सेंबर्ग	19	100.35	1.26
104	फ्रेन्च पॉलीनेशिया	47	128.91	1.61
105	मैक्रोनेशिया	10	38.72	0.5
106	मध्य आफ्रिकन	10	31.4	0.38
107	मालडीव्स	9.08	34.69	0.43
108	फ़िजी	8.11	24.9	0.31
109	ट्रिनिडाड व टोबैगो	7.99	23.63	0.3
110	डेनमार्क	2.82	10.26	0.13
111	किर्गिस्तान	2.29	4.28	0.05
112	ब्रुनेई दारुस्सलेम	0.45	2	0.03
113	मडगास्कर	0.34	0.72	0.01
114	हांगकांग	0.33	1.69	0.02
115	सीशेल्स	0.14	0.42	0.01

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
116	कांबोडिया	0.10	0.53	0.01
117	पिलिपाइन्स	0.04	0.16	0
118	मॉरिशस	0.01	0.07	0
कुल		**396386**	**898483**	**11202**

टिप्पणी : ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23* के दौरान पुन-निर्यातित कॉफ़ी का देशवार विवरण

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
1	रूसी संघ	27901	64179.58	799.88
2	पोलैंड	10979	23105.1	285.17
3	मलेशिया	7118	11922.72	147.8
4	तुर्की	6080	11179.53	138.57
5	यू एस ए	5397	13342.67	168.08
6	इंडोनेशिया	4150	7978.89	99.87
7	संयुक्त अरब अमीरात	3484	6325.88	77.94
8	यूनाइटेड किंगडम	3415	8565.3	106.1
9	वियतनाम	2326	3683.43	46.42
10	बंगलादेश	2064	4808.12	60.21
11	ताइवान	1962	3357.04	41.87
12	इटली	1787	3431.09	42.59
13	जर्मनी	1615	2370.46	30.02
14	जोर्डान	1305	2117.1	26.09
15	स्विटज़रलडि	1257	3905.06	49.24
16	बेलजियम	900	1876.64	23.12
17	फिनलैंड	897	2048.29	24.95
18	नेदरलैंड्स	868	2209.81	27.33
19	टोगो	854	2444.56	30.32
20	यूक्रेन	771	1368.5	16.85
21	इस्राएल	748	1496.57	18.86
22	आस्ट्रेलिया	684	1798.48	22.32
23	साऊदी अरेबिया	664	1485.01	18.46
24	लेबेनान	661	1078.94	13.16

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
25	रोमानिया	607	1303.44	16.17
26	जार्जिया	583	1284.22	15.92
27	म्यांमार	487	903.86	11.26
28	जापान	478	1608.07	19.86
29	कांगो	473	1274.11	15.74
30	बेनिन	457	1085.19	14.01
31	इराख़	443	1017.72	12.66
32	सेनगल	412	1308.72	15.98
33	नाइजीरिया	370	702.33	8.85
34	गिनि	354	1071.28	13.46
35	एस्तोनिया	315	766.87	10.12
36	अरमेनिया	311	751.69	9.23
37	घाना	293	806.56	9.89
38	स्पेन	291	655.87	8.5
39	कोरिया जन गणराज्य - दक्षिण	268	556.58	6.97
40	चीन जन गणराज्य	250	469.93	5.8
41	फ्रांस	247	527.55	6.54
42	कैमरुन	241	491.69	6.06
43	केन्या	228	374.7	4.66
44	माली	228	452.74	5.66
45	लिबिया	218	746.37	9.81
46	टुनीशिया	176	365.27	4.51
47	लात्विया	174	461.42	5.72
48	सिरिया	173	320.13	4.04
49	कज़ाखस्तान	167	358.01	4.45
50	सिंगपुर	145	280.41	3.56
51	मौरिटानिया	144	492.28	6.02
52	स्लोवेनिया	140	183.36	2.3
53	नाइगर	131	296.8	3.68
54	बल्गेरिया	120	258.52	3.17
55	आईवरी कोस्ट	93	234.39	2.99
56	दक्षिण अफ्रीका	85	212.27	2.69
57	गाबोन	83	228.91	2.89
58	सायप्रस	75	142.41	1.76
59	उज्बेकिस्तान	75	151.35	1.85
60	तुर्कमेनिस्तान	69	150.85	1.83
61	आस्ट्रिया	67	221.14	2.74
62	न्यूज़ीलैंड	64	169.01	2.13
63	बुरकिना फासो	63	202.97	2.54

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
64	पेरु	59	250.2	3.17
65	तजाकिस्तान	49	113.8	1.43
66	अज़रबाइजान	40	76.98	0.96
67	मेक्सिको	37	67.61	0.82
68	मिस्र	37	83.22	1.02
69	कोसोवा	37	72.03	0.88
70	अल्जीरिया	36	102.21	1.29
71	क्रोएशिया	33	63.58	0.8
72	श्रीलंका	30	55.94	0.69
73	बोत्सवाना	30	55.81	0.7
74	ग्रीस	25	63.3	0.77
75	अंगोला	24	47.26	0.59
76	नेपाल	22	81.41	1
77	बेलारूस	21	61.02	0.75
78	चेक गणराज्य	20	35.58	0.43
79	आयरलैंड	19	69.29	0.84
80	चाड	17	51.21	0.64
81	मध्य अफ्रीकन	10	31.4	0.38
82	इक्विटोरियल गिनिया	10	32.82	0.41
83	फ़िजी	8	24.9	0.31
84	ट्रिनिडाड व टोबैगो	8	23.63	0.3
85	भूटान	3	7	0.09
कुल		**98057**	**210437.96**	**2620**

टिप्पणी : ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23* के दौरान 10 अग्रणी निर्यातक
[भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों]

क्र.सं.	निर्यातक का नाम	मात्रा (टनों में)	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
1	सीसीएल प्रोडक्टस् इंडिया लिमिटेड	42013	102625.44	1277.96
2	सक्डेन कॉफ़ी इंडिया प्राइवट लिमिटेड	27861	54516.85	684.1
3	एनकेजी इंडिया कॉफ़ी प्राइवट लिमिटेड	27821	54418.97	677.07
4	विद्या हर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड	27651	59145.58	736
5	टाटा कॉफ़ी लिमिटेड	26563	65075.23	809.97
6	अल्लानासन्स प्राइवेट लिमिटेड	25117	66053.49	822.05
7	लुइस ड्रेफस कंपनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	21947	50985.81	637.84
8	ओलम फुड़ इंग्रिडीएंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	20263	58709.07	734.81
9	इंडस कॉफ़ी प्राइवेट लिमिटेड	19001	39375.83	488.57
10	ईकाम कमॉडिटीस इंडिया प्राइवट लिमिटेड	17683	41150.86	516.73
11	अन्य	140466	306425.86	3816.97
	कुल	**396386**	**898483**	**11202**

टिप्पणी: ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23* के दौरान उच्च मूल्य हरी कॉफ़ी एवं स्पेशालिटी कॉफ़ी एवं मूल्य वर्धित कॉफ़ी का निर्यात

क्र. सं.	कॉफ़ी के प्रकार	मात्रा टनों में	मूल्य (लाखों ₹ में)	मूल्य (लाखों $ में)
1	ग्रीन कॉफ़ी (ग्रीन स्पेशाल्टी कॉफ़ी को छोड़कर)	237093	530477	6626
2	ग्रीन स्पेशाल्टी कॉफ़ी	140507	305354	3795
3	घुलनशील, रोस्टेड एवं ग्राउंड कॉफ़ी	18786	62651	781
कुल		**396386**	**898483**	**11202**

टिप्पणी: ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2022-23 के दौरान हरी कॉफ़ी, स्पेशालिटि कॉफ़ी तथा मूल्य वर्धित कॉफ़ी का शेयर प्रतिशत

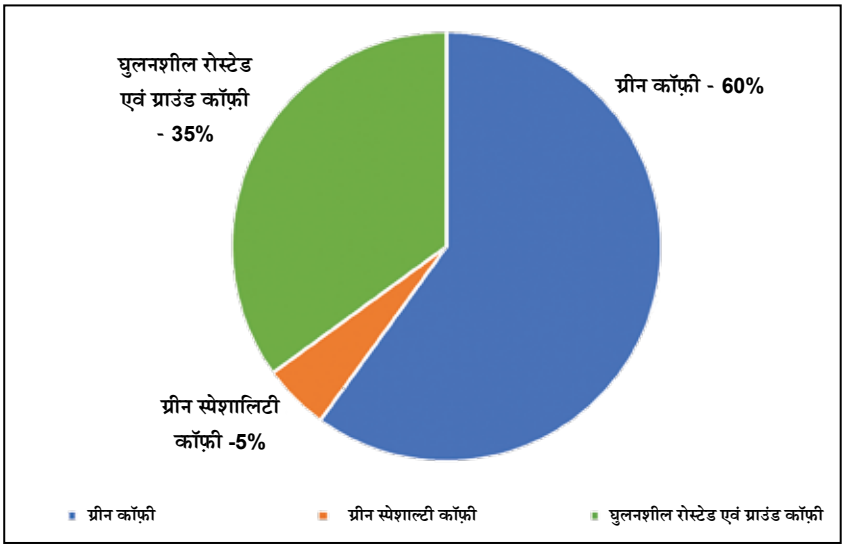

निर्यात वर्धन स्कीम-कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई सहायता देना।

मध्यमावधि ढाँचे (एमटीएफ) की अवधि के दौरान कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई की सहायता प्रदान करने के लिए तौर-तरीकों की अधिसूचना संख्या.MAR/EXPORTS/ MTF/2018-19/499, दिनांक 13.07.2018 के अनुसार निर्यात प्रोन्नयन स्कीम को दि.13.07.2018 से जो लागू की गई है वह वर्ष 2022-23 के दौरान जारी रखा तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट पर होस्ट किया गया है। स्कीम का उद्देश्य है कि महत्वपूर्ण उच्च मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में इंडिया ब्रांड बनाने और उच्च मूल्य विभेदित कॉफियों द्वारा मूल्य वर्धित कॉफियों के मार्केट शेयर की वृद्धि करने द्वारा निर्यात आय को बढ़ाना है। वर्ष 2022-23 के दौरान वितरित निर्यात प्रोत्साहन इस प्रकार हैं:-

पारगमन/माल ढुलाई सहायता का पैमाना

i) यू.एस.ए, कनाडा, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, फिनलंडि तथा नार्वे जैसे दूरवर्ती उच्च मूल्य बाज़ारों को उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹2/- प्रति कि.ग्रा.।

ii) ₹3/- प्रति कि.ग्रा. 'इंडिया ब्रांड' के रूप में निर्यातित खुदरा उपभोक्ता पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹3/- प्रति कि.ग्रा., इसके विनिर्माण/तैयारी के लिए उपयोग की जाने वाली ग्रीन कॉफ़ी पर गणना की जाती है, जो इंस्टेंट/घुलनशील कॉफ़ी के लिए अधिकतम 2.6 कि.ग्रा. और रोस्टेड कॉफ़ी बीज और *आर एण्ड जी* कॉफ़ी के लिए 1.19 कि.ग्रा. है।

क्र. सं.	घटक	मात्रा टनों में	मूल्य (लाख ₹ में)
1	दूरवर्ती बाज़ारों पर उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹ 2/कि.ग्रा. की दर से दिए गए प्रोत्साहन	21857	437
2	'इंडिया ब्रांड' के रुप में रिटेल पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹ 3/कि.ग्रा. की दर पर दिए गए प्रोत्साहन	12855	386
	कुल	**34712**	**823**

भारतीय कॉफ़ी के ब्रांडिंग के लिए लोगो

भारतीय कॉफ़ी बोर्ड ने इंडिया ब्रांड के रुप में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात को बढ़ाने और छाया में उगाए, धारणीय एवं आभायुक्त भारतीय कॉफ़ी का चित्रण कॉफ़ीज़ ऑफ़ इंडिया लोगोस में दर्शाकर भारतीय कॉफ़ी की पहचान सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। वास्तव में लोगोस यह प्रतीक दिलाता है कि भारतीय कॉफ़ी छाया में उगाई जाती है, भारत के कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्र विश्व के 25 जैव-विविधतायुक्त महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है और भारत में उगाए जाने वाली कॉफ़ी की विविधता पर भी प्रकाश डालता है।

कॉफ़ीस ऑफ़ इंडिया - मथर लोगो

कॉफ़ीस आफ़ इंडिया - एक्स्पोर्ट लोगो

बाह्य प्रोन्नयन

इस वर्ष भी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण कॉफ़ी बोर्ड निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं ले सका। भारतीय दूतवास एवं संबंधित देशों के विदेशी संघों के सहयोग से क्रेता-विक्रेता बैठक, कॉफ़ी स्वादन कार्यक्रम आयोजित करके तथा विदेशों में भारतीय मिशनों के सहयोग से कॉफ़ी फेस्टिवल की सुविधा प्रदान करके आभासी रूप में भाग लेना जारी रखा।

वर्ष 2022-23 के दौरान विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से कॉफ़ी बोर्ड की निर्यात प्रोन्नयन गतिविधियाँ :

क्र. सं.	कार्यक्रमों का नाम और देश	कार्यक्रमों की तारीख
1.	कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय दूतावास, बहरीन के सहयोग से कॉफ़ीस ऑफ इंडिया पर वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।	जून 13, 2022
2.	कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय दूतावास, बीजिंग, चीन और चीन कॉफ़ी एसोसिएशन के सहयोग से कॉफ़ीस ऑफ इंडिया पर वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।	जून 17, 2022
3.	ब्रुसेल्स, बेल्जियम में भारतीय दूतावास ने कॉफ़ी बोर्ड के सहयोग से ब्रुसेल्स में पार्स डू सिनकैंटेनेयर में आयोजित इंडिया फूड फेस्टिवल में कॉफ़ीस ऑफ इंडिया को प्रोन्नयन किया।	अगस्त 20-21, 2022

क्र. सं.	कार्यक्रमों का नाम और देश	कार्यक्रमों की तारीख
4.	कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय दूतावास, बीजिंग, चीन और चीन कॉफ़ी एसोसिएशन के सहयोग से कॉफ़ीस ऑफ इंडिया पर दूसरी वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।	नवंबर 01, 2022
5.	बीजिंग, चीन में भारतीय दूतावास ने कॉफ़ी बोर्ड के सहयोग से पूरे बीजिंग में चार प्रसिद्ध कॉफ़ी शॉपों में भारतीय कॉफ़ी प्रोन्नयन सप्ताह का पहला अध्याय आयोजित किया।	नवंबर 16-23, 2022
6.	कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय दूतावास, कुवैत के सहयोग से कॉफ़ीस ऑफ इंडिया पर वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।	नवंबर 28, 2022
7.	बेरूत, लेबनान में भारतीय दूतावास ने कॉफ़ी बोर्ड के सहयोग से फोरम डी बेयरौथ, बेरूत, लेबनान में आयोजित 'आर्ट ऑफ लिविंग 2022' प्रदर्शनी में कॉफ़ीस ऑफ इंडिया का प्रोन्नयन किया।	नवंबर 30 से दिसंबर 4, 2022
8.	कुवैत में भारतीय दूतावास ने कॉफ़ी बोर्ड के सहयोग से दार अल अतहर अल इस्लामियाह - यरमौक सांस्कृतिक केंद्र, कुवैत में भारतीय कॉफ़ी स्वादन का कार्यक्रम आयोजित किया।	मार्च 17-18, 2023
9.	बीजिंग, चीन में भारतीय दूतावास ने कॉफ़ी बोर्ड के सहयोग से पूरे बीजिंग में छह कॉफ़ी शॉपों में दूसरे भारतीय कॉफ़ी प्रोन्नयन सप्ताह का आयोजन किया।	फरवरी 6 से 12, 2023

वर्चुअल मोड ने लगातार व्यापार प्रोन्नयन गतिविधि लाई है तथा प्रमुख आयातक देशों के बीच व्यापार को बनाए रखा है। बोर्ड ने प्रोन्नयन गतिविधि के रूप में भारतीय मिशनों के माध्यम से क्रेता देशों के महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों को कॉर्पोरेट उपहार बक्से भेजना जारी रखा।

******

अध्याय VIII

बाजार अनुसंधान एवं आसूचना

बोर्ड के बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना एकक द्वारा 2022-23 के दौरान निम्नलिखित कार्य निष्पादित किया गया है :

- एकक ने मूल्यत, आपूर्ति, मांग और अन्य 2 मूलभूत एवं तकनीकी कारकों से संबंधित दैनिक बाज़ार जानकारी (वैश्विक एवं भारत से संबंधित दोनों) के संग्रह एवं समेकन का कार्य जारी रखा जो बाज़ार विश्लेवषण के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन सूचनाओं को उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ सरकार को भी पहुँचायी गई। वर्ष 2022-23 के दौरान, कुल 233 दैनिक बाज़ार रिपोर्ट तैयार करके प्रसारित की गई।
- अवधि के दौरान दैनिक बाज़ार विश्लेषण से संबंधित दैनिक ई-मेल सूचना जारी रखी। इस सुविधा को विस्तार विभाग द्वारा उपजकर्ताओं तक बढ़ाई गई तथा वेबसाइट https://www.coffeeboard.gov.in में पोस्ट की गई।
- एकक ने जुलाई 2022 तथा जनवरी 2023 के महीनों में "कॉफ़ी पर डाटाबेस" के विस्तृत दो अंक प्रकाशित किया। नीति निर्धारक एवं हितधारकों के लिए कॉफ़ी पर डाटाबेस बहुत उपयोगी है।
- सीज़न 2022-23 के लिए विभिन्न श्रेणी के जोतों एवं कॉफ़ी अंचल/क्षेत्रों भर स्तरीय अनियमित नमूना चयन तकनीकों का प्रयोग कर फसल प्राक्कलन तैयार किए गए।
  - 2022-23 के लिए पुष्पणोत्तर प्राक्कलन 3,93,400 मे.ट. (अरेबिका का 1,08,300 मे.ट. एवं रोबस्टा का 2,60,7000 मे.ट.) था।
  - 2022-23 के लिए मानसूनोत्तर प्राक्कलन 3,60,500 मे.ट. (अरेबिका का 1,01,500 मे.ट. एवं रोबस्टा का 2,59,000 मे.ट.) था।
  - 2022-23 के लिए अंतिम प्राक्कलन 3,52,000 मे.ट. रखा गया है जिसमें अरेबिका का 1,00,000 मे.ट. (कुल का 28.41%) एवं रोबस्टा का 2,52,000 मे.ट.(कुल का 72%) था।
- एकक ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) और कॉफ़ी से संबंधित व्यापार नीति मामलों पर आर्थिक एवं विश्लेपषणात्मक समर्थन प्रदान किया है। एकक ने कुछ आयातक देशों में भारतीय कॉफ़ी निर्यात के लिए टैरीफ बाधाओं एवं टैरिफ विषमता के बारे में पता लगाया और अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ताओं के द्वारा भारतीय कॉफ़ी के निर्यात के लिए टैरीफ रियायतें प्राप्त करने के लिए मंत्रालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की। एकक ने विश्लेषण करके मुक्त व्यापार समझौतों के अधीन कॉफी के लिए उत्पाद विशिष्ट नियम तैयार किया गया है तथा इसे मंत्रालय को भी प्रस्तुत किया है।
- एकक ने एक जिले के लिए एक उत्पाद (ओडीओपी) स्कीम के कार्यान्वयन के तहत राज्य नोडल एजेंसी-कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण एवं निर्यात निगम लिमिटेड (केएपीपीईसी) को कॉफ़ी से संबंधित अपेक्षित विषय-सामग्री प्रदान किया है। एकक ने निर्यात हब (डीईएच) के रूप में जिलों के कार्यान्वयन के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) को कॉफी के संबंध में अपेक्षित इनपुट भी प्रस्तुत किया है।
- यह इकाई कॉफ़ी क्षेत्र के हितधारकों को एक ही मंच पर सभी सेवाएँ, उत्पाद एवं जानकारी प्रदान करने के लिए एकीकृत वन स्टॉप मोबाइल ऐप 'इंडियाकॉफ़ी ऐप' के विकास से संबंधित गतिविधियों के समन्वय में शामिल है।

- एकक द्वारा निर्यात अनुभाग की गतिविधियों का समन्व यन किया जाता है।
- यह इकाई "जी20" प्रेसीडेंसी बैठकों में भारत की कॉफ़ी पर प्रमुख ध्यान देने के साथ कॉफ़ी पीकर अनुभव करने हेतु स्टॉल की स्थापना और ब्रांडिंग से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करती है।
- एकक ने बोर्ड की वेबसाइट **www.coffeeboard.gov.in** के अनुरक्षण का कार्य जारी रखा है।
- एकक ने अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफ़ी दोनों की स्थापना लागत के आकलन पर कार्य किया है। इसे इकाई लागत का निर्धारण के लिए राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को प्रस्तुत किया गया है।
- एकक ने ज्यादा मध्यस्थों के बिना कॉफ़ी उपजकर्ताओं तथा उद्यमियों को सीधे निर्यात करने के लिए प्लैटफार्म प्रदान करते हुए **'विक्रायम'** नाम से एक ऊष्मायन कार्यक्रम आयोजित किया।
- एकक ने घरेलू नीलामी केंद्र, इंडियन कॉफ़ी ट्रेड एसोसिएशन (आईसीटीए) को कॉफ़ी के सभी श्रेणियों के लिए साप्ताहिक प्राक्कलित सूचकांक मूल्य प्रदान किया।
- घरेलू शुद्ध कॉफ़ी का उपभोग बढ़ाने तथा भारतीय उच्च गुणवत्ता वाली कॉफ़ी के प्रीमियमीकरण के लिए कॉफ़ी बोर्ड ने 'इंडिया कॉफ़ी' ब्रांड के तहत चार प्रीमियम कॉफ़ी जैसे कूर्ग अरेबिका कॉफ़ी (जीआई टैग), चिक्कमगलूरु अरेबिका कॉफ़ी (जीआई टैग), 100% अरेबिका कॉफ़ी, अरेबिका एवं रोबस्टा का मिश्रण और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों में 'कॉफ़ीज़ ऑफ़ इंडिया' ब्रांड के तहत 100% अरेबिका तथा अरेबिका एवं रोबस्टा का मिश्रण जैसी सस्ती कॉफ़ीस को लॉन्च किया। एकक द्वारा इन गतिविधियों का समन्वय किया जाता है।

*****

अध्याय IX

लेखा एवं वित्त

कॉफ़ी बोर्ड के लेखा एवं वित्त विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रकार्य किए जाते हैं:

- बजट प्राक्कलनों की तैयारी तथा बोर्ड के विभिन्न विभागों को बजट का आबंटन।
- निधि आदि का निर्मोचित करने हेतु वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वित्त प्रभाग के साथ संपर्क कार्य।
- बोर्ड के विभिन्न विभागों के लेखाओं का संकलन तथा अनुरक्षण।
- संसाधनों के मूल्य दक्ष उपयोग सुनिश्चित करते हुए बोर्ड के नकद एवं अन्य वित्तीय संव्यवहार पर प्रभावी नियंत्रण रखना।
- वित्तीय आशय से जुड़े सभी मामलों पर सलाह देना।
- बोर्ड के कार्यालयों के आंतरिक लेखापरीक्षा का आयोजन।
- बिक्री कर, भुगतान आदी जैसे पूल विपणन से संबंधित लंबित मामलों का निपटान।

प्राप्तियाँ एवं भुगतान, आय एवं व्यय तथा तुलन पत्र जैसे तीन सेटों में बोर्ड की लेखा तैयार की गई है। 2022-23 के दौरान भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान तथा प्रत्येक लेखा शीर्ष के अधीन अनंतिम व्यय का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ लाख में)

अनुदान शीर्ष	प्राप्त अनुदान	अनंतिम व्यय
सहायता अनुदान सामान्य (ओएनईआर)	21.75	21.75
पूँजी परिसंपत्तियों का सृजन - योजना (ओएनईआर)	2.00	2.00
सब्सिडी (ओएनईआर) बागान	44.85	44.85
सब्सिडी - एस सी उप-योजना	4.29	4.29
सब्सिडी - जनजातीय क्षेत्र उप-योजना	12.09	12.09
स्वच्छता कार्य योजना - एसएपी	1.00	1.00
पूँजी परिसंपत्तियों का सृजन - (पूर्वोत्तर)	0.50	0.50
सब्सिडी - पूर्वोत्तर	4.61	4.61
सहायता अनुदान - सामान्य	2.25	2.25
सहायता अनुदान - वेतन	126.36	140.61
सहायता अनुदान - सामान्य	8.50	8.50
कुल	**228.20**	**242.45**

अतिरिक्त व्यय कॉफ़ी बोर्ड के आई.ई.बी.आर. खाते से पूरा किया गया है।

पेंशन

यथा 31.03.2023 को पेंशन संचय निधि के ₹27.59 करोड़ (₹27,59,04,000) रुपए ब्याज अर्जन के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों में निवेशित किए गए हैं। वर्ष में अर्जित कुल ब्याज ₹1.40 करोड़ (₹1,39,87,688) थे। 2868 पेंशनभोगियों के पेंशन तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान सेवानिवृत्त हुए लोगों के पेंशनरी लाभ का भुगतान किया गया।

31.03.2023 को नई पेंशन योजना के अधीन 187 कार्मिक हैं जो 01.01.2004 के बाद बोर्ड की सेवा में नियुक्त हुए थे।

भविष्य निधि

वर्ष के दौरान, ₹6.78 करोड़ (₹6,78,12,100) की राशि भविष्य निधि के अंशदान के रूप में प्राप्त हुई तथा ₹11.38 करोड़ (₹11,38,27,233) की राशि भविष्य निधि आंशिक अंतिम निकासी तथा अंतिम निकासी के रूप में वितरित की गई। कॉफ़ी अधिनियम 1942 के अनुसार ब्याज अर्जन के लिए ₹31.00 करोड़ की अधिशेष निधि विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों में निक्षेपित है तथा इससे वर्ष के दौरान ₹1.67 करोड़ (₹1,67,57,635) ब्याज प्राप्त हुआ है।

पूल निधि

कॉफ़ी पूलिंग युग के दौरान, कॉफ़ी रोपकों द्वारा पूलित कॉफ़ी की बिक्री से प्राप्त राशि से पूल निधि सृजित की गई थी। पूलित कॉफ़ी के विपणन तथा रोपकों को भुगतान का दायित्व कॉफ़ी बोर्ड का था। इस गतिविधि के अधीन कॉफ़ी के प्रोन्नयन हेतु प्रचार-प्रसार तथा आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय उपभोग के लिए कॉफ़ी का विपणन अनुरक्षण कार्य शामिल है। वर्ष 1995 में बोर्ड ने कॉफ़ी के डी-पूलिंग करने का निर्णय लिया, जिससे पूलिंग गतिविधियों में कार्यरत अधिशेष कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति आवश्यक हो गई। तदनुसार, पूल निधि से सेवानिवृत्त लाभ तथा अनुग्रह राशि दी गई थी। बकाया राशि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन के भुगतान के लिए कॉर्पस निधि में अंतरित की गई है। केवल ₹8.71 करोड की अधिशेष पूल निधि की राशि भारतीय स्टेट बैंक में निक्षेपित है।

*****

संकेताक्षर

AIC	अटल इन्क्यूबेशन सेंटर
BCRL	जैव नियंत्रण अनुसंधान प्रयोगशाला
BIS	भारतीय मानक ब्यूरो
BIEC	बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र
BSM	क्रेता-विक्रेता बैठक
Bt	बासिलस थुरिंजेन्सिस
CODISSIA	कोयंबत्तूर जिला लघु उद्योग एसोसिएशन
cDNA	मानार्थ डीएनए
CBB	कॉफ़ी बेरी बोरर
CCRI	केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान
CDRP	कॉफ़ी ऋण राहत पैकेज
CFC	सामान्य वस्तु निधि
CIFC	सेंट्रो डे इन्वेस्टिगाको ड़ास फेरूजिनस ड़ो केफेरो (कॉफ़ी रस्ट रिसर्च सेंटर)
CIE	नविनीकरण एवं उद्यमिता केंद्र
CFU	कॉलनी फार्मिंग एकक
CIS	कैरियर सुधारण योजना
CRSS	कॉफ़ी अनुसंधान उप-स्टेशन
CxR	कांजेन्सिस x रोबस्टा
CST	केंद्रीय विक्रय कर
DBT	जैव- प्रौद्योगिकी विभाग
DGFT	विदेश व्यापार महानिदेशक
DNA	डी-ऑक्सी-रैबो न्यूक्लियिक एसिड
DVDs	डिजिटल वीडियो डिस्क
EU	यूरोपियन यूनियन
EC	इमल्सिफाइंग कांसेंट्रेशन
FSSAI	भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण

FYM	फार्म यार्ड मेन्यूर
GBE	ग्रीन बीन इक्वीवलंट
HDT	हाइब्रिडो - डे - टिमोर
IAP	आंतरिक लेखापरीक्षा पार्टी
IAS	भारतीय प्रशासनिक सेवा
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
IBEF	इंडियन ब्रैंड इक्विटी संगठन
ICAR	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
ICH	भारतीय कॉफ़ी हाउस
ICO	अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन
ICTA	भारतीय कॉफ़ी व्यापार संगठन
IDAS	भारतीय रक्षा लेखा सेवा
INM	समेकित पोषण प्रबंधन
IPM	समेकित पीड़क प्रबंधन
IICF	इंडिया इंटरनेशनल कॉफ़ी फेस्टिवल
IIHR	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
IIPM	भारतीय बागान प्रबंध संस्थान
ITDA	समेकित जनजाति विकास अभिकरण
ITPO	भारतीय व्यापार वर्धन संगठन
IT	सूचना प्रौद्योगिकी
IEBR	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन
JNU	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
Kg/Ha.	किलो ग्राम/हेक्टेयर
KGST	केरल जनरल बिक्री कर
MACP	संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रोन्नयन
MFCS	संशोधित नम्य पूरक स्कीम
MAS	मार्कर समर्थित चयन
MENA	मध्य पूर्व एवं उत्तरी आफ्रिका

MPEDA	समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
MT	मेट्रिक टन
MTS	बहु-कार्य कर्मचारी
MUTV	बहु-उपयोगी ट्रैक्टर वाहन
NBAII	राष्ट्रीय कृषि उपयोगी कीट ब्यूरो
NBC	राष्ट्रीय बरिस्ता प्रतियोगिता
NBSS & LUP	राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण ब्यूरो व भूमि उपयोग योजना
NCA	राष्ट्रीय कॉफ़ी एसोसिएशन
NER	पूर्वोत्तर क्षेत्र
NIMHANS	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान
NTA	गैर-परंपरागत क्षेत्र
NPK	नाईट्रोजन, फ़ॉस्फ़ोरस, पोटाशियम
NRCB	राष्ट्रीय कदली अनुसंधान केंद्र
PB	वेतन बंड
PCR	पोलीमरैज़ श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया
PF	भविष्य निधि
PFA	आहार अपमिश्रण निवारण
P & K	फॉस्फ़ोरस व पोटाशियम
PSB	फ़ास्फ़ेट विलेयक बैक्टीरिया
PSFT	मूल्य स्थिरीकरण निधि न्यास
RCRS	क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान स्टेशन
RTI	सूचना का अधिकार
RCMC	रजिस्ट्रेशन-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र
R&G	रोस्टेड एवं ग्राउण्ड
R&D	अनुसंधान एवं विकास
RIO	क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय

RISC	कॉफ़ी के लिए वर्षा बीमा स्कीम
RTI	सूचना का अधिकार
RT PCR	यथार्थ कालीन पोलीमरैज़ श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया
SC	अनुसूचित जाति
SCAA	स्पेशियालिटी कॉफ़ी असोसिएशन ऑफ अमेरिका
SCAE	स्पेशियालिटी कॉफ़ी असोसिएशन ऑफ यूरोप
SCAR	आनुक्रमिक विशिष्ट प्रवर्धित क्षेत्र
SEC	सामाजिक आर्थिक वर्ग
SHG	स्वयं सहायता समूह
SIn	सेलेक्शन
SLP	विशेष छुट्टी याचिका
SPAD	मृदा पादप वैश्लेषिक विकास
SSP	सिंगल सूपर फॉस्फेट
ST	अनुसूचित जन जाति
SRAP	आनुक्रमिक संबद्ध प्रवर्धित पॉलीमर
STAT	विक्रय कर अपीलीय प्राधिकरण
STEP	अल्पकालीन कार्यकारी कार्यक्रम
TEC	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र
TIES	निर्यात हेतु व्यापार अवसंरचना स्कीम
TOLIC	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समीति
TVCs	वाणिज्यक दूरदर्शन
UAS	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
UNO	संयुक्त राष्ट्र संगठन
UPASI	दक्षिण भारतीय संयुक्त उपजकर्ता संगठन
US cents/lb	यू एस सेंट्रस / पाउंड
VAM	वेसिक्युलर आर्बस्क्युलर माइकोरिज़ा

VAT	मूल्य वर्धित कर
WA	रिट अपील
WP	वेटेबल पाउडर
WSB	सफेद तना छेदक
WBC	विश्व बरिस्ता प्रतियोगिता
WTO	विश्व व्यापार संगठन

*****